{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 12 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 80
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 84,818.13
निफ्टी - 25,898.55
सोना - 1,30,750
चांदी - 2,01,000
डॉलर - 90.18

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

दीपक उर्फ़ सुधाकर के आत्मसमर्पण की अनकही कहानी

बोंदारी गाँव के बैगा नैनसिंह मरकाम ने पूर्व मुखबिर राजकुमार धुर्वे के साथ कराया आत्मसमर्पण!!

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़ । बालाघाट

आज सुबह 8 बजे दक्षिण बैहर के कोरका बोंदारी इलाके में स्थित सी आरपीएफ कैम्प में अंतिम नक्सली और उसका साथी ने समर्पण किया. उसके आत्मसमर्पण में बोंदारी गाँव के एक बैगा नैन सिंह मरकाम ने बड़ी भूमिका निभाई है।

हमारे विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि इन दिनों दीपक उइके अपने एक साथी कबीर को ढूंढ रहा था. दीपक ने पिछले रविवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ यादव को हथियार सौंपा था किन्तु दीपक को यह पता ही नहीं था कि कबीर उर्फ़ सुरेन्द्र ने हथियार डाल दिया है. वह इन जंगलों में अपने साथी रोहित के साथ उसे ढूंढ रहा था।

सूत्र यहाँ तक बताते हैं कि दीपक के पास कोई मोबाईल और संचार के साधन नहीं होने से उसे इस तथ्य की कोई जानकारी नहीं थीं।

घटना क्रम के बारे में सूत्र बताते हैं कि दीपक पहले नैन सिंह से संपर्क साधा और फिर समर्पण करना चाहा तब नैन सिंह ने उसे पूर्व के एक मुखबिर राजकुमार धुर्वे से संपर्क साधा और तब राजकुमार धुर्वे ने इस बात कि जानकारी नक्सल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श कान्त शुक्ला से बात की। सूत्र यहाँ तक बताते हैं कि तब श्री शुक्ला ने इस बात की जानकारी अपने वरिष्ठ अफसरों को दिया। और फिर आत्मसमर्पण की स्थिति स्पष्ट हुई और इस तरह सुबह 8 बजे दीपक और रोहित जंगल से निकल कर कैम्प में आ गए।

अद्भुत संयोग! पहली नक्सल उपस्थिति बिरसा में और अंतिम नक्सल सरेंडर भी बिरसा में

35 साल पहले बालाघाट के बिरसा थाने में दर्ज हुई थी नक्सल आतंक की पहली रिपोर्ट

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़ । बालाघाट

बिरसा थाने का नाम आज इतिहास में दर्ज हो गया! 35 साल पहले पहली बार नक्सलियों की उपस्थिति और वारदात की रिपोर्ट बिरसा थाने में दर्ज हुई थीं और आज अंतिम नक्सली का हथियार डालना भी बिरसा थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ!!

सरकारी रिकार्ड और बालाघाट जिले की घटनाओं पर नज़र रखने वालों का कहना है कि मध्य प्रदेश में नक्सलियों का आतंक 35 साल पहले शुरू हुआ था। प्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ पहली एफआईआर बालाघाट के बिरसा थाने में हुई थी। इसके बाद लाल आतंक का प्रभाव और असर ऐसा चला कि उसने एक मंत्री सहित पुलिस के कई पुलिसकर्मियों को मार दिया था।

उस दौर से आज तक

बहुत कुछ इन सालों में बदल चुका है.आज उस 35 साल बाद नक्सल अब यह आतंक अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। हालांकि अब किसी भी नक्सली के आधिकारिक तौर पर जंगल में होने की कोई ख़बर नहीं है ।

आज बचे अंतिम नक्सली की तलाश भी आज पूरी हुई

पिछले महीने तक प्रदेश पुलिस को बालाघाट में लगभग 27 नक्सलियों की तलाश थी, लेकिन अब यह घट कर महज 2 पर आ गई थी । जो सुरक्षा बलों को चकमा देता रहा और सरकारी स्तर के अलावा लगभग 1000 लोग गाँव गाँव घूमकर उनके सरेंडर की जुगत में लगे थे, उन्हें आज निराश होना पड़ गया जब खुद दीपक नामक हार्ड कोर नक्सली अपने एक साथी के साथ स्टेगन लेकर शिविर पहुँच गया।

आज बिरसा थाना अंतर्गत कोरका गाँव में स्थापित सीआरपीएफ के शिविर में पहुंचकर दो हार्ड कोर नक्सलियों ने हथियार डाल दिया. और खुद को समर्पित कर दिया।

इन 2 नक्सलियों की तलाश बीते हफ़्ते से तेजी से जंगल में की जा रही थीं । पुलिस अफसरों को उम्मीद थी कि यह नक्सली भी या तो पकड़े जाएंगे या फिर ये आत्मसमर्पण कर देंगे।

बालाघाट = माओवादियों के आतंक का इतिहास की अनकही कहानी

वर्ष 1990 में मध्यप्रदेश में नक्सलियों के खिलाफ पहली एफआईआर बालाघाट जिले के बिरसा थाने में दर्ज हुई। इसके बाद अगले ही वर्ष नक्सलियों ने बड़ा हमला किया। वर्ष 1991 में नक्सली हमले में नौ पुलिसकर्मी मारे गए और 15 घायल हुए। नक्सलियों ने यह हमला एक बस पर घात लगाकर किया। इसके बाद नक्सलियों ने 1994 में बालाघाट जिले में एक पुलिस वाहन को निशाना बनाते हुए कील वाले बम से हमला किया, जिसमें 16 पुलिसकर्मी मारे गए। यह उस समय देश की सबसे बड़ी नक्सली वारदातों में से एक थी। वर्ष 2000 की 21-22 फरवरी को दरेकसा दलम से जुड़े 40-50 नक्सलियों ने लांजी के पास में पुलिस दल पर हमला किया, जिसमें चार पुलिसकर्मियों की मौत हुई। इसी तरह वर्ष 1998 में दिसंबर महीने की 15 - 16 तारीख की दरमियानी रात्रि परिवहन मंत्री लिखीराम कावरे की उनके बालाघाट जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र के गाँव सोनपुरी में निवास के बाहर निकाल कर देर रात गला रेतकर हत्या कर दी गई।

यह राज्य में माओवादी हिंसा की सबसे हाई-प्रोफाइल हत्याओं में से एक थी। वर्ष 2002 में दो पुलिसकर्मी पुलिस वैन में हुए हमले में मार दिए गए। इसके बाद कई वर्षों तक परसवाड़ा लांजी, बैहर, बिरसा क्षेत्र में नक्सली घटनाएं लगातार चलती रहीं।

वर्ष 2001 में नक्सलियों ने बारूद से भरा ट्रक ही लौगूर के जंगल से गायब कर दिया था. जिले की जंगलों में विस्फोटक छुपा कर रखा था। 49 से 50 किलो तक विस्फोटक सामान घने जंगलों में तलाशी के दौरान सुरक्षा जवानों को मिला। इसी वर्ष, पितकोना जंगल क्षेत्र में एक आरक्षक को नक्सलियों ने मार दिया।

अब बदले दौर में नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लग चुका है. किन्तु उन दिनों दिन के उजाले में भी जिले की जंगलों में सरकारी मातहत अमला जाने से डरता था। लाल आतंक का वह दौर अब थमता दिख रहा है।

खास खबर

5 राज्य, 1 यूटी में एसआईआर की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को 5 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर यानी वोटर वेरिफिकेशन) की समयसीमा बढ़ा दी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार में 18 दिसंबर तक फॉर्म भर सकेंगे।

वहीं, उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर, गुजरात और तमिलनाडु में 14 दिसंबर तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। पहले फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर थी।

आयोग ने बताया कि गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के लिए समयसीमा गुरुवार को ही समाप्त होगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को पब्लिश की जाएगी। केरल में पहले ही अखिरी तारीख 18 दिसंबर कर दी गई थी जिसका ड्राफ्ट 23 दिसंबर को पब्लिश होगा। चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को एसआईआर की समयसीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोडने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा।

कुछ ना कहना

इंडिगो संकट : एयरलाइन कंपनी प्रभावित यात्रियों के लिए की घोषणा, 3-5 दिसंबर के बीच ज्यादा परेशान पैसेंजर्स को मिलेगा

यात्रियों को रिफंड के अलावा मिलेगा मुआवजे में 10 हजार का ट्रैवल वाउचर

नई दिल्ली। इंडिगो की फ्लाइट्स कैंसिल होने की वजह से यात्रियों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। दिसंबर के पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा यात्रियों को परेशानी हुई, क्योंकि इस दौरान सैकड़ों इंडिगो की फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। जिससे यात्रियों को आर्थिक तौर पर भी भारी नुकसान हुआ। जिसके बाद एयरलाइन के खिलाफ डीजीसीए ने सख्त कदम उठाया है। अब इंडिगो ने 3, 4 और 5 दिसंबर को बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने की वजह से यात्रियों को राहत देने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि प्रभावित यात्रियों को सरकार के नियमों के अनुसार 5,000 रुपये से 10,000 रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा।

इसके साथ ही एयरलाइन ने सबसे ज्यादा प्रभावित यात्रियों के लिए 10,000 रुपये तक के अतिरिक्त ट्रैवल वाउचर जारी करने की भी घोषणा की है। यह फैसला उन यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण राहत माना जा रहा है, जिनकी यात्रा योजनाएं अचानक बदल गईं और जिन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। इस ट्रैवल वाउचर की खास बात यह है कि इसे अगले

12 महीनों तक कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यात्री भारत में इंडिगो की किसी भी घरेलू उड़ान या फिर अंतरराष्ट्रीय रूट के लिए इन वाउचर का उपयोग कर सकते हैं। इंडिगो ने बताया कि 10 हजार रुपये का ट्रैवल वाउचर उन यात्रियों दी जाएंगी, जिनकी यात्राएं एक से ज्यादा बार बदलनी पड़ीं, यानी जिनकी उड़ानें बार-बार रीशेड्यूल हुईं, या जिन्हें एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपने रजिस्टर्ड ईमेल और मोबाइल नंबर पर भेजे गए मैसेज को चेक करें, ताकि उन्हें मुआवजा और वाउचर क्लेम करने की प्रक्रिया में आसानी हो।

इंडिगो ने यात्रियों से मांगी माफी

कंपनी के अनुसार, मुआवजा राशि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत दी जाएगी। जिन यात्रियों की उड़ानें एयरलाइन की वजह से रद्द हुईं, वे नियमों के मुताबिक इस मुआवजे के हकदार हैं। इंडिगो ने स्पष्ट किया कि मुआवजा राशि फ्लाइट की दूरी, टिकट श्रेणी और यात्री को हुई असुविधा के आधार पर दी जाएगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को हुए आर्थिक नुकसान और अनावश्यक परेशानी को कम करना है। इंडिगो ने बयान जारी कर कहा कि रद्द उड़ानों के कारण जिन यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी, उनके लिए कंपनी खेद व्यक्त करती है और यह सुनिश्चित कर रही है कि भविष्य में ऐसे हालात दोबारा न हो।

फ्लाइट उडने् में 15 मिनट की देरी की जांच होगी

इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशंस में आई दिक्कतों के बाद तकनीकी खामियों की निगरानी का पूरा ढांचा तत्काल प्रभाव से बदल दिया गया है। उड़ानों में लगातार देरी, कैंसिलेशन और हालिया सुरक्षा घटनाओं ने डीजीसीए को डिफेक्ट रिपोर्टिंग सिस्टम को जड़ से सख्त करने के लिए मजबूर किया है। 12 पेज के नए आदेश के मुताबिक अब किसी भी निर्धारित उड़ान में तकनीकी कारण से 15 मिनट या उससे ज्यादा की देरी होती है तो उसकी जांच अनिवार्य होगी। कंपनी को बताना होगा कि देरी क्यों हुई? उसे कैसे ठीक किया गया? दोबारा न होने के लिए क्या उपाय किए? ये ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले लागू नहीं थे। कंपनी को किसी भी 'मेजर डिफेक्ट' की तुरंत सूचना डीजीसीए को फोन पर देनी होगी।

राज्यसभा में चर्चा के दौरान नेहरु को लेकर आपस में भिड़ गए जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खरगे

नड्डा का आरोप, कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटाए

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर नेहरू हैं। खरगे ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि यह बहस वंदे मातरम को लेकर है या पंडित जवाहरलाल नेहरू को लेकर। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है।

यह सवाल दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गया, जब केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तब मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है...दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उसमें आस्था है। इन टिप्पणियों के चलते राज्यसभा में हंगामा शुरु हो गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती और उसका एकमात्र उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे... उस समय सत्ता में रहे लोग (सरकार) इस स्थिति के लिए जिम्मेदार थे। नड्डा ने कहा कि पहले आपने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटा दिए। जून 1947 में आपने भारत को खंडित स्वतंत्रता दी और जिन्ना के सपनों को पूरा साकार कर दिया। उसके बाद आपने पाकिस्तान की गुरिल्ला सेनाओं के सामने पीओके समर्पित किया, खंडित कश्मीर पर कब्जा कर लिया और फिर अनुच्छेद 370 लागू कर दिया... देश समझौतों से नहीं चलता-यही हमारी विचारधारा है।

सुप्रीम कोर्ट ने बताया...अवमानना की शक्ति का उपयोग कैसे होना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना के मामले में महिला को दी गई जेल की सज़ा को रद्द करते हुए यह स्पष्ट किया कि अवमानना की शक्ति का उपयोग कैसे होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब कोई अवमानना करने वाला व्यक्ति अपनी गलती स्वीकार करता है और माफी मांगता है, तब अदालतों को भी उदारता दिखानी चाहिए। अवमानना की शक्ति जजों के लिए व्यक्तिगत ढाल नहीं है और न ही यह आलोचना को चुप कराने का हथियार है। सजा देने की शक्ति के साथ ही माफ करने की ताकत भी आती है, खासकर जब व्यक्ति अपने कृत्य के लिए सच्चा पछतावा और पश्चाताप दिखाता है। यदि अदालत को सच्चे पछतावे का यकीन हो जाता है, तब वह माफ़ी स्वीकार कर सकती है और अवमानना करने वाले को बरी कर सकती है या सुनाई गई सजा को कम कर सकती है। अवमानना अधिनियम की धारा 12 के स्पष्टीकरण का हवाला देकर कोर्ट ने कहा कि माफ़ी को केवल इसलिए अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह सशर्त या सीमित है, बशर्ते वह ईमानदारी से पेश की गई हो। कानून की गरिमा को बचाना आवश्यक है, लेकिन प्रावधान मानवीय कमज़ोरियों को भी स्वीकार करता है, इसलिए सच्चे पछतावे पर माफ़ी स्वीकार की जानी चाहिए।

1,000 करोड़ के बड़े क्रिप्टो निवेश घोटाले में 30 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट

-आरोपियों में दो चीनी नागरिक वान जुन और ली आनमिंग-भी शामिल

नई दिल्ली, । सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) ने करीब 1,000 करोड़ के बड़े क्रिप्टो निवेश घोटाले में 30 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर कर दी है। इन आरोपियों में दो चीनी नागरिक वान जुन और ली आनमिंग-भी शामिल हैं। सीबीआई के अनुसार, आरोपियों ने 'एचपीजेड टोकन' नाम का एक फर्जी मोबाइल एप लांच किया और लोगों को गैर-मौजूद बिटकॉइन-माइनिंग मशीनों में निवेश करने के लिए तैयार किया। निवेशकों को बेहद ऊंचे मुनाफे का लालच दिया गया था।

यह घोटाला शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से चलाया जा रहा था, इस चीनी नागरिकों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा था। वान जुन, जो जिलियन कंसल्टेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक है, ने अपने भारतीय सहयोगी डोर्ट्से की मदद से कई शेल कंपनियां बनाई थीं। यह गिरोह विदेश से संचालित हो रहा था और कोरोना लॉकडाउन के दौरान तेजी से सक्रिय हुआ।

कुछ ही महीनों में 150 से अधिक बैंक खातों में रकम जमा हुई और उन्हें शेल कंपनियों के जरिए तेजी से घुमाकर धोखा किया गया। जुटाई गई राशि को बाद में क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेश भेजा गया। गिरोह ने भारत की नई पेमेंट एग्रीगेशन प्रणाली का दुरुपयोग कर रकम की वसूली और आंशिक भुगतान करके निवेशकों का भरोसा जीता।

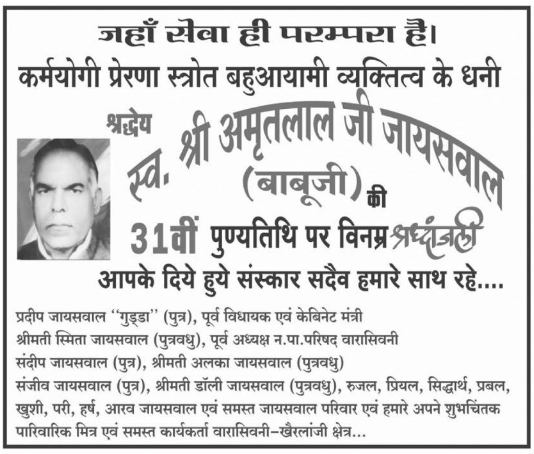

ग्राम कोसमी में युवक की कुएं में गिरने से मौत

माता-पिता का इकलौता बेटा था विकास उपवंशी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोसमी में इसी ग्राम के एक युवक विकास पिता जीत लाल उपवंशी 24 वर्ष की अपने ही घर के कुएं में गिरने से मौत हो गई। 11 दिसंबर को 11:00 करीब यह घटना उस समय हुई जब यह युवक अपने घर के सामने कुएं में मोटर लगाने के लिए कुछ काम कर रहा था।जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास उपवंशी अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। जिसकी दो बहने हैं। सभी की शादी हो चुकी है। सन 2014 में विकास उपवंशी की माँ की मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद विकास उपवंशी के परिवार में पिता जीतलाल उपवंशी, पत्नी और दो बच्चे हैं। एक बेटी दो वर्ष की है और हाल ही में दो माह पहले एक बेटी पैदा हुई है। विकास उपवंशी अपने पिता जीतलाल उपवंशी के साथ खेती किसानी ही करता था। 11 दिसंबर को सुबह ही विकास उपवंशी ने अपने पिता जीतलाल उपवंशी के साथ घर के सामने के कुएं में लगी मोटर निकले थे। 10:30 बजे विकास उपवंशी अपनी पत्नी के साथ घर में था और उसका पिता जीतलाल उपवंशी धान बिक्री करने हेतु स्लाट बुक करने सोसायटी जा रहा था। इसी दौरान विकास उपवंशी अपने घर के सामने कुएं में मोटर लगाने के लिए कुछ काम कर रहा था ।तभी वह अचानक फिसल कर कुएं में गिर गया। विकास उपवंशी को कुएं में गिरते हुए घर के सामने हो रही शादी में उपस्थित कुछ लोगों ने देखे और चिल्लाए देखते-देखते जीतलाल उपवंशी के घर आंगन में भीड़ लग गई। मोहल्ला पड़ोस के लोगों ने तुरंत ही कुएं में रस्सी डालकर और उतरकर विकास उपवंशी को कुए से बाहर निकले और तुरंत ही उस नगर के एक निजी अस्पताल में ले गए थे। किंतु वहां के डॉक्टर ने उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट ले जाने की सलाह दिये। विकास उपवंशी को जब जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। विकास उपवंशी की ग्राम कोसमी से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पश्चात विकास उपवंशी का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण नवेगांव भिजवा दिये है।

खरीदी केंद्रों में थमाए गएं छोटे बारदाने, धान का नही हो रहा भराव

छोटे साईज के बारदनो ने बढाई धान खरीदी केन्द्र प्रभारियों की मुश्किले, उधर पर्याप्त इंतेजाम न होने से किसान भी परेशान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

शासन द्वारा प्रदेश भर में 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू की गई है, जो आगामी 20 जनवरी तक चलेगी। जिसके लिए जिले में 185 केंद्र बनाए गए हैं,जिसमें से ज्यादातर केंद्रों में 11 दिन बीत जाने के बाद भी उचित व्यवस्था नही बन पाई है।वहीं ज्यादातर धान खरीदी केंद्रों में अब तक धान खरीदी के माकूल इंतजाम नहीं किए गए हैं इसके अलावा किसान, साईज में छोटे और फटे पुराने बारदाने, किसानों के रुकने ,आराम करने, कैंटीन आदि के इंतजाम ना होने से भी परेशान है।जहां सबसे अधिक परेशानी छोटे साइज के बारदानों को लेकर आ रही है, जहां छोटे साइज के बारदाने थमाने के चलते किसानो की धान नियम अनुसार बरदानों में नहीं समा रही है, ऊपर तक धान भरने के बावजूद भी बारदानों में 40 किलो 600 ग्राम धान नही आ रही है।जिससे बोरों में ठूस ठूस कर धान भरनी पड़ रही है तो वही मजदूरों को सिलाई करने में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिससे जिले के विभिन्न केंद्रों में धान बेचने पहुंच रहे किसानों और उपार्जन खरीदी केंद्र प्रभारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

न मिल रहे बड़े बारदाने/ न हो पा रहा तौल

मुख्यालय के समीपस्थ धान उपार्जन केंद्र जागपुर सहित अन्य केंद्रों के हाल काफी बुरे है जहां खरीदी हुई धान का उठाव न हो पाने के कारण जगह ही नहीं बची है। जिसके चलते किसानों से धान खरीदी का कार्य करना तो दूर की बात है उन्हें धान पलटाने,धान के ढेर लगाने के लिए जगह नही है। वही बड़े बारदाने तक नहीं मिल रहे है।जिसके चलते किसानों को परेशान होना पड़ रहा है।

किसानों और उपार्जन खरीदी केंद्र प्रभारियों को हो रही अनेक परेशानियां

जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों की तरह ही वारासिवनी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जागपुर उपार्जन केंद्र, में समस्याओं का अंबार देखने को मिल

रहा है। जहां सबसे अधिक परेशानी छोटे साइज के बर्डन को लेकर देखी जा रही है , वही कई केंद्रों में पुराने, फटे बारदाने मिलर के द्वारा पहुंचाए जा रहे हैं इससे समिति के ऊपर भी प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा किसानों के रुकने, आराम करने, ठहरने ,कैंटीन आदि भी सुविधाएं मुहैया नहीं हो पा रही है जिसको लेकर धान खरीदी केंद्र प्रभारियों और केंद्र में पहुंचने वाले किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बात अगर पंजीकृत किसानों की करें तो इस वर्ष जिले में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए 2लाख 27 हजार से अधिक किसानों ने अपना पंजीयन कराया था, जिनकी धान की खरीदी 1 दिसंबर से शुरू हुई है।

केन्टीन और विश्राम गृह की व्यवस्था भी नही

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदने के बीच किसानों को हो रही असुविधाओं पर किसी का भी ध्यान नहीं है तो कहीं विश्राम गृह व्यवस्था शोभा की सुपारी बनी हुई है। केंद्रों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जा रही है और ग्रामीण क्षेत्रों से किसान यहां पहुंच रहे हैं तो उन्हें केंटीन की व्यवस्था ना होने से चाय नाश्ता कर समय गुजारना पड़ रहा है।कई किसान घर से खाना लेकर पहुंच रहे हैं वही दूर गांव से आने वाले किसानों को होटल या ढाबे में जाकर महंगा खाना खाना पड़ रहा है वहीं विश्राम ग्रह न होने से किसानों को खुले आसमान के नीचे कड़कड़ाती ठंड में रात गुजारनी पड़ रही है।

कट्टी में नहीं आ रही 40 किलो 600 ग्राम धान- जगन्नाथ टेभरे

जागपुर सोसाइटी में धान बेचने आए किसान जगन्नाथ टेम्भरे ने बताया कि यहां ध्यान रखने की व्यवस्था नहीं है तौल काटा होने के बाद कट्टी रखने की व्यवस्था नहीं बनाई गई है।वही सबसे बड़ी समस्या छोटी बोरी की है जिसमें 40 किलो 600 ग्राम धान नहीं आ रही है जिससे धान भरने और सिलाई करने में भी परेशानी हो रही है। आलम यह है कि किसान लोग कट्टियों में ठूस ठूस कर धान भर रहे हैं। यहां की व्यवस्थाओं और बरदानों के साइज में सुधार होना चाहिए।

सड़क पर उतरकर करेंगे विरोध प्रदर्शन- भुवनलाल

वही ग्राम पिपरिया से आए किसान भुवन लाल पटले ने बताया कि धान लेकर आए हैं लेकिन यहां ढेर लगने के लिए जगह तक नहीं बची है ,कंकड़ पत्थर में पाल बिछाकर धान का ढेर लगाओ तो पाल फट जाती है कुछ कंकड़ पत्थर भी धान में आ जाते हैं फिर गोदाम वाले उसका वीडियो बनाते हैं बोलते हैं कि कंकड़ पत्थर आ गए यह धन नहीं खरीदेंगे। इस साल धान की क्वालिटी अच्छी है लेकिन वे मौसम बारिश के चलते धान का कलर खराब दिख रहा है यदि ऐसी ही व्यवस्था हो बनी रही तो आने वाले वर्ष में किसान धान नहीं बचेंगे, सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। क्योंकि किसानों को हर पल यहां परेशानी हो रही है जागपुर सोसायटी में अच्छी जगह है बावजूद इसके भी गोदाम में धान बेचने के लिए किसानों को मजबूर किया जा रहा है।

बड़े बारदाने मिलने चाहिए, या भर्ती कम होगा चाहिए- सुरेंद्र बिसेन

वही सेवा सहकारी समिति जागपुर प्रभारी प्रबंधक सुरेंद्र बिसेन ने बताया कि 1 दिसंबर से धान खरीदी का कार्य प्रारंभ किया गया है, किसानो की धान पहले से तैयार हो चुकी थी, धान पूरी तरह सूखी हुई है जब किसान धान भंडारण केंद्र ला रहे हैं तो उन्हें बारदाना छोटा मिल रहा है।बारदाना भरने के बाद ही सही मात्रा मे उठाओ होंगा। इसमे सिलाई करने में भी मजदूरों को परेशानी हो रही है। यदि बोरे से धान निकाल कर सिलाई की जाती है तो धान का वजन कम हो जाएगा केवल हमारे गोदाम ही नहीं बल्कि जिले भर के सभी केंद्रों में छोटे साइज के बारदाने दिया गया है। जिसे बढ़ाया जाना चाहिए या फिर 37-38 किलो धान की खरीदी की जानी चाहिए .ताकि किसानों को धान भरने और सिलाई करने में परेशानी ना हो. क्योंकि जब तक धान की सिलाई नहीं होगी,तब तक उन्हें फाइनल पर्ची नहीं दी जाती ,किसानों के साथ-साथ हम केंद्र वालों को भी काफी परेशानी होती है।

व्यवस्थाओ में सुधार होना चाहिए- रितेश बिसेन

वही सेवा सहकारी समिति जागपुर खरीदी प्रभारी रितेश बिसेन ने बताया कि शासन द्वारा ढेर लगाकर धान खरीदने कहा जा रहा है, लेकिन प्रांगण ठीक नहीं है यहां पर पाल बार-बार फट रही है किसानों को तौल काटा में भी परेशानी हो रही है।उन्होंने बताया कि जिले में बेमौसम बारिश हुई है जिससे धान का कलर उड़ चुका है धान की वैरायटी ठीक है लेकिन बोरे काफी छोटे हैं साइज में काम होने के चलते 40 किलो 600 ग्राम धान नहीं आ रही है ऊपर से बारदाना की क्वालिटी भी ठीक नहीं है। इन सब व्यवस्थाओं में सुधार किया जाना चाहिए।

कन्हड़गांव में फोरलेन पर सड़क दुर्घटना में होमगार्ड जवान की मौत

रजेगांव आरटीओ चेक पोस्ट पर ड्यूटी जाते वक्त हुआ हादसा, टक्कर मारकर अज्ञात वाहन चालक फरार

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम कन्नहड़गांव फोरलेन में बीती रात एक अज्ञात फोर व्हीलर की ठोस से मोटरसाइकिल में सवार होमगार्ड की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक का नाम भटेरा चौकी वार्ड नंबर 2 निवासी 56 वर्षीय सैय्यद असगर पिता सैय्यद साहेब अली बताया गया है।जिनके शव का गुरुवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है,तो वही नवेगांव पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

आरटीओ चेकपोस्ट रजेगांव पर थी ड्यूटी

प्राप्त जानकारी के अनुसार भटेरा चौकी निवासी सैय्यद असगर अली वर्ष 1993 में होमगार्ड के पद पर पदस्थ हुए थे,जिनकी दो अविवाहित बेटी है।जानकारी के मुताबिक वे पहले सीईओ के बंगले में तैनात थे।हाल ही में 1 दिसंबर को उनकी ड्यूटी रजेगांव स्थित आरटीओ चेक पोस्ट पर लगाई गई थी।ड्यूटी में उपस्थित होने के लिए रोजाना की तरह वे बुधवार की रात्रि करीब 8 घर पर खाना खाकर रजेगांव चेक पोस्ट जाने के लिए मोटरसाइकिल से निकले थे। बताया गया कि वह अभी कन्नहड़ गांव के समीप पहुंचे ही थे कि रजेगांव की ओर से आ रहे एक अज्ञात फोर व्हीलर वाहन चालक ने तेज रफ्तार से लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को ठोस मार दी और मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। जहां अज्ञात फोर व्हीलर की ठोस ठोस इतनी जबरदस्त थी कि असगर अली मोटरसाइकिल सहित सड़क पर नीचे गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गए, जिन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर घटना के बाद स्थानियजनों से मिली सूचना पर मौके पर पहुंची नवेगांव पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही कर, शव को बरामद किया।जिसे 108 एंबुलेंस के माध्यम से पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। रात्रि अधिक होने के चलते शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। जहां गुरुवार की सुबह अस्पताल चौकी पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की और शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।तो वही अस्पताल चौकी पुलिस द्वारा मामले में आगामी कार्यवाही के लिए डायरी नवेगांव थाना पहुंचाई गई है। जिसके आधार पर पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

1 दिसंबर से रजेगांव में लगाई गई थी ड्यूटी

भाई सैयद रियाज अली ने बताया कि परिवार में असगर सबसे छोटा था। घर में पत्नी और दो बेटियां है। जो, रजेगांव चेकपोस्ट में तैनाती से पूर्व सीईओ के बंगले में तैनात थे। जिनके शव को आज कब्रिस्तान में सुपुर्द खाक किया जाएगा। होमगार्ड सैनिक के सड़क हादसे में मौत पर जिला कमांडेड रजनी खटिक ने शोक व्यक्त करते हुए सैनिक के निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है।

बाघिन की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, शरीर पर दिखाई दिए चोट के निशान

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। कटंगी वन परिक्षेत्र की आंजनबिहरी बीट कक्ष ईत्र्मांक 562 में बाघिन का संदिग्ध परिस्थिति में शव मिलने से हड़कम्प मच गया। बाघिन उम्रदराज बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार को शाम तकरीबन 4 बजे एक ग्रामीण युवक को वन्यजीव का शव दिखाई दिया, उसने बीट के चौकीदार को घटना की जानकारी दी। चौकीदार की सूचना पर डिप्टी रेंजर ने सहयोगी स्टॉफ के साथ पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना किया। मृत बाघिन के शरीर पर चोट के निशान दिखाई दिए हैं। एसडीओ के मुताबिक घटना की जांच के लिए प्रोटोकॉल के तहत डॉग स्क्वायड को बुलाया गया है। जांच में ही यह पता चल सकेगा कि बाघिन की मौत आपसी संघर्ष या प्राकृतिक कारणों से हुई है या फिर अवैध शिकार किया गया है। फिलहाल वन विभाग का अमला मौके पर मौजूद है। गौरतलब हो कि वनग्राम आंजनबिहरी, खैरलांजी सहित आस-पास के ग्रामीण अंचलों में विगत लम्बे समय से हिंसक वन्यप्राणियों की मूवमेंट बनी हुई है। खासकर वन्यप्राणी बाघ की दहशत अब भी इस क्षेत्र में बनी हुई है। विभाग ने ग्रामीणों की सुरक्षा के मद्देनजर कुछ दिनों पूर्व यहां काफी समय तक सघन गश्ती अभियान चलाया था। इन सबके बीच वन्यप्राणी बाघिन की संदिग्ध परिस्थितियों ने हुई मौत ने अधिकारियों को पशोपेश में डाल दिया है।

खारी में हाट बाजार का शुभारंभ एवं सीसी सड़क का लोकार्पण आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत खारी में 12 दिसंबर को शाम 4 बजे से खारी के शिवाजी चौक में साप्ताहिक जन बाजार (हाट बाजार) का

शुभारंभ एवं सीसी सड़क का लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में खारी सरपंच प्रतिनिधि कैलाश नखाते ने बताया कि खारी के शिवाजी चौक में हाट बाजार का शुभारंभ एवं गौण खनिज मद से सीसी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण 12 दिसंबर को शाम 4 बजे किया जायेगा। यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार की अध्यक्षता एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य मधुसूदन शर्मा, राकेश डहरवाल, कांग्रेस कमेटी पूर्व महामंत्री रवि अग्रवाल, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, खमरिया ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दमनसिंह रहांगडाले, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, स्थाई पटेल हनुमान ठाकरे, पूर्व जनपद सदस्य मो सम्मी कुरैशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील खारी सरपंच श्रीमती डिलेश्वरी कैलाश नखाते, उपसरपंच शोभाराम शेंडे, सचिव दीपक सोनबिरसे, रोजगार सहायक श्रीमती सावित्री नागेश्वर सहित पंचगणों ने की है।

पीजी कॉलेज में राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता का आगाज, आज होगा फाइनल मुकाबला

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर 2025-26 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय पुरुष एवं महिला हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ पीजी कॉलेज बालाघाट में किया गया हैं । प्रतियोगिता का समापन आज फाइनल मुकाबलों के साथ होगा। पुरुष वर्ग के फाइनल में इंदौर और उज्जैन आमने-सामने होंगे, जबकि महिला वर्ग के फाइनल में जबलपुर और उज्जैन की टीमें भिड़ेंगी। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे, डॉ. पी. आर. कातूलकर, नाइक बेंजल, रमेश रंगलानी, ऋषभ वेध, संजय वैद, प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर तथा चितरंजन बेगड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, क्रीड़ा परिषद अध्यक्ष डॉ. पी. एस. कातुलकर, क्रीड़ा अधिकारी अनिल झरबड़े, विकास साहू, डॉ. विनोद ठाकुर और सचिन तिवारी की विशेष भूमिका रही। वहीं आयोजन की सफलता में मनीष शिवहरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस प्रकार रहा पुरुष वर्ग सेमीफाइनल परिणाम

पहले सेमीफाइनल में इंदौर ने जबलपुर को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में उज्जैन ने ग्वालियर को 7-0 से पराजित किया। महिला वर्ग सेमीफाइनल परिणाम , पहले सेमीफाइनल में जबलपुर ने ग्वालियर को 2-0 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में उज्जैन ने छिंदवाड़ा को टाई ब्रेकर में 2-0 से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया।

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम मानपुर, राजस्व निरीक्षक मंडल खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट, म.प्र. में स्थित भूमि जिसके खसरा नंबर 47/4, 48/4 रकबा 0.494 हे. और 47/10 रकबा 0.0610 हे. हैं, जो कि विवादित है। यह भूमि मितेंद्र सानेकर पिता स्व. किशन सानेकर की पुस्तैनी संपत्ति है, जो उनके पूर्वज स्व. रतनलाल के नाम पर दर्ज थी, स्व. रतनलाल की मृत्यु के उपरांत, अन्य सहखातेदारों द्वारा मितेंद्र सानेकर के पिता स्व. किशनलाल को नियमानुसार बंटवारे में उनका बराबर का हक और हिस्सा कपटपूर्वक नहीं दिया गया, जबकि वे भी अन्य सहखातेदारों की तरह बराबर के हकदार हैं, इस संबंध में मितेंद्र सानेकर द्वारा सिविल न्यायालय, वारासिवनी में वाद (केस) दायर किया जाना है।

अत: आम जनता को सचेत किया जाता है कि वह उक्त विवादित भूमि को क्रय (खरीदने) या क्रय करने का किसी भी प्रकार का सौदा न करे, अन्यथा वह भी न्यायालयीन प्रकरण का जवाबदार होगा और प्रकाशक इसके लिए किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा।

प्रकाशक
मितेंद्र सानेकर पिता स्व. किशन सानेकर
निवासी ग्राम पंचायत मानपुर, लालबर्रा, बालाघाट (म.प्र.)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

चाय की टपरी में 3 हजार रिश्वत लेते पकड़ाया बिरसा तहसील का बाबू

तहसील कार्यालय बिरसा में पदस्थ है बाबू रामटेके, तहसील कार्यालय प्रकरण का निपटारा करने के एवज में मांगी थी रिश्वत, ग्राम पौनी निवासी संतोष डेकवार की शिकायत पर हुई कार्यवाही

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

लोकायुक्त जबलपुर टीम ने तहसील बिरसा में छापामार कार्यवाही करते हुए तहसील कार्यालय में पदस्थ एक सहायक ग्रेड 3 रिश्वतखोर बाबू को 3000 रु की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया है।तहसील कार्यालय के बाबू ने यह रिश्वत थाना मलाजखंड ग्राम पौनी वार्ड नंबर 7 निवासी संतोष पिता स्व.चमारू लाल ढ़ेकवार से तहसील कार्यालय में चल रहे एक प्रकरण का निपटारा करने के एवज में मांगी थी। लोकायुक्त द्वारा यह कार्यवाही तहसील बिरसा के मलाजखंड सालेटेकरी में रोड स्थित प्रशांत फोटो कॉपी के बगल में की गई। लोकायुक्त की गिरफ्त में आए बाबू का नाम सहायक ग्रेड 3, 58वर्षीय बाबू राजकुमार पिता स्वर्गीय खुशियाल रामटेके बताया गया है.जिसे नगद 3 हजार रू रिश्वत की रकम के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है।रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार किए गए बाबू पर लोकायुक्त द्वारा भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

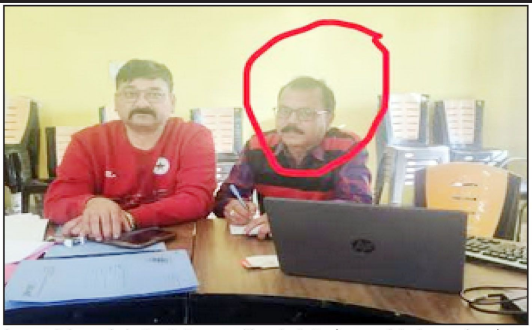

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी संतोष ढ़ेकवार का बिरसा तहसील में धारा 126, 135(3) के तहत एक मामला चल रहा था, उस प्रकरण को समाप्त करने के एवज में तहसील कार्यालय बिरसा में पदस्थ बाबू राजकुमार रामटेके ने उनसे 3000 रु रिश्वत की मांग की थी। जो फरयादी संतोष ढ़ेकवार नहीं देना चाहते थे, जिसकी शिकायत उन्होंने लोकायुक्त जबलपुर से कर दी, लोकायुक्त जबलपुर ने फरियादी से मिली शिकायत पर आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार करने के लिए एक जाल बिछाया और उस जाल में आरोपी बाबू फस गया। जिसे रिश्वत की रकम नगद 3000रु के साथ गिरफ्तार किया गया है।

5 हजार रु की मांग थी, 3 हजार लेते गिरफ्तार

शिकायतकर्ता के अनुसार, उसने दो-तीन वर्ष पहले एक हत्या मामले में आरोपी पप्पू के खिलाफ गवाही दी थी, जिसके बाद आरोपी को सजा हुई। इसके बाद आरोपी ने उसके खिलाफ यह आरोप लगाकर शिकायत कर दी कि वह अपनी ही जमीन फर्जी दस्तावेजों से बेचने की कोशिश कर रहा है। मामला पहले थाना मलाजखंड में दर्ज हुआ, जहाँ बयान दर्ज करने के बाद केस को तहसील कार्यालय बिरसा ट्रांसफर कर दिया गया।संतोष डेकवार का आरोप है कि तहसील कार्यालय में उससे 20 हजार रुपये मुचलके की मांग की गई और उसकी यह बात नहीं सुनी गई कि उसे फर्जी मामले में फंसाया गया है। लगभग एक महीने बाद टीआई मलाजखंड की ओर से 1 लाख रुपये मुचलके का लेटर जारी होने की जानकारी भी बाबू राजकुमार रामटेके ने ही दी थी।उन्होंने बताया कि रुषवतखोर बाबू ने मामला को रफा दफा करने के लिए पहले 5000 रु रिश्वत की मांग की, जिनका सौदा 3000 रु में तय हुआ था।

मैं रिश्वत नही देना चाहता था, इसलिए की शिकायत- सन्तोष

शिकायतकर्ता सन्तोष ढ़ेकवार ने बताया कि उसने कई बार अपनी स्थिति समझाने और जांच की मांग की, लेकिन उसकी बात नहीं मानी गई। इसके बाद बाबू द्वारा मामले को समाप्त करने के नाम पर रिश्वत की मांग शुरू हुई। शुरुआत में 5 हजार रुपये मांगे गए, लेकिन पैसे की कमी बताने पर रकम कम करके 3 हजार रुपये कर दी गई।क्योंकि इस मामले में मुझे जबरदस्ती फसाया गया था, इसीलिए मैं रिश्वत देना नहीं चाहता था। जिसकी शिकायत मैंने लोकायुक्त जबलपुर से की थी।इसी राशि को लेते समय लोकायुक्त ने बाबू को गिरफ्तार कर लिया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत की गई कार्यवाही

पुलिस महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश पर जबलपुर लोकायुक्त इकाई ने रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी बाबु रामटेके के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन)2018 की धारा-7,13(1)क्क 13(2) के अंतर्गत कार्यवाही की है।ट्रेप दल सदस्य-दल प्रभारी , निरीक्षक बृजमोहन सिंह नरवरिया, ट्रेप कर्ता निरीक्षक जितेंद्र यादव एवं लोकायुक्त जबलपुर दल के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

2 दिन से लापता व्यक्ति की बंजर नदी में पाई गई लाश

नदी से बोदा निकलते समय नदी डूबने से हुई मौत

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बिरसा थाना अंतर्गत ग्राम बिठली से 2 दिन से लापता एक व्यक्ति की लाश ग्राम साल्हेवाडा और बिठली के मध्य बहने वाली बंजर नदी में पाई गई । मृतक सोनसिंह पिता भवनुसिह मेरावी60 वर्ष की बंजर नदी से बोदा निकालते समय बंजर नदी में डूबने से मौत होने की संभावना व्यक्त की गई है। बिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनसिंह मेरावी दो भाई है। छोटा भाई भीखमसिंह मेंरावी 50 वर्ष का है। सोहन सिंह मरावी अपने परिवार के साथ अलग रहता है जिसके परिवार में दो लड़के और पत्नी है सभी लोग कमाने खाने के लिए हैदराबाद जाते हैं। 7 दिसंबर को सोनसिह मेरावी अपनी पत्नी गोतरीन बाई के साथ घर में था।2 बजे सोनसिह मरावी बोदा चराने के लिए खेत तरफ गया था। किंतु शाम को सोहन सिंह मरावी घर नहीं लोटा। सोनसिह मेरावी के घर वापस नहीं लौटने पर उसकी पत्नी गोतरीन बाई ने अपने देवर भीखमसिह मेरावी को बताई थी। भीकम सिंह मरावी ने अपने गांव के अन्य लोगों के साथ मिलकर अपने भाई सोन सिंह मरावी की खोजबीन किया किंतु वह नहीं मिला इसके बाद परिजनों के द्वारा सोनसिंह मेरावी की लगातार तलाश की जा रही थी। 10 दिसंबर को दोपहर जब सोनसिंह मेरावी की तलाश करने के लिए उसका भाई भीखमसिह और गांव के अन्य लोग बंजर नदी तरफ गए थे ।तब उन्होंने बंजर नदी के साल्हेवा ?ा पनघट में अपने भाई सोन सिंह मेरावी की लाश देखी औ लाश नदी से बाहर निकाल कर बिरसा अस्पताल लेकर आए। भीखम सिह मेरावी 50 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस थाने से उप निरीक्षक शिवलाल परते ने बिरसा अस्पताल पहुंचकर मौके की कार्रवाई की और 100 पांच नमक कार्रवाई पश्चात सूक मरावी की लास्ट पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए संभावना व्यक्त की गई है कि बंजरा नदी से बोदा निकलते समय सोनसिंह मेरावी सिंह की नदी के गहरे पानी में जाने से उसकी मौत हो गई। बिरसा पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कम जांच कर रही है।

जगह के अभाव में बंद हुआ चरेगांव धान खरीदी केंद्र!!

परिवहन नियमो को ताक में रख कराया जा रहा उपार्जन कार्य, परिवहन के अभाव में उपार्जन केंद्रों में लगा धान का भण्डार, केंद्र बंद होने से किसान परेशान, शुक्रवार से पुनः खरीदी होने की कही जा रही बात

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम दिलाने और उन्हें बिचौलियों से बचने के लिए प्रतिवर्ष शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जाती है। जहां प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी शासन द्वारा 1 दिसंबर से जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में समर्थन मूल्य पर किसानों का उपार्जन खरीदा जा रहा है ।लेकिन परिवहन की उचित व्यवस्था न होने के चलते खरीदी गई धान का परिवहन नहीं हो पा रहा है ।जिसके चलते जहां एक ओर किसान परेशान है ,तो वहीं दूसरी ओर समिति प्रबंधकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जहां जगह की कमी के चलते विभिन्न केंद्रों पर खरीदी गई धान के ढेर लग चुके हैं। तो वही जगह न होने के चलते किसानों को भी धान बेचने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नौबत यहां तक आ गई है कि अब धान खरीदी केंद्र प्रभारियो ने परिवहन ना होने पर धान खरीदी का कार्य बंद करने का भी फैसला कर लिया है। तो वही 9 तारीख को केंद्र से समिति की 20 बोरी चोरी हो जाने और परिवहन ना होने के चलते गुरुवार को चरेगांव उपार्जन केंद्र को बंद करना पड़ा जिसके चलते धान बेचने के लिए पहुंचे किसान काफी परेशान है।

परिवहन ना होने से केंद्रों में कम पड़ रही जगह

जिले के विभिन्न केंद्रो में वर्तमान में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का काम चल रहा है, लेकिन परिवहन ना होने के चलते धान की बिक्री के लिए केंद्र पहुचने वाले किसानों को हर मोड़ पर समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है. बताया जा रहा है कि जिले में स्लॉट बुकिंग की समस्या के चलते पहले ही हजारों किसान परेशान हैं, लेकिन अब उनके सामने एक और समस्या आ गई है. खरीदी केंद्र से धान का उठाव न होने से उपार्जन प्रभारी व किसानों के लिए चिंता का सबब बन गया है. चरेगांव सहित जिले के अन्य सेवा सहकारी समिति में धान का परिवहन नहीं होने से धान उपार्जन कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है ।जहा समिति द्वारा परिवहन की व्यवस्था निरंतर बनाए रखने की मांग की है।

72 घंटे वाले नियम का, नहीं किया जा रहा पालन

बात अगर नियम की करें तो नियम के मुताबिक किसानों से धान खरीदने के 72 घंटे या तीन दिन के भीतर खरीदी गई उस धान का परिवहन किए जाने का नियम बनाया गया है। ताकि विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर किसानों से धान खरीदने और किसानों को उस केंद्र पर धान बेचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। वही विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त जगह बनी रहे। लेकिन जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों पर इस नियम को ताक में रखा जा रहा है। जहां 72 घंटे वाले इस नियम की धज्जियां उड़ाते हुए परिवहनकर्ता धान का परिवहन नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते किसान और केंद्र प्रभारियों दोनों परेशान है। वही सबसे ज्यादा परेशानी भुगतान को लेकर आ रही है। बताया जा रहा है कि जब तक धान का परिवहन गोदाम तक नहीं हो जाता और गोदाम में उस धान की एंट्री नहीं हो जाती तब तक बेची गई उस धान का किसानों को भुगतान नहीं किया जाएगा।

स्लॉट ब्लैंक होने का मंडरा रहा खतरा

बता दें कि समितियों ने जिन किसानों की धान समर्थन मूल्य पर खरीद कर स्टॉक में रख लिया है, उसे वेयर हाउस में शिफ्ट नहीं किया गया है. जिसके चलते केंद्रों में अब नया लॉट खरीदने के लिए जगह नहीं बची है. ऐसे में जिले के तमाम किसानों के बुक स्लॉट ब्लैंक होने का खतरा मंडराने लगा है. यह स्थिति बालाघाट जिले के चरेगांव सहित अन्य खरीदी केंद्रों में बनी हुई है।

परिवहनकर्ता नही दे रहे ध्यान

आपको बताए कि जिले के 185 खरीदी केन्द्रों में लाखों क्लिंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं मौसम के डर से क्षेत्र के तमाम किसान एक साथ अपनी उपज लेकर केन्द्रों में पहुंच गए हैं, जिसके चलते समितियों ने उपलब्ध बोरों के अनुसार खरीदी कर धान को परिसर में ही रख लिया, लेकिन उसका परिवहन अभी तक नहीं हुआ है.ज्ञात हो कि परिवहनकर्ता इस ओर ध्यान नही दे रहे है। ऐसे में केन्द्रों पर भारी मात्रा में धान का स्टॉक रखा हुआ है, जिसके चलते नई खरीदी नहीं हो पा रही है।

चरेगांव केंद्र अस्थाई रूप से बंद

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को जैसे ही किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली और बैलगाड़ियों में धान लेकर चरेगांव केंद्र पहुँचे, उन्हें यह जानकारी मिली कि उपार्जन केंद्र अस्थायी रूप से बंद है, जिससे किसानों में नाराज़गी और चिंता दोनों बढ़ गई ।किसानों का कहना है कि वे सुबह से लाइन में लगे रहे, लेकिन केंद्र में खरीदी प्रारंभ न होने के कारण पूरा दिन बर्बाद हो गया। कई किसान दूर-दराज़ के गांवों से धान लेकर पहुँचे थे, जिन्हें धान वापिस ले जाना पड़ा।

केंद्र में हो रही विवाद की स्थिति निर्मित

जिले के ज्यादातर उपार्जन केंद्र में खरीदी गई धान का उठाव न हो पाने के कारण जगह नहीं बची है। जिसके चलते बारदाने, तौल कराने समेत अन्य कार्यो के लिए किसान और खरीदी केंद्र के कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति भी लगातार उत्पन्न हो रही है। वहीं खरीदी के लिए केंद्र में लगी किसानों की भीड़ से हालात और भी गंभीर हो गए है ।यहां कर्मचारी जहां खरीदी कैसे करें इसके लिए परेशान हो रहे वहीं किसान खरीदी न हो पाने के कारण परेशान हो रहे है।

03 दिनों से धान बिक्री की रहा तक रहे हैं- खेलचंद

चरेगांव केंद्र में 8 जनवरी से तौल कांटे की राहत देख रहे ग्राम सीरवी के किसान खेलचंद बोपचे ने बताया कि वह 03 दिनों से धान बिक्री की राह देख रहे हैं लेकिन अब तक तौलकाटा नहीं हुआ है। यहां 9 जनवरी को समिति की 20 बोरी धान चोरी हो गई थी इसलिए धान खरीदी को बंद कर दिया गया है। खरीदी प्रभारी बोलते हैं कि जब तक जांच नहीं हो जाती धान खरीदी बंद रहेगी। हमारी मांग है की चोरी वाले मामले की जांच हो, पूर्व से रखे बारदानों का उठाव हो और साथ ही साथ धान खरीदी की व्यवस्था भी बनाई जाए।

धान का उठाव कर, बनाई जाए खरीदी की व्यवस्था- अशोक

वही भालेवाडा से पहुंचे किसान अशोक चौहान ने बताया कि वे भी 3 दिनों से धान बेचने की रहा तक रहे हैं लेकिन अब तक उनकी धान नहीं बिकी है समिति की धान चोरी हो गई थी तो खरीदी केंद्र बंद कर दिए हैं वही यहां पर जगह भी नहीं है पूर्व में खरीदी गई धान का परिवहन नहीं हो रहा है इसीलिए धान डंप कर रखी गई है। हमारी मांग है कि जल्द से जल्द खरीदी गई धान का उठाव कर केंद्र में धान खरीदी की व्यवस्था बनानी चाहिए।

जगह की कमी के कारण बंद किया गया केंद्र - भूमेश कटरे

धान उपार्जन केंद्र के प्रभारी भूमेश कटरे ने बताया कि वर्तमान में केंद्र पर उपलब्ध स्थान पूरी तरह भर चुका है, जिस कारण आज खरीदी संभव नहीं हो सकी।

उन्होंने बताया की केंद्र में भंडारण स्थान की कमी हो गई है। जब तक खाली जगह उपलब्ध नहीं होती, नए धान का उठाव संभव नहीं था। इसलिए आज केंद्र बंद रखना पड़ा ।प्रभारी कटरे ने आश्वस्त किया कि कल से धान खरीदी सुचारू रूप से शुरू कर दी जाएगी और किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी।

किरनापुर बस स्टैंड में जातिगत अपमान कर मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। किरनापुर बस स्टैंड में एक व्यक्ति को जातिगत रूप से गालियां देते हुए उसे हाथ मुक्के से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे दी गई। मारपीट में घायल व्यक्ति विजयंत पिता सुंदरलाल भीमते 40 वर्ष वार्ड नंबर 15 किरनापुर निवासी है। जिसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने शिव तारन किरनापुर निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजयंत फोटोकॉपी का धंधा करते हैं। 10 दिसंबर की शाम 5-30 बजे विजयंत अपने नगर के बस स्टैंड तरफ घूमने गया हुआ था। बस स्टैंड में ही स्थित टोडरु की पान दुकान में शिव तारन खड़ा था ।जिसे देखकर विजयंत, शिव तारन के पास चला गया और उसने शिव तारन से बोला कि मेरे जमीन प्लांट पर मुकेश चौहान जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वह आपका दोस्त है और विजयंत ने उसे मुकेश चौहान को समझाने के लिए बोला था। शिव तारन यह सुनते ही भड़क गया और विजयंत को अश्लील जातिगत गालियां देने लगा ।विजयंत ने उसे गालियां देने से मना किया तभी शिव तारन ने विजयंत को जातिगत रूप से अपमानित करते हुए हाथबुक्के से विजयंत के दोनों गाल एवं सिर में मारपीट कर दिया और रिपोर्ट करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। शिवतरण द्वारा की गई मारपीट में विजयंत के दोनों गाल सिर में चोटे आई। महज मुकेश चौहान को समझने की बात को लेकर शिव तारन ने विजयंत जातिगत रूप से अपमानित करते हुए उसे उसे मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल विजयंत का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने शिव तारन के विरुद्ध विजयंत को जातिगत रूप से अपमानित कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम कि संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

माँ स्कंद शहरी आजीविका स्व-सहायता समूह - महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की प्रेरक कहानी

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के नगर वारासिवनी के वार्ड क्रमांक 07 में संचालित माँ स्कंद शहरी आजीविका स्व-सहायता समूह आज महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामुदायिक विकास का सशक्त उदाहरण बन चुका है। नगर पालिका परिषद वारासिवनी और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (हरू) के सहयोग से गठित यह समूह उन महिलाओं के जीवन में

नयी ऊर्जा लेकर आया है, जो पहले घर की चारदीवारी तक सीमित थीं। बी.पी.एल. श्रेणी की 5 और सामान्य वर्ग की 6 गृहिणियों ने जब आपसी विश्वास के साथ इस समूह की शुरुआत की, तब उनके पास न संसाधन थे, न अनुभव। बस एक इच्छा थी अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना और समाज में अपनी पहचान बनाना। शुरूआत छोटे स्तर पर कुछ मशीनों और सीमित पूंजी के साथ हुई, पर दृढ़ निश्चय के साथ शुरू किया गया काम धीरे-धीरे रंग लाने लगा।

थैला निर्माण बना सफलता का आधार

महिलाओं के समूह ने कपड़े के थैले, जूट बैग, रिसायकल बोरियों और पर्यावरण-अनुकूल बैग बनाने का कार्य शुरू किया। शुरू में छोटा बाजार था, लेकिन गुणवत्ता और मेहनत ने उनके उत्पादों को पहचान दिला दी। आज यह समूह अपने थैले न केवल वारासिवनी और जिला मुख्यालय में बेच रहा है, बल्कि निकटवर्ती शहरों गोंदिया, तिरोड़ा, तुमसर आदि में भी थोक में आपूर्ति कर रहा है।

सरकारी योजनाओं ने दिया मजबूती का आधार

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन द्वारा समूह को बैंक लिंक्ड लोन मिला, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ी है। इसके अलावा नगर पालिका परिषद ने प्रशिक्षण, स्टॉल लगाने और उत्पादों के प्रचार में सहयोग किया है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत समूह की महिलाएँ बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ी हैं। अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और उज्ज्वला योजना से समूह की महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा मजबूत हुई। इन सभी प्रयासों ने महिलाओं के जीवन स्तर में बड़ा बदलाव लाया है।

कमाई बढ़ी, आत्मविश्वास दोगुना हुआ

समूह की नियमित आय अब स्थिर है और सदस्यों की मासिक कमाई पहले की तुलना में कई गुना बढ़ चुकी है। सबसे बड़ा परिवर्तन महिलाओं के आत्मविश्वास में आया है। जो महिलाएँ कभी घर से बाहर कदम रखने में झिझकती थीं, वही आज बैंक मीटिंगों में भाग ले रही हैं, ऑर्डर बुकिंग संभाल रही हैं और विभिन्न प्रदर्शनियों में अपने उत्पाद गर्व से प्रस्तुत कर रही हैं। आज समाज और परिवार में उनके निर्णयों को सम्मान मिलता है।

एक समूह, अनेक प्रेरणाएँ

माँ स्कंद शहरी आजीविका स्व-सहायता समूह केवल आर्थिक उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी प्रतीक बन चुका है। इस समूह की सफलता यह सिद्ध करती है कि यदि अवसर, प्रशिक्षण और सामूहिक प्रयास मिले तो महिलाएँ हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त कर सकती हैं। भविष्य में यह समूह और अधिक विस्तार, नवाचार और बड़े बाजारों तक पहुँचने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। आज माँ स्कंद समूह कई अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का उज्ज्वल स्रोत बन चुका है।

आस पास की खबरें

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

धान परिवहन में तेजी लाये जिला प्रशासन - प्रसन्न

भाजपा मंडल अध्यक्ष लालबर्रा प्रसन्न अवधिया ने विज्ञप्ति जानकारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि लालबर्रा क्षेत्र की समस्त सोसायटियों से गत दिवस से समर्थन मूल्य में धान खरीदी कार्य जारी है। किन्तु खरीदे गये धान का परिवहन नही होने से किसानों के साथ ही समिति प्रबंधकों को भी खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री अवधिया ने बताया

कि क्षेत्र की कई प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं में खरीदी गई भारी मात्रा में धान खुले आसमान के नीचे या सीमित स्थान पर जमा हो गया है। अव्यवस्थित और धीमी गति के कारण धान का उठाव समय पर नहीं हो पा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि परिवहन में देरी के कारण न केवल किसानों के भुगतान में विलंब हो रहा है, बल्कि सोसायटियों में भी भंडारण क्षमता खत्म होने की कगार पर है, जिससे आगे की खरीदी प्रभावित हो रही है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि खरीदी गई धान को जल्द से जल्द मिलों या सुरक्षित गोदामों तक पहुंचाये अन्यथा मौसम खराब होने की स्थिति में धान के खराब होने का गंभीर खतरा है। जिसका सीधा नुकसान सरकार और किसानों को उठाना पड़ेगा। जिला प्रशासन को परिवहन एजेंसियों को सक्रिय कर तीव्र गति से परिवहन करवाना चाहिए।

धरपीवाड़ा में तेंदुए का आतंक, आसपास ग्रामीणों में दहशत का माहौल

तेन्दूआ रात्रि में गांव में रोजाना दे रहा दस्तक, वन विभाग की निष्क्रियता से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर लालबर्रा से वारासिवनी हाईवे मार्ग स्थित ग्राम पंचायत धरपीवाड़ा में हिंसक वन्य प्राणी तेंदुए के आतंक से ग्रामीणों में डर और दहशत का माहौल बना हुआ है। गत दिनों से यह वन्यप्राणी तेंदुआ गांव के आसपास मंडरा रहा है और रोजाना रात्रि के समय रहवासी क्षेत्र में दस्तक दे रहा है जिससे ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है और अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे है। हिंसक वन्यप्राणी तेंदुए ने गत दिवस एक बकरे का शिकार किया था, जिसके बाद से गांव के आसपास तेंदुआ घुम रहा है। धरपीवाड़ा में बुधवार की रात में भी तेंदुआ को गांव के समीप देखा गया है। जिसे ग्रामीणों के द्वारा दौड़कर भगाया गया नही तो वह किसी मवेशी या इंसान का शिकार कर सकता था। वहीं बार-बार रात्रि के समय तेंदुआ दिखाई देने के कारण ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है और शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डर रहे है। जिससे उनके कृषि सहित अन्य कार्य प्रभावित हो रहे है। वहीं बार-बार गांव के नजदीक हिंसक वन्यप्राणी तेंदुए के दिखाई देने की जानकारी वन विभाग को देने के बाद वन विभाग के जिम्मेदारों के द्वारा तेंदुए को पकड़ने एवं जंगल की ओर भगाने के लिए कोई प्रयास नही किये जा रहे है। जिससे ग्रामीणजनों में वन विभाग के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। इस तरह से वन विभाग की निष्क्रियता से तेंदुआ ग्राम धरपीवाड़ा में बड़ी घटना को अंजाम दे सकता है। वहीं दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा रेंजर श्रीमती सीता भलावी से दूरभाष पर धरपीवाड़ा में बार-बार तेंदुए के दिखाई देने, उसे पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

पिंजरा लगाकर हिंसक वन्यप्राणी तेंदुए को पकड़ने की मांग

आपको बता दे कि ग्राम धरपीवाड़ा दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आता है। गत दिवस हाईवे रोड़ किनारे निवासरत देवन्द्र रहांगडाले के मकान के सामने बंधे बकरे का तेंदुए ने शिकार कर दिया था। जिसके बाद से लगातार उक्त तेंदुआ गांव के नजदीक दिखाई दे रहा है। जिसके आतंक से ग्रामीणजन डर के साये में जी रहे है। इस तरह से बकरे का शिकार करने की घटना के बाद से तेंदुए की आक्रामकता ने खतरे को और बढ़ा दिया है। इस घटना के बाद से ग्रामीण सूर्यास्त (शाम) के बाद अपने घरों से निकलने से कतरा रहे हैं और बच्चों को लेकर विशेष रूप से सावधानियां बरती जा रही हैं। किसानों और पशुपालकों को अपने मवेशियों की सुरक्षा की चिंता सता रही है क्योंकि यह तेंदुआ कभी भी एक बड़े हमले को अंजाम दे सकता है। वहीं तेंदुए के इस लगातार दखल ने गांव की सामान्य दिनचर्या को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। रात के समय गांव में सन्नाटा पसर जाता है और लोग जरूरी काम होने पर भी समूह में या लाठी-डंडों के साथ ही बाहर निकल रहे है। जबकि ग्रामीणजन वन विभाग से तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़ने या गांव की सीमा से दूर भगाने की गुहार लगा रहे है। लेकिन उनकी मांग पर भी वन विभाग के द्वारा रात्रि गस्त एवं उसे पकड़ने के लिए अब तक कोई कारगार कदम नही उठाये गये है। जिसके कारण बार-बार वन्यप्राणी तेंदुआ रात्रि के समय रहवासी क्षेत्र में दस्तक दे रहा है जिससे ग्रामीणजन खासा परेशान है। ग्रामीणों ने बताया कि 4 दिन पूर्व तेंदुए ने रहवासी क्षेत्र में घुसकर एक बकरे का शिकार किया था। जिसके बाद से रोजाना वह रात्रि के समय गांव के समीप पहुंच रहा है। बुधवार की रात करीब 9 बजे तेंदुआ एक ग्रामीण को दिखाई दिया था, जिसके बाद ग्रामीणजन एकत्रित हुए और उसके पीछे दौड़े तो वह भाग गया, तेंदुए के आतंक से ग्रामीणजन परेशान है। वन विभाग को पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़कर घने जंगल में छोड़ना चाहिए नही तो वह किसी भी समय बड़े हादसे को अंजाम दे सकता है, जिसका जिम्मेदार वन विभाग होगा।

विभाग की निष्क्रियता से घटित हो सकता है बड़ा हादसा - संजय

दूरभाष पर चर्चा में धरपीवाड़ा सरपंच संजय कटरे ने बताया कि तेंदुए ने गत दिवस एक बकरे का शिकार किया है, जिसके बाद से रोजाना रात के समय तेंदुआ गांव के समीप दिखाई दे रहा है। जिससे ग्रामीणजन दहशत में है और शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डर रहे है। साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान में गहानी एवं समर्थन मूल्य में धान खरीदी का कार्य जारी है, किसान रात 10 बजे तक अपनी उपज विक्रय कर वापस घर आते है, ऐसी स्थिति में तेंदुआ कभी भी उन पर हमला कर सकता है। श्री कटरे ने बताया कि वन विभाग को घटना की जानकारी देने के बाद भी रात्रि गश्त नही कर रहे है, न ही तेंदुए को पकड़ने के लिए प्रयास किये जा रहे है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। वन विभाग की निष्क्रियता से तेंदुआ किसी भी समय बड़े हादसे को अंजाम दे सकता है इसलिए हमारी मांग है कि वन विभाग पिंजरा लगाकर जल्द तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़े।

अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा का हुआ आगमन

कंजई बंजारी मंदिर में गायत्री परिवार ने किया भव्य स्वागत

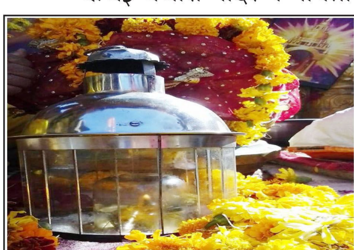

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शांतिकुंज हरिद्वार में 'शताब्दी समारोह' नारी जागरण की सशक्त माता भगवती देवी शर्मा और अखिल विश्व गायत्री परिवार की आध्यात्मिक यात्रा के प्रेरणा पुंज अखण्ड दीप प्रज्वलन और संस्थापक सिध्दांतों की 100 वीं वर्षगांठ जन्म शताब्दी के अवसर पर अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा निकाली गई है। यह अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा बरघाट क्षेत्र का भ्रमण करते हुए लालबर्रा विकासखण्ड के कंजई स्थित बंजारी मंदिर 11 दिसंबर को पहुंची। जहां गायत्री परिवार के पदाधिकारियों के द्वारा इस अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस दौरान कंजई तक रथयात्रा के साथ सिवनी बरघाट से पधारे परिजनों का तिलक वंदन कर स्वागत एवं सम्मान किया गया तत्पश्चात लालबर्रा यात्रा के प्रभारियों को रथयात्रा का दायित्व सौंपा गया। जिसके बाद रथयात्रा ग्राम कंजई के प्रज्ञापीठ मंदिर पहुंची जहां पूजा अर्चना कर सभा आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों को अखण्ड दीप दिव्य %योति कलश यात्रा के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया गया। वहीं कंजई से निकलकर यह रथयात्रा भांडामुर्री सहित विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए मोहगांव जाम पहुंची है जहां रात्रि विश्राम किया गया। 12 दिसंबर को पुनः अखण्ड दीप दिव्य %योति कलश यात्रा विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए शाम 4 बजे मानपुर प्रज्ञापीठ मंदिर पहुंचेगी। चर्चा में समन्वय समिति गायत्री परिवार लालबर्रा के ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र बिसेन ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार के सूत्र संस्थापक वेदमूर्ति तपोनिष्ट पंडित श्रीरामजी शर्मा आचार्य की साधना स्थली में बसंत पंचमी 1926 प्राकटय दिव्य ज्योति के 100 वर्ष एवं नारी जागरण की सूत्र संस्थापिका परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के जन्म के 100 वर्ष पूर्ण होने पर गायत्री परिवार द्वारा श्रध्दा संवर्धन दिव्य ज्योति शबाब्दी कलश यात्रा निकाली गई है। जिसका 11 दिसंबर को कंजई में आगमन हुआ जिसके बाद यह रथ यात्रा विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए 13 दिसंबर तक लालबर्रा विकासखण्ड में रहेगी। श्री बिसेन ने बताया कि 12 दिसंबर को शाम 4 बजे से मानपुर प्रज्ञापीठ मंदिर से अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा दुर्गा मंदिर पावर हाउस तक भ्रमण करेगी। इस यात्रा के माध्यम से जन जन में देवत्व के उदय के संदेश को पहुंचाना है। इस स्वागत कार्यक्रम में गायत्री परिवार बालाघाट से महेश खजाँची, डॉ. चारूदत्त जोशी, पुष्पेश्वर पिछोड़े, मानसिंह चौधरी, गायत्री शक्तिपीठ कंजई मुख्यप्रबंध ट्रस्टी ढालसिंह बिसेन, यात्रा प्रभारी बुधसिंह पारधी, बरघाट यात्रा प्रभारी चैनसिंह टेम्भरे, ठानूराम ठाकरे, परसवाड़ा से हरिनारायण रहांगडाले, महिला प्रभारी श्रीमती सुभांगी सोनी, ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र बिसेन सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पाथरी में सभामंच सहित अन्य विकास कार्यों का विधायक अनुभा मुंजारे ने किया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पाथरी में गुरूवार को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के हस्ते स्वागत द्वार, सभामंच, सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। यह कार्यक्रम विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विधि-विधान से पूजा अर्चना कर लाखों रूपयों की लागत से होने वाले विकास कार्यों की आधारशीला रखी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने क्षेत्र को खुशहाल बनाने के अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 के विधायक निधि से ग्राम पंचायत पाथरी में कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों को हरी झंडी मिली है जिसमें विधायक निधि से 8 लाख रूपये की लागत से स्वागत द्वार का निर्माण किया जायेगा, पुजारीटोला में विधायक निधि से 2 लाख रूपये की लागत से सभामंच, 10 लाख रूपये की लागत से सीसी सड़क एवं प्रधानमंत्री गौण खनिज निधि मद से कोमल टेकाम के घर से खिलेंद्र उईके के घर तक सी.सी. नाली का निर्माण किया जायेगा। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि विकास केवल चुनावों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, जब हम चुनाव जीतने के बाद अपने वादों को याद रखेंगे और उन्हें पूरा करने की कोशिश करेंगे, तभी गांव से लेकर जिले, प्रदेश और देश को खुशहाल बना सकते हैं। साथ ही यह भी कहा कि मैं अपने आप को कोई बड़ा नेता नही मानती, मैं आप सब के परिवार का हिस्सा बनकर सेवा करना चाहती हूं। आजादी के इतने वर्षों बाद भी अगर ग्रामीण भाई-बहन अंधेरे में जीवन यापन कर रहे हैं, तो यह हम सबके लिए सोचने वाला विषय है और इस क्षेत्र में विद्युतीकरण सुनिश्चित करवाना हमारी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर पाथरी सरपंच श्रीमती धनवंता पटले, सोमेंद्रसिंह पटले, भाऊराम गाड़ेश्वर (अध्यक्ष-ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा), दमनसिंह रहांगडाले (अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी खमरिया), पूर्व सरपंच देवसिंह टेकाम, पूर्व जनपद सदस्य थानेंद्र बिसेन, गौरीशंकर चौहान, आनंद ठाकरे, भागचंद देशमुख, प्रशांत चन्द्रवार, दुर्गा पगरवार, दिलीप बागडे, युवराज चौहान, डॉ ईश्वरी चौधरी, महेश टेंभरे, भेजेंद्र पारधी, साहेबलाल देशमुख, राजेश पारधी, दामोदर राणा, रविंद्र मेश्राम, नितेश पारधी, तुमेश पारधी, चंदूलाल हरिनखेडे, राजेश राहंगडाले, विजय राउत, विजय उके, किशोर पटले, भोजराज पटले, महेश हनवत, लोकेंद्र चौधरी एवं यशवंत पटले सहित समस्त पंचगण, ग्रामीण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

लंबे इंतजार के बाद अधुरें सड़क का निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ

सड़क का गुणवत्तापूर्ण एवं पानी निकासी के लिए पक्की नाली का निर्माण करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय लालबर्रा के बस स्टैण्ड से गुजरे लालबर्रा से अमोली-समनापुर राज्य मार्ग का अधुरा निर्माण एवं सड़क का खस्ताहाल होने के कारण आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही यह 600 मीटर का अधुरा मार्ग में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गये थे एवं बड़े वाहनों के गुजरने से धुल के गुब्बारे एवं डस्ट उड़ने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा था, साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी। इस अधुरे सड़क का निर्माण करवाने की राहगीर एवं ग्रामीणजन लंबे समय से मांग कर रहे थे। लेकिन जिम्मेदार कोई ध्यान नही दे रहे थे जिससे लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त था। वहीं इस 600 मीटर की अधुरे सड़क का निर्माण कार्य नही होने से हो रही समस्या से विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे को पूर्व में अवगत करवाया गया था। जिनके प्रयास से लालबर्रा बस स्टैण्ड से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के अधुरे निर्माण के लिए शासन से विगत दिवस राशि स्वीकृत हुई है। जो लालबर्रा क्षेत्र के लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। वहीं राशि स्वीकृत होने के बाद लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के अधूरे पड़े पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य आखिरकार लंबे समय के इंतजार के बाद पुनः निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। साथ ही सड़क के बन जाने से लंबे समय से इस बदहाल सड़क से आवागमन करने में हो रही परेशानियों से जल्द निजात मिलने वाली है। स्थानीयजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से शासन के मापदण्ड के अनुसार सड़क का गुणवत्तापूर्ण एवं पानी निकासी के लिए पक्की नाली का भी निर्माण करवाने की मांग की है ताकि सड़क लंबे समय तक चल सके।

सड़क बनने से आवागमन होगा सुगम

आपकों बता दें कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का करोड़ों रूपयों की लागत से व्हीआरएस कंपनी के द्वारा विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण कार्य किया गया था परन्तु लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर अमोली तक 600 मीटर की सड़क का निर्माण कार्य अधुरा छोड़ दिया गया था। जिसके कारण लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर अमोली जनपद स्कूल के आगे तक सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी थी एवं

जगह-जगह बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे भी बन गये थे। जबकि इस मार्ग से रोजाना बड़े-छोटे सभी वाहनों का आवाजाही होता है एवं मार्ग सकरी होने के कारण बार-बार जाम भी लग रहा था। ऐसी स्थिति में दर्जनों ग्रामों से नगर मुख्यालय आने वाले ग्रामीण, राहगीर एवं स्कूली बच्चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस अधुरे सड़क के निर्माण को लेकर पूर्व में राजनीति भी बहुत हुई लेकिन निर्माण कार्य नही हो पा रहा था। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा लालबर्रा बस स्टैण्ड से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग 600 मीटर की अधुरी सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलवाने के साथ ही शासन से राशि स्वीकृत होने के बाद सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है और 23 फीट चौड़ाई की यह सड़क बनने वाली है जिसमें दो पार्ट में सड़क का निर्माण किया जायेगा। लेकिन सिर्फ सड़क का ही निर्माण किया जा रहा है। जिससे जिस स्थानों पर नाली पूर्व में नही बनी है उक्त स्थानों पर पानी निकासी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से सड़क का गुणवत्तापूर्ण के साथ ही पानी निकासी के लिए रोड़ के दोनों साईड पक्की नाली का निर्माण करवाने की मांग की है। ताकि बरसात एवं निवासरत लोगों के घरों का पानी नाली के माध्यम से आगे निकल सके। अगर नाली नही बनेगी तो सड़क के ऊपर पानी जमा होने पर सड़क जल्द खराब हो जायेगी। वहीं लंबे इंतजार के बाद लालबर्रा बस स्टैण्ड से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य शुरू हो जाने से स्थानीयजनों एवं राहगीरों में खुशी की लहर व्याप्त है। लेकिन निर्माण कार्य जब तक जारी है, तब तक इस मार्ग से बड़े एवं भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

सड़क के साथ नाली का भी निर्माण करवाये प्रशासन - विनीत

डॉ. विनीत अग्रवाल ने बताया कि लालबर्रा बस स्टैण्ड से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग 600 मीटर तक सड़क का अधुरा निर्माण किया गया था और लंबे समय से इस अधुरे सड़क का निर्माण करवाने की मांग की जा रही थी, लेकिन उसे पूरा नही किया गया। वर्तमान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयासों से कई साल पुरानी लंबित मांग पूरी हो रही हैं और इस अधुरे सड़क का निर्माण कार्य शुरू भी हो चुका है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि धुल के गुब्बारे, डस्ट उड़ने एवं आवागमन में हो रही परेशानी सड़क बनते ही दुर हो जायेगी। इसलिए हमारी मांग है कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए एवं पानी निकासी के लिए नाली का भी निर्माण साथ में करवाये प्रशासन।

आसपास की खबरें

रामपायली में कृषक भारतीय संगठन का धरना आंदोलन कल

पद्मेश न्यूज। रामपायली। कृषक भारतीय संगठन बालाघाट के तत्वावधान में स्थानिक कृषक संगठन के द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के वादा खिलाफी के खिलाफविधानसभा स्तर का विशाल धरना प्रदर्शन १३ दिसंबर की दोपहर १२ बजे से शाम ४ बजे तक समिति के सामने बस स्टैंड में किया जाना है। कृषक संगठन अध्यक्ष कुंज बिहारी मुन्नू दुबे ने बताया कि सरकार किसानों को विगत २५ वर्षों से अधिक समय बीत चुका है। लेकिन आज तक किसानों के हितार्थ कारगर कदम नहीं उठाया जा सके है। जिसका खामियाजा किसानों को समय समय पर भुगतना पड़ता है, इसे बिडबंमना कहे की अन्नदाता को ही सबसे ज्यादा परेशानियों का मूल्य चुकाने की नौबत बनी हुई है । जिसको आज तक किसी भी सरकार ने परेशान मुक्त किसान नहीं बना पाया। परिणाम स्वरुप किसान को अपनी जायज मांग को लेकर हर बार सरकार को जगाने की नौबत आन पड़ती है । मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रामपायली में अपने प्रथम आगमन पर श्री राम बालाजी की धरा पर अपने मुखारविंद से ३१०० सौ प्रति कुंटल धान की खरीदी की बात कही थी। लेकिन वह बात आज भी अधूरी है उस वादे का क्या हुआ जो आज तक पूर्ण नहीं हो पाया। जिसके चलते पुन: एक बार सरकार को जगाने के लिए विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन नगर एवं क्षेत्र के हजारों कृषकों के द्वारा किया जाना है। जिसमें ३१०० सौ प्रति क्विंटल धान की खरीदी, २०२३ से बोनस सहित २७०० रुपये प्रति क्विंटल गेहूं की खरीदी, २४ घंटे किसानों को फ्री बिजली रबि की फसल में नहर से पानी फसल बीमा की राशि सरकार देय करें। पानी व बीमारी की वजह से फसल नष्ट होने के कारण समस्त जिला को प्राकृतिक आपदा जिला घोषित किया जाए और किसानों को उचित मुआवजा प्राप्त हो। समय पर खाद उपलब्ध हो, ६० वर्ष के ऊपर के हर किसान को पेंशन मिले,६० वर्ष के किसानों को बस व ट्रेन में २५ प्रतिशत ही टिकट लगे । किसानों का १० लाख रुपये तक का बीमा सरकार करावे ,ऐसी अनेक मांगों को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन रामपायली में होने जा रहा है। सरकार ने मांगों को पूर्ण नहीं किया तो यह आंदोलन आगे तक किया जाने की विवशता समस्त किसानों के लिए होगी जिसके लिए वर्तमान सरकार स्वयं

स्कूल से घर जा रहे 5 वर्षीय भूपेन्द्र को वैन ने टक्कर मारी, मौत

स्कूल से घर जाते समय बालक के साथ हुआ सड़क हादसा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम बुदबूदा के धानीटोला स्थित वारासिवनी कटंगी मार्ग पर सड़क हादसे में ५ वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब छात्र भूपेंद्र पिता प्रकाश बरले स्कूल की छुट्टी होने के बाद अपने घर आ रहा था। जहाँ मार्ग में बच्चों को ले जा रही स्कूल वेन की चपेट में बालक आ गया। मौके पर आसपास के लोगों के द्वारा घायल को सिविल अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक घटना से ग्रामीण लोगों में आक्रोश व्याप्त है,मामले में अस्पताल तहरीर पर पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

मामा मामी के पास रहता था भूपेंद्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार भूपेंद्र पिता प्रकाश बरले उम्र ५ वर्ष निवासी अतरी लालबर्रा हाल मुकाम धानीटोला ग्राम बुदबूदा के पिता प्रकाश बरले अपनी पत्नी के साथ नागपुर में मेहनत मजदूरी करने के लिए जाते हैं। जिनके द्वारा अपने बालक भूपेंद्र को अपने ससुराल धानिटोला में छोड़ दिया था। भूपेंद्र बरले अपने मामा मामी के पास में निवास करता था। तो वहीं ग्राम में स्थित प्राइड कान्वेंट स्कूल में शिक्षा अध्ययन करता था जो प्रतिदिन अकेला ग्राम के अन्य बच्चों के साथ आना जाना करता था। वह प्रतिदिन की तरह ११ दिसंबर की सुबह अपने स्कूल गया हुआ था जहां पूरे दिन शिक्षा अध्ययन करने के बाद दोपहर करीब ३ बजे स्कूल की छुट्टी कर दी गई। वह भी अपने साथी मित्रों के साथ वारासिवनी कटंगी मार्ग किनारे पैदल अपने घर आ रहा था। तभी प्राइड कान्वेंट स्कूल की स्कूल वैन जो स्कूल के बच्चों को उनके घर छोड़ने के लिए स्कूल से निकली बुदबूदा की ओर जा रही थी। तभी स्कूल से थोड़े दूर में सड़क किनारे चल रहे भूपेंद्र बरले को टक्कर मार कर वैन ने अपनी चपेट में ले ली। जहां मौके पर घटना की आवाज और बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुन आसपास के लोग दौड़कर आए। तो देखा की स्कूल वैन की चपेट में एक बच्चा आ गया था जिसकी पहचान भूपेंद्र बरले के नाम पर होने पर घायल के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। जिन्होंने मौके पर पहुंचकर घायल को बेसुध अवस्था में सिविल अस्पताल में लाया जहां डॉक्टर ने उसकी जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना अस्पताल तहरीर के माध्यम से पुलिस को दी गई जिसमें पुलिस के द्वारा अस्पताल में पहुंचकर उपस्थित जनों से जानकारी लेकर मामले में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही की गयी। थाने में मर्ग कायम कर सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह में बालक के शव को सुरक्षित रखवा दिया गया। बालक के माता पिता नागपुर में है वह नहीं पहुंच पाए हैं ऐसे में पोस्टमार्टम की कार्यवाही माता पिता की उपस्थिति में १२ दिसंबर को की जाएगी।

५ वर्ष का बालक है जो स्कूल से घर जा रहा था तब यह हादसा हुआ-हंसराज

ग्रामीण हंसराज कांवरे ने बताया कि बालक ग्राम के ही प्राइड कान्वेंट स्कूल में शिक्षा अध्ययन करने के लिए आता जाता था। उसका एक्सीडेंट हो गया ५ वर्ष का बालक है स्कूल से घर जा रहा था तब यह हादसा हुआ। हमें हादसे की कोई जानकारी नहीं है स्कूल की शिक्षिका के द्वारा हमें फोन कर जानकारी दी गई। इसके बाद हम मौके पर पहुंचे तो देखा कि बेसुध बालक पड़ा हुआ था। उसे उठाकर तत्काल सिविल अस्पताल में लाए हैं यहां डॉक्टर ने उसकी मौत होना बताया करीब ३.३० बजे कि यह घटना है। स्कूल वैन से दुर्घटना होना मौके पर लोगों ने बताया सड़क किनारे की यह बात है यह अकेला नहीं था इसके साथ हमारे भी बच्चे घर आ रहे थे।

स्कूल वैन के चालक ने एक्सीडेंट कर दिया जिससे बालक की मौत हो गई- अवधेश

प्रधान आरक्षक अवधेश चौधरी ने बताया कि बच्चा प्राइड कान्वेंट स्कूल में पढ़ता था स्कूल की छुट्टी के बाद यह पैदल अपने घर जा रहा था। तभी स्कूल वैन के चालक ने एक्सीडेंट कर दिया यह ३ बजे छुट्टी के बाद की घटना है बच्चों को अस्पताल लाए थे। बालक की मौत हो गई है मामले में तहरीर जांच की जा रही है बालक के माता पिता बाहर रहते हैं मजदूरी करते हैं तो वह आए नहीं है उनकी रास्ता देख रहे हैं।

वारासिवनी में नेशनल लोक अदालत का आयोजन कल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण के

कुशल मार्गदर्शन एवं सतीश शर्मा, न्यायाधीश सचिव ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट,विशेष न्यायाधीश वारासिवनी श्रीमती कविता इवनाती के निर्देशन में १३ दिसबंर शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत के सफ्ल आयोजन हेतु जिला न्यायालय व अधीनस्थ तहसील न्यायालयों हेतु कुल २० खण्डपीठों का गठन किया गया है। जिसमें से व्यवहार न्यायालय वारासिवनी हेतु ६ खण्डपीठों का गठन किया गया है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित प्रकरण जैसे आपराधिक शमनीय प्रकरण, चेक बाउंस प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण, विद्युत एवं जलकर, संपत्तिकर संबंधी प्रकरण ,दीवानी मामले, राजस्व मामले एवं अन्य प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के माध्यम से किया जावेगा। नगरपालिका, नगर पंचायतों के प्रकरणों में आपसी राजीनामा के आधार पर एक मुश्त राशि पर अधिभार में नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। इसी प्रकार विद्युत विभाग के प्रकरणों के निराकरण पर भी एक मुश्त भुगतान पर अधिभार की राशि में नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। आपसी राजीनामा से प्रकरणों के निराकरण पर किसी पक्ष की हार नहीं होती। बल्कि दोनों पक्षों में आपसी भाईचारा बढ़ता है, मुकदमेबाजी पर हो रहे समय, श्रम व धन के व्यय की बचत होती है और व्यक्ति तनावमुक्त जीवन का आनंद प्राप्त करता है। श्रीमती कविता इवनाती, न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय वारासिवनी ने इच्छुक आम जनता/पक्षकारों से अपील की है कि वे न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरण/प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से करवाना चाहते हैं, तो वह अपने अधिवक्ता वकील के माध्यम से आपसी सुलह के द्वारा १३ दिसबंर २०२५ को जिला न्यायालय तहसील न्यायालयों में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

आशा उषा सहयोगिनी संगठन ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

३ वर्ष से आयुष्मान का बकाया भुगतान करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तहसील कार्यालय में ११ दिसंबर को आशा उषा सहयोगिनी संगठन के द्वारा एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल को ज्ञापन सौंपकर बकाया भुगतान दिलाने मांग की गई। ज्ञापन में बताया की आशा कार्यकर्ता एवं आशा पर्यवेक्षक को आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए ५ रूपये प्रत्येक कार्ड मिलेगा कहाँ गया था। वहीं ७० वर्ष से अधिक उम्र वालो के कार्ड बनाये गए जिसमें फि र बीओसीडब्लू के कार्ड बनाये गये। बाद में ग्राम के सभी लोगो के भी आयुष्मान कार्ड आशा उषा सहयोगिनियों के द्वारा ग्राम में भ्रमण कर बनाए गए। परंतु आज तक हमें उस कार्य का भुगतान नही हुआ है,वहीं आशा कार्यकर्ता एवं आशा पर्यवेक्षक के द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों का भी भुगतान अगस्त २०२५ से नहीं किया गया है। हमारी यही मांग है कि हमारा भुगतान यथा शीघ्र किया जायें। इस अवसर पर आशा उषा सहयोगिनी मौजूद रहे।

आशा कार्यकर्ता २ वर्ष से आयुष्मान कार्ड बना रही है भुगतान नहीं हो पाया है-गीता

आशा गीता कटरे ने बताया कि आशा कार्यकर्ता २ वर्ष से आयुष्मान कार्ड बना रही है उसका कोई भुगतान नहीं हो पाया है। विभागीय अधिकारी से बात करो तो वह जनपद सीईओ से मिलने बोलते हैं तो हम एसडीएम से मिले है। उन्होंने सीईओ से चर्चा कर ९ दिन का आश्वासन दिया है। यह भुगतान आईडी के अनुसार है किसी ने १००० तो किसी ने २००० आयुष्मान कार्ड बनाए हैं। वहीं पिछले ५ महीने का भुगतान भी जो महीने में विभिन्न कार्य करते हैं उसका नहीं किया गया है। हर बार बजट का रोना बताया जाता है हम सभी गरीब महिलाएं हैं। इसमें दूसरा विषय आता है कि प्रसव पीड़िता को जब हम ले जाते हैं तो वहां पर डॉक्टर अपनी मनमानी करते हैं पैसे मांगते हैं जमाने की बात पूछते हैं। आशा को केवल शिकार बनाया जाता है की आशा रुपये लेती है जबकि ९ महीने तक हम सेवा देते हैं तब हम कोई रूपये नहीं लेते और अस्पताल में कैसे लेंगे। विभागीय अधिकारियों बड़े अधिकारी की इसमें गलती है।

हमें बजट या सॉफ्टवेयर का बहाने बनाकर पेंमेंट के लिये टाल दिया जाता है-अनीता

आशा जिलाध्यक्ष अनीता जमुनपाने ने बताया कि आशा उषा कार्यकर्ताओं की समस्या है पिछले पांच माह से हमें किए गए कार्यों का भुगतान नहीं किया गया है। इसके अलावा जो आयुष्मान कार्ड हम दो तीन साल से बना रहे हैं उसका भी भुगतान नहीं किया गया है। इन्होंने कहा था कि प्रत्येक कार्ड का ५ रूपये देंगे ३ वर्ष से हम काम कर रहे है। नेटवर्क नहीं मिलता तो सुबह का शाम और शाम का सुबह हितग्राही के घर आना जाना लगा रहता है। उसका पेमेंट नहीं मिला है तो एसडीएम को हमने ज्ञापन दिया है उन्होंने एक सप्ताह का समय दिया है। हमारे अधिकारियों से हम बात करते हैं तो वह हमें बजट सॉफ्टवेयर या एक महीने में डाल देंगे १५ दिन में आ जाएगा केवल ऐसा बोलकर टलाते रहते हैं। हम बहुत परेशान हो गए हैं जबकि यहां पर विधवा तलाकशुदा महिलाएं आशा का काम करती है। उनके घर में कोई कमाने वाला नहीं है वह कैसे अपने परिवार का पालन पोषण करेगी फि र भी महिलाओं के द्वारा कार्य किया जा रहा है।

दरिद्र नारायण भोज का आयोजन आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी। स्वर्गीय अमृतलाल जायसवाल की ३१ वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पूर्व खनिज मंत्री प्रदीप

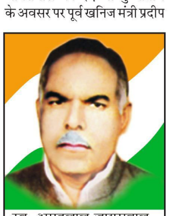

स्व. अमृतलाल जायसवाल

जायसवाल के निवास स्थान पर १२ दिसबंर को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस मौके पर दरिद्र नारायण भोज का आयोजन दोपहर १२ बजे से रखा गया है। इस दौरान सेवा ही परंपरा बनाने वाले कर्मयोगी प्रेरणा स्त्रोत बहुआयामी स्वर्गीय अमृतलाल जायसवाल बाबूजी का श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली रेखा धामेजा के जीवन की तस्वीर

बारिश में टपकती छत से अब सुरक्षित पक्के घर तक का सफर

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले के बैहर नगर के वार्ड क्रमांक-13 में रहने वाली श्रीमति रेखा धामेजा का जीवन लंबे समय तक चुनौतियों से भरा रहा। अपने पिता श्री कन्हैयालाल धामेजा के साथ परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वह घर-घर टिफिन पहुंचाने का कार्य करती थीं। मेहनत और ईमानदारी के साथ चलने वाला यह काम उनके परिवार का मुख्य सहारा है। लेकिन बरसात का मौसम आते ही उनकी मुश्किलें कई गुना बढ़ जाती थीं। कच्चे मकान की जर्जर दीवारें बारिश में भीगने लगतीं, छत से पानी टपकता और हर वक्त दीवार गिरने का खतरा बना रहता था। असुरक्षा और चिंता ने उनके पूरे परिवार को हमेशा घेर रखा था। छोटे-छोटे बच्चे, सीमित आमदनी और टूटता-फूटता घर, ये सब मिलकर उनके लिए प्रतिदिन नई चुनौतियां खड़ी कर देते थे।वह अपना पक्का मकान बनाना चाहती थी लेकिन टिफिन सेवा के इस कार्य से इतनी आय नहीं होती थी कि उसका सपना पूरा हो सके। इन्हीं संघर्षों के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) रेखा के जीवन में आशा की नई किरण बनकर आई। इस योजना के अंतर्गत जब श्रीमति रेखा धामेजा

को पक्के मकान की स्वीकृति मिली, तो उनके चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी। मानो उनके जीवन में सचमुच नया सवेरा हो गया हो। इस योजना के तहत रेखा को तीन किस्तों में कुल 2.50 लाख रुपए की सहायता राशि प्राप्त हुई। कुछ अपनी जमा-पूंजी जोड़कर उसने कुछ ही महीनों में अपने सपनों का नया पक्का घर तैयार कर लिया है आज वह और उनका पूरा परिवार एक सुरक्षित, मजबूत और स्थायी घर में निश्चिंत होकर रह रहे हैं। श्रीमति रेखा धामेजा भावुक होकर कहती हैं अब हमारे पास एक पक्का घर है, जहाँ हम बिना डर के रह सकते हैं। न बारिश की चिंता, न दीवार गिरने का डर। मैं बहुत खुश हूँ कि आज मैं अपने परिवार के साथ अपने पक्के घर में रह रही हूँ। श्रीमति रेखा धामेजा अपने पूरे परिवार की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती है और कहती है कि उनकी बदौलत ही आज उसका परिवार सुरक्षित आशियाने में जीवनयापन कर पा रहा है। यह कहानी न सिर्फ एक परिवार की बदली हुई ज़िंदिगी की गवाही देती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि सरकारी योजनाएं जब ज़रूरतमंदों तक पहुँचती हैं, तो उनका भविष्य संवारने की ताकत रखती हैं।

वीरांगना रानी अवंती बाई महाविद्यालय खैरलांजी में विश्व एड्स दिवस पखवाड़े के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)और रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में 01 से 15 दिसम्बर तक आयोजित विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। .प्राचार्य श्री के.एल.हिवारे के निर्देशन एवं रेड रिबन क्लब प्रभारी श्री रोहित

कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन मे 11 दिसम्बर को विश्व एड्स जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से मानव श्रृंखला बनायी गई। साथ ही पोस्टर मेकिंग ,पॉजिटिव स्पीकिंग, रिल मेकिंग, पोस्टर, स्लोगन (नारे) इत्यादि के माध्यम से एड्स के प्रति जागरूकता अभियान को गोद ग्राम किन्ही मे ग्रामवासियो के बीच फैलाया गया। महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के द्वारा रैली निकाल कर एड्स के प्रति रोकथाम और जागरूकता से संबंधित बातो को जन-जन तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस के अब्दुश समीम, कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार पांडे, वीरेंद्र कुमार पटले, अमर सिंह गोंड, नीरज ठाकुर, शालिनी मेश्राम, पूनम गुप्ता एवं महाविद्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

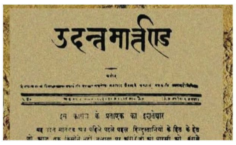

तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां भारत के उभरते डिजिटल बाजार में निवेश के लिए होड़ कर रही हैं और अब माइक्रोसॉफ्ट व अमेजन ने भारी-भरकम निवेश की घोषणा की है, तो यह देश की एआई महत्वाकांक्षाओं के मद्देनजर शुभ संकेत है।

भारतीय एआई नवाचार को पंख

तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इकोसिस्टम में एशिया के अब तक के सबसे बड़े 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा और इंटेल व कॉग्निजेंट के सीईओ का प्रधानमंत्री के साथ बैठक में बड़े निवेश का संकेत देना, देश की एआई महत्वाकांक्षाओं के लिए तो अच्छी खबर है ही, हमारी तकनीकी संप्रभुता के मजबूत होने का भी संकेत है। यही नहीं, अमेजन एवं गूगल ने भी भारत में अरबों डॉलर के एआई निवेश की घोषणा की है। ये दिग्गज कंपनियां दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाले डिजिटल बाजार में निवेश करने की होड़ में लगी हैं, तो यह केंद्र सरकार की निवेशोन्मुखी नीतियों की सफलता का परिचायक है। 2026 से 2029 के बीच चार वर्षों के दौरान 17.5 अरब डॉलर के निवेश के निर्णय के साथ माइक्रोसॉफ्ट का लक्ष्य 2030 तक दो करोड़ भारतीयों को एआई तकनीक में कुशल बनाकर भारत को %एआई-फर्स्ट% बनाना है, जिसमें दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों और महिला प्रतिभागियों का एक बड़ा हिस्सा शामिल होगा। इस निवेश से जहां देश भर में आधुनिक क्लाउड एवं एआई डाटा सेंटरों का विस्तार हो सकता है, वहीं लाखों भारतीय व्यवसायों और स्टार्टअप को उच्च रफ्तार वाली कंप्यूटिंग क्षमता हासिल हो सकती है। यही नहीं, इसके जरिये लाखों भारतीय युवाओं को एआई तकनीक में प्रशिक्षण देकर भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार किया जा सकता है। इससे भारत की एआई क्षेत्र में संप्रभु क्षमता मजबूत होगी और महत्वपूर्ण डाटा देश के भीतर सुरक्षित रहेगा। गौरतलब है कि इस वर्ष की शुरुआत में भारत दौरे पर आए माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ ने दो वर्षों में तीन अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। इस वर्ष के अंत तक देश में डाटा प्रोसेसिंग करने के साथ माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट लॉन्च करने की योजना है, जो सरकार, बैंकिंग, वित्तीय सेवा, बीमा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों के लिए भारत में एआई डाटा गवर्नेंस और अनुपालन सुनिश्चित करेगा। दरअसल माइक्रोसॉफ्ट एआई, डिजिटल व्यापार और कार्यबल के प्रशिक्षण में भारत-अमेरिकी भागीदारी को मजबूत करने में अपनी भागीदारी को और गहरा करना चाहती है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात में कॉग्निजेंट के सीईओ रवि कुमार एस ने एआई को तेजी से अपनाने और एआई क्षमताओं और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए शिक्षा व कौशल विकास को आगे बढ़ाने पर चर्चा की, तो इंटेल कॉरपोरेशन के सीईओ लिप बू टैन ने भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में अपने निवेश को और बढ़ाने की इच्छा जताई, जिससे भारत के एआई नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने के प्रयासों में तेजी आने की उम्मीद है।

जिनकी फितरत कभी नहीं बदलती

पाकिस्तान के इतिहास से स्पष्ट है कि सैन्य शासन ने इसे न तो स्थिरता दी है और न ही आर्थिक प्रगति। लेकिन इस बार फर्क यह है कि सेना ने अपनी सत्ता को सांविधानिक वैधता का आवरण पहना दिया है। लिहाजा भारत को सतर्क, सावधान व रणनीतिक रूप से तैयार रहना होगा।

पाकिस्तान की राजनीति एक बार फिर सेना के शिकंजे में जकड़ती जा रही है। नवंबर 2025 में हड़बड़ी में पारित 27वें संविधान संशोधन ने नागरिक शासन और सैन्य नेतृत्व के बीच शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल दिया है। इससे पाकिस्तान में लोकतंत्र का दायरा सिकुड़ रहा है और सेना का प्रभाव सांविधानिक रूप से सर्वोच्च दर्जा हासिल कर रहा है। यह बदलाव न केवल पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति के लिए खतरनाक है, बल्कि भारत की सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी गंभीर चिंताएं पैदा करता है।

इस संशोधन के तहत %चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज% (सीडीएफ) का नया पद बनाया गया है, जिसे फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को सौंपा गया है। वह पहले से ही चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ हैं और अब थल, वायु और नौसेना, तीनों पर सीधी कमान रखने वाले पाकिस्तान के एकमात्र व्यक्ति बन गए हैं। इससे सैन्य शक्ति का ऐसा केंद्रीकरण हो गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। सांविधानिक तौर पर यह पद प्रधानमंत्री से भी अधिक प्रभावशाली बना दिया गया है, जिसे हटाना भी लगभग असंभव कर दिया गया है। मुनीर को आजीवन अभियोजन-छूट भी दे दी गई है-पाकिस्तान में यह अधिकार अब तक किसी निर्वाचित नेता के पास नहीं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि पाकिस्तान की परमाणु कमान पर अब सेना का नियंत्रण और अधिक मजबूत हो गया है। पहले के ढांचे में, कम से कम औपचारिक रूप से, राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण में प्रधानमंत्री की भूमिका दिखाई देती थी। लेकिन अब रणनीतिक व परमाणु फैसलों पर सैन्य वर्चस्व और बढ़ गया है। वह देश, जो भारत के साथ कई बार युद्ध के मुहाने तक पहुंच चुका है, जहां कट्टरपंथी ताकतें एवं सैन्य प्रतिष्ठान मिलकर नीतियां प्रभावित करते हैं, वहां परमाणु निर्णयों का केंद्रीकरण पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है।

भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी खतरनाक है. क्योंकि पाकिस्तान की आंतरिक अस्थिरता और सैन्य श्रेष्ठता का दावा अक्सर भारत-विरोधी आक्रामकता के रूप में सामने आता है। मई 2025 की टकरावपूर्ण घटनाओं के बाद मुनीर की छवि पाकिस्तान में %भारत के विरुद्ध निर्णायक नेता% के रूप में गढ़ी गई है। आसिम मुनीर की सैन्य-चालित नीतियां और राजनीतिक बयानबाजी भारत-पाक संबंधों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखने की दिशा में हैं। मुनीर की आंतरिक वैधता भी काफी हद तक भारत विरोध पर टिकी हुई दिख रही है-जैसा कि इतिहास में कई बार पाकिस्तान में होता आया है। भारत की पश्चिमी सीमाओं पर सीमा पार से आतंकवाद और ड्रोन-आधारित तस्करी बढ़ने की संभावना को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान में जब भी सेना की पकड़ मजबूत होती है, भारत के विरुद्ध %लो-इंटेंसिटी वॉरफेयर% को बढ़ावा मिलता है। मुनीर के कार्यकाल में यह और तेज हो सकती है।

अंदरूनी मोर्चे पर पाकिस्तान पहले ही बड़े संकटों से घिरा है

बलूचिस्तान में अलगाववाद, खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी का फिर से उभार, आर्थिक अव्यवस्था और राजनीतिक ध्रुवीकरण। ऐसा इतिहास कहता है कि जब पाकिस्तान के भीतर परिस्थितियां बिगड़ती हैं, तो उसका ध्यान बाहरी मोर्चे, विशेषकर भारत की ओर मोड़ा जाता है, ताकि घरेलू असंतोष को दबाया जा सके। मुनीर को मिला अभूतपूर्व अधिकार इसी दिशा में संकेत देता है-वह आंतरिक सुरक्षा विफलताओं की भरपाई भारत-विरोधी नीतियों से करेंगे। भू-रणनीतिक दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान ने सऊदी अरब और अमेरिका के साथ सुरक्षा सहयोग को फिर बढ़ावा दिया है। गाजा में एक संयुक्त मुस्लिम शांति बल में सक्रिय योगदान की पेशकश ने उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कल्छ समर्थन दिलाया है। विश्व पहले से ही यूक्रेन, पश्चिम एशिया और इंडो-पैसिफिक के तनावों में उलझा है, इसलिए पाकिस्तान में लोकतंत्र पर हो रहे हमलों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया धीमी है। यह पाकिस्तानी सेना को अपने एजेंडा को निर्बाध रूप से आगे बढ़ाने का अवसर देता है, जिसमें भारत के विरुद्ध कठोर रुख भी शामिल है।

भारत के लिए सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि पाकिस्तान में अब एक ऐसे सैन्य नेता का उदय हो चुका है, जिसके पास कानूनी सुरक्षा कवच भी है और राजनीतिक संस्थाओं को दबाने की क्षमता भी। यह स्थिति भारत के साथ किसी आकस्मिक या गलत फैसले से उपजे संघर्ष का जोखिम बढ़ा देती है। यदि सीमा पर तनाव बढ़ता है या कश्मीर से जुड़े मसलों को फिर उकसाया जाता है, तो निर्णय प्रक्रिया अधिक उतावलेपन से संचालित हो सकती है, क्योंकि वहां सैन्य प्रतिष्ठान लोकतांत्रिक जवाबदेही से मुक्त है। इस बदलाव का एक और असर भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में देखा जा सकता है। मुनीर सरकार टीटीपी को सुरक्षित पनाह देने का आरोप लगाकर तालिबान पर दबाव बना रही है। इस अस्थिरता के फैलाव का असर भारत की अफगान रणनीति और मध्य एशिया के साथ संबंधों पर पड़ सकता है। दक्षिण एशिया में शांति तभी संभव है, जब पाकिस्तान अपने भीतर के संकटों को राजनीतिक-सांविधानिक ढांचे से संभाले, न कि सेना के बल पर। भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थाओं का क्षरण केवल एक आंतरिक मामला नहीं है, बल्कि यह एक राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है। भारत की स्थिरता, उसके उत्तर-पश्चिमी सीमा क्षेत्रों की शांति, और आतंकवाद-रोधी रणनीतियों पर इसका सीधा प्रभाव पड़ता है। भारत को कूटनीतिक, खुफिया और सैन्य स्तर पर सतर्कता बनाए रखनी होगी और अपनी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने की आवश्यकता होगी।

सवाल यह नहीं है कि पाकिस्तान में अब कौन शासन कर रहा है, बल्कि यह है कि उस शासन का लक्ष्य क्या है और वह अपने उद्देश्यों को पाने के लिए कौन-से तरीके अपनाएगा। जिस पाकिस्तान का निर्माण हो रहा है, वह भारत-विरोधी उन्माद, सैन्य राष्ट्रवाद व बल-आधारित रणनीति पर निर्भर प्रतीत हो रहा है। उसके इतिहास से यह स्पष्ट है कि सैन्य शासन ने न तो स्थिरता दी है और न ही आर्थिक प्रगति। लेकिन इस बार फर्क यह है कि सेना ने अपनी सत्ता को सांविधानिक वैधता का आवरण पहना दिया है। भारत को सतर्क, सावधान व रणनीतिक रूप से तैयार रहना होगा।

दक्षिण एशिया की शांति के लिए जरूरी है कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक व्यवस्था व नागरिक सरकार की भूमिका मजबूत हो। लेकिन जब तक वहां सेना सर्वोच्च सत्ता का केंद्र बनी रहेगी, तब तक भारत को एक ऐसे पड़ोसी की वास्तविकता के साथ जीना होगा, जो अविश्वास, असुरक्षा और शत्रुता की राजनीति को ही अपनी पहचान मानता है।

-आनंद कुमार,
(एसोसिएट फेलो एमपीआईडीएसए)

स्वर्गीय श्री अमृतलाल जायसवाल जी की 31 वीं पुण्यतिथि पर विशेष

स्वर्गिय लाला अमृतलाल जायसवाल थे सच्चे जनसेवक

बालाघाट जिले की राजनीति में जमीन से उठकर प्रदेश स्तर तक अपने विचारों एवं कार्यो से अल्प समय में ही प्रसिध्दी प्राप्त कर लेने वाले बाबूजी का जीवन सदैव संघर्षमय और कठिन परिश्रम का रहा। 'संघर्ष ही जीवन है' के आदर्श को उन्होंने अपना लिया था। उन्होनें जीवन पर्यंत कर्तव्य की ही पूजा की, भावना के अनुरूप कार्य किया। अधिक उम्र में भी उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणादायी बनी रही, उनकी कर्तव्य परायणता, व्यवहार कुशलता एवं परिश्रम करने की भावना कभी कम ना हुई। १७ जुलाई १९३९ को इलाहाबाद के श्री जमुना प्रसाद जायसवाल के घर में पैदा हुए श्री अमृतलाल जायसवाल, जिन्हे पूरे जिले के लोग लालाजी के लोकप्रिय नाम से जानते थे। लेकिन उनकी अधिक लोकप्रियता बाबूजी के नाम से थी। बाबूजी का जीवन इलाहाबाद में ही एक शिक्षक के रूप में हुआ था। परंतु उन्होंने वारासिवनी को अपनी कर्मस्थली बना लिया था और व्यवसाय जगत में अपना पदार्पण किया। उन्होंने अपने ३० वर्षो के व्यवसायिक प्रयास के साथ राजनैतिक जीवन में पदार्पण किया। वे अपने राजनीतिक जीवन में सदैव नेतृत्व के प्रति निष्ठा, दल के प्रति समर्पण की भावना, प्रत्येक दलीय सहयोगी के प्रति विश्वास की भावना से कार्य करते रहे। यही कारण था कि उनके राजनैतिक विरोधी भी उनका सम्मान करते थे। बाबूजी क्षेत्र की शोषित-पीड़ित जनता के उत्थान के लिए कार्य करने की इच्छा रखते थे। जिससे प्रतीत होता था कि उनका जन्म कार्य स्थलीय वारासिवनी की ही माटी में हुआ हैं। वह नगर के हर वर्ग विशेषकर

स्व. अमृतलाल जायसवाल

संसाधन विहीन गरीब वर्ग के सुख-दु:ख में ऐसे भागीदार बनते थे, मानों वह हर परिवार के सदैव मुखिया हो और हो भी क्यों ना शहर उन्हें पूरा स्नेह देता रहा। स्वच्छ शुभ पोषाक पहनकर मंच से खड़े होकर बोलते हुए उनकी मोहनी मूर्ति आज भी जनमानस के जीवन में है। लालाजी के अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब इस बात का प्रमाण था कि आम जनता उन्हें कितना प्यार एवं सम्मान दिया करती थी। जिले की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह और कमलनाथ के अत्यंत करीबी माने जाने वाले बाबूजी को जिले की राजनीति के चाणक्य स्व श्री नंदकिशोर शर्मा का पूर्ण सहयोग प्राप्त था। बाबूजी के कांग्रेस प्रवेश के बाद वारासिवनी में मृत पड़ी कांग्रेस में जान पैदा हुई। उन्होंने संगठन की पूर्ण रूप से सेवा की, अपनी बहुमुखी प्रतिभा के कारण समाज सुधार एवं जनसेवा के अनेकों कार्य किए। उनके पास आए जरूरतमंद हर व्यक्ति की उन्होंने तन-मन-धन से सेवा की। बाबूजी अपनी विशिष्ट शैली के कारण विवादस्पद प्रस्तावों का भी सरलता से हल निकाल देते थे। बाबूजी ने क्षेत्र में स्वर्गीय थानसिंह बिसेन एवं स्वर्गीय विपिन लाल पटेल के कार्यो एवं विचारों को आगे बढ़ाया। बाबूजी ने अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक सर्वाधिक महत्व सामाजिक उत्थान एवं ग्रामीण विकास को दिया। उदारता पूर्वक किए गए उनके कार्यो को आज भी क्षेत्र की जनता याद करती हैं। उन्होंने धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद की प्रतियोगिताओं में अत्यंत रूचि के साथ सहयोग किया एवं मुक्त हस्त से समय-समय पर दान देकर दानशीलता का परिचय दिया। वह अनेक संस्थाओं के अध्यक्ष रहे। उनके संपर्क में आने वाला हर व्यक्ति उनके गुणों के कारण उनका प्रशंसक बन जाता था। वे समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए कार्य करने की भावना रखते थे। बाबूजी के इन कार्यो को देखकर अनायास ही एक कवि की यह पंक्तियां याद आती हैं कि:-

कुछ लोग जतन के लिए, कुछ लोग रतन के लिए।
जबकि लालाजी पैदा हुए थे, जन-जन के लिए।।

उनके विरूध्द राजनीतिक दुष्प्रचार भी जनता पर कोई प्रभाव ना जमा सका। वे जनमानस में उत्तरोत्तर जनप्रिय होते गए। यह अत्यंत खेदजनक रहा कि वे अपने विचारों एवं कार्यो को पूर्ण करते कि १२ दिसंबर १९९४ को पीड़ित एवं शोषित जनता के पक्षधर, युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, जिले की राजनीति में धूमकेतु की तरह छा जाने वाले पूज्य बाबूजी स्वर्गीय अमृतलाल जायसवाल को काल के क्रूर चक्र ने हमेशा हमेशा के लिए हमसे छिन लिया। स्वर्गीय बाबूजी के सपनों, कार्यो, विचारों को साकार करने के लिए उनके सुपुत्र पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल दृढ प्रतिज्ञ है। उनके विचारों एवं कार्यो को मूर्त रूप देने में वारासिवनी-खैरलांजी क्षेत्र की जनता का पूर्ण समर्थन एवं सहयोग उन्हें प्राप्त हैं। पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल वारासिवनी-खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए पूर्ण रूप से तत्पर सजग हैं। यह विशेष बात है कि लालाजी ने अपने परिवार को मानों अपनी वसीयत और संस्कारों में नगर के दीन-हीन लोगों की नि:स्वार्थ सेवा भावना की प्रतिज्ञा दिलाई हो। क्योंकि इस दौर में कम लोग ही होते हैं, जो अपने परिवार के मुखियां के सेवाभावी परंपरा का आजन्म निर्वहन का संकल्प लेते हैं। लालाजी एवं इनके बड़े पुत्र स्वर्गीय राजेश जायसवाल इसके उदाहरण रहे और अब दूसरे पुत्र प्रदीप गुड्डा जायसवाल, पुत्रवधु श्रीमती स्मिता प्रदीप जायसवाल और उनका पूरा परिवार अपने पिता, बड़े भाई के पदचिंहों पर चलकर क्षेत्र और नगरवासियों के हर सुख-दुख में उनके साथ होते है। संघर्षो के जो साथ रहा हो, सुख दुख में जो पास रहा हो, श्रध्देय स्वर्गीय श्री अमृतलाल जायसवाल लालाजी को सादर विनम्र श्रध्दांजली।

मुद्दा

ऐसे चलेगी भारत में क्रिप्टो करेंसी

इन दिनों दो वजहों से क्रिप्टो की खूब चर्चा है-एक, कुछ वक्त से बिटक्वाइन समेत सभी क्रिप्टो करेंसियों के भाव में तेज गिरावट हो रही है। दो, खोजी पत्रकारों की एक वैश्विक जांच में पता चला है कि हवाला के जरिये बड़े पैमाने पर पैसा इधर-उधर करने में क्रिप्टो का इस्तेमाल हो रहा है। भारत के गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने कथित रूप से पाया कि कम से कम 27 क्रिप्टो एक्सचेंजों के जरिये जनवरी 2024 से सितंबर 2025 के बीच 623.63 करोड़ रुपये दूसरे देशों में भेजे गए। इस धोखाधड़ी के पीड़ितों की संख्या लगभग 2,872 है। सेंटर ने जांच में पता लगाया कि पैसा आतंकी फंडिंग, कोविड कोष, डार्क नेट, साइबर स्कैम, हैकिंग क्रिप्टो करेंसी की लोकप्रियता व अपराध, दोनों साथ-साथ बढ़ रहे हैं। भारत के सामने बड़ी चुनौती नवाचार को रोके बिना जोखिमों को नियंत्रित करना है। और हवाला से आता है। दुबई, चीन, पाकिस्तान, कंबोडिया, म्यांमार आदि देशों में बैठे अपराधी इस लेन देन का संचालन करते हैं।

हाल के वर्षों में भारत के क्रिप्टो बाजार में बढ़ोतरी हुई है। भारत में क्रिप्टो निवेश में बढ़ती दिलचस्पी को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि सक्रिय क्रिप्टो निवेशकों की संख्या दो से ढाई करोड़ के बीच है, जिनमें युवा, विशेष रूप से 18-35 वर्ष के, सबसे आगे हैं। कुछ अनुमानों में तो यह संख्या 10 करोड़ आंकी जाती है। इसके पीछे इंटरनेट की उपलब्धता, फिनटेक स्टार्टअप का तेज विस्तार, वैश्विक क्रिप्टो एक्सचेंजों तक आसान पहुंच, सोशल मीडिया पर उपलब्ध शैक्षिक सामग्री और छोटे निवेश से शुरुआत इसकी मुख्य वजहें हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार को क्रिप्टो खरीद-बिक्री से 437 करोड़ रुपये आयकर के रूप में प्राप्त हुए थे, जो 2022-23 की तुलना में 63 प्रतिशत अधिक था।

भारत सरकार ने क्रिप्टो करेंसी को %वर्चुअल डिजिटल एसेट% के रूप में परिभाषित किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट कहा है कि क्रिप्टो करेंसी को कानूनी मुद्रा के रूप में मंजूरी देने की कोई योजना नहीं है। वित्त मंत्रालय के पास क्रिप्टो परिसंपत्तियों के वित्तीय नियमन एवं कराधान का दायित्व है। आयकर विभाग और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड टैक्स चोरी या अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम की जिम्मेदारी निभाते हैं। क्रिप्टो आमदनी पर 30 प्रतिशत आयकर और हर ट्रेडिंग लेनदेन पर एक प्रतिशत टीडीएस अनिवार्य कर दिया गया है। बड़े विदेशी क्रिप्टो एक्सचेंज भारतीय कानून, कराधान एवं संबंधित नियमों के अनुसार संचालित किए जा रहे हैं। फिर भी भारत में क्रिप्टो नियमन में स्पष्टता तथा नीतिगत स्थिरता की जरूरत है। कई बार क्रिप्टो विधेयक लाने की बातें कही गईं, पर अभी तक कोई ठोस कानून अस्तित्व में नहीं आया है। क्रिप्टो एक उभरती हुई तकनीक है, इसलिए स्पष्ट कानून नहीं होने से निवेशकों व स्टार्टअप में संशय की स्थिति बनी रहती है। निवेशकों के संरक्षण की समुचित व्यवस्था नहीं होने से क्रिप्टो एक्सचेंज या वॉलेट में हैकिंग, धोखाधड़ी, फर्जी स्कीमें, टोकन मूल्यों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव जैसी समस्याएं आम हो रही हैं। नीतिगत स्पष्टता से आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम में आसानी होगी। बहुत अधिक कराधान से छोटे निवेशक हतोत्साहित होते हैं। हर लेन-देन पर एक फीसदी टीडीएस से वित्तीय तरलता पर नकारात्मक असर होता है तथा निवेशक वैश्विक एक्सचेंजों की ओर पलायन करते हैं।

मद्रास हाईकोर्ट ने एक मामले में क्रिप्टोकरेंसी को %संपत्ति/प्रॉपर्टी% का एक रूप माना है, जिससे संबंधित पार्टियों को कानूनी उपायों का अधिकार मिल गया है। इसका अर्थ है कि यदि क्रिप्टो संपत्ति में धोखाधड़ी या विवाद होता है, तो पीड़ित अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने 2018 में अपने एक निर्णय में कहा था कि क्रिप्टोकरेंसी में कुछ मूलभूत गुण भी हैं और इससे बैंकों को नकसान नहीं पहुंचा है।

-रितेश पांडेय, पूर्व सांसद

भारत एक सनातन यात्रा है

पृ थ्वी के इस भूभाग में मनुष्य की चेतना ने पहली किरण के साथ उस सपने को देखना शुरू किया था। उस सपने की माला में कितने फूल पिरोए हैं, लाखों ऋषि, राम, कृष्ण, पतंजलि, अष्टावक्र कितने गौतम बुद्ध, कितने महावीर, कितने कबीर, रैदास, मीरा, राम-कृष्ण कितने नानक उस सपने के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर गए। उस सपने को मैं अपना कैसे कहूं? वह सपना मनुष्य का, मनुष्य की अंतरात्मा का सपना है। उस सपने को हमने एक नाम दे रखा था। हम उस सपने को भारत कहते हैं। भारत कोई भूखंड नहीं है। न ही कोई राजनैतिक इकाई है, न ऐतिहासिक तथ्यों का कोई टुकड़ा है। न धन, न पद, न प्रतिष्ठा की पागल दौड़ है। भारत है एक अभीप्सा, एक प्यास-सत्य को पा लेने की। उस सत्य को, जो हमारी धड़कन धड़कन में बसा है। उस सत्य को, जो हमारी चेतना की तहों में सोया है। वह, जो हमारा होकर भी हमसे भूल गया है। उसका पुनस्मरण, उसकी पुन:उद्घोषणा भारत है। भारत कोई भूखंड नहीं है। यह एक सनातन यात्रा है, एक अमृत पथ है, जो अनंत तक फैला हुआ है। मैं भी उस अनंत यात्रा का छोटा-मोटा यात्री हूं। चकोर चांद को एकटक बिना पलक झपकाए देखता रहता है। मैं भी उस अनंत यात्रा का छोटा-मोटा यात्री हूं। चाहता था कि जो भूल गए हैं, उन्हें याद दिला दूं, जो सो गए हैं, उन्हें जगा दूं और भारत अपनी आंतरिक गरिमा व गौरव को, अपनी हिमाच्छादित ऊंचाइयों को पुन: पा ले, क्योंकि भारत के भाग्य के साथ पूरी मानवता की किस्मत जुड़ी हुई है। यह केवल किसी एक देश की बात नहीं है। अगर भारत अंधेरे में खो जाता है, तो आदमी का कोई भविष्य नहीं है और अगर हम भारत को पुन: उसके पंख दे देते हैं, पुन: उसका आकाश दे देते हैं, पुन: उसकी आंखों को सितारों की तरफ उड़ने की चाह से भर देते हैं, तो हम केवल उनको ही नहीं बचाते हैं, जिनके भीतर प्यास है। हम उन्हें भी बचा लेते हैं, जो आज सोए हैं, लेकिन कल जागेंगे, जो आज खोए हैं, लेकिन कल घर लौटेंगे। भारत का भाग्य मनुष्य की नियति है, क्योंकि हमने जैसे मनुष्य की चेतना को चमकाया था और हमने जैसे दीये उसके भीतर जलाए थे, जैसी सुगंध हमने उसमें बिखेरी थी, वैसी दुनिया में कोई भी नहीं कर सका था। यह कोई दस हजार साल पुरानी सतत साधना है, सतत योग है, सतत ध्यान है। हमने इसके लिए बाकी सब कुछ खो दिया। हमने इसके लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया, लेकिन मनुष्य की अंधेरी से अंधेरी रात में भी हमने आदमी की चेतना के दीये को जलाए रखा है, चाहे कितनी भी मद्धिम उसकी लौ हो गई हो, लेकिन दीया अब भी जलता है। अमृतस्य पुत्र: ! हे अमृत के पुत्रो। जिन्होंने इस उद्घोषणा को सुना, वे ही केवल भारत के नागरिक हैं। भारत में पैदा होने से कोई भारत का नागरिक नहीं हो सकता। जमीन पर कोई कहीं भी पैदा हो, किसी देश में, किसी सदी में, अतीत में या भविष्य में, अगर उसकी खोज अन्तस्थ की खोज है, तो ही वह भारत का निवासी है। मेरे लिए भारत और अध्यात्म एक-दूसरे के पर्यायवाची हैं। इसलिए भारत के पुत्र जमीन के कोने-कोने में हैं और जो संयोगवश केवल भारत में पैदा हो गए हैं, जब तक उन्हें अमृत की तलाश पागल न बना दे, तब तक वे भारत के नागरिक होने के अधिकारी नहीं हैं। भारत एक सनातन यात्रा है, एक अमृत पथ है, जो अनंत से अनंत तक फैला हुआ है। इसलिए हमने कभी भारत का इतिहास नहीं लिखा। इतिहास भी कोई लिखने की बात है। साधारण-सी दो कौड़ी की रोजमर्रा की घटनाओं का नाम इतिहास है। जो आज तूफान की तरह उठती हैं और कल जिनका कोई निशान भी नहीं रह जाता। इतिहास तो धूल का बवंडर है। भारत ने इतिहास नहीं लिखा। भारत ने तो केवल उस चिरंतन की ही साधना की है, वैसे ही जैसे।

प्रस्तुति-सुरेंद्र बांसल
आचार्य रजनीश

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। लेवाली कमजोर रहने से गुरूवार को अनाज मंडी में सरसो बाजार नरमी पर रहे। सोयाबीन में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में बादाम व काजू में मजबूती रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार गुरूवार को कमजोर लेवाली से सरसो में नरमी आयी। सोयाबीन मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। उधर, किराना जिंसों में बादाम व काजू में पूछपरख से बाजार मजबूत नज़र आये। शक्कर में सुस्ती कायम रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4070-4150, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बार्र?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 815-860, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2050, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2700, (160) 2500-2600, (200) 2400-2600, (250) 2600-2800

तेल- सींगदाना 1460-1480, मुम्बई 1500, राजकोट तेलिया 2315-2325, सोया साल्वेंट 1180-1190, सोया रिफाइंड 1245-1255, कपास्या 1235-1240, धूलिया 1245, कड़ी 1245,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1450-1460, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8200-8400, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4450, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 4800-5000, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5800-5850, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। गुरूवार को भी स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी बनाए रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 183000, चॉंदी (99) 182500, टंच 181000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 129100,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 42 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.92 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे टूटकर 90.11 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.95 पर खुला था। यह पिछले बंद भाव 89.87 के मुकाबले कमजोरी दर्शाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में जोखिम से बचने की भावना और आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग ने रुपये को कमजोर किया। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजारों में नरमी और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी भी गिरावट के लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। निवेशक अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। अगर सकारात्मक संकेत मिले, तो आने वाले दिनों में रुपये को मजबूती मिल सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के बाद भी ऑटो और मेटल शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 426.86 अंक बढ़कर 84,818.13 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.55 अंक ऊपर आकर 25,898.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ऑटो और मेटल शेयरों में सबसे अधिक उछला आया। निफ्टी ऑटो 1.11 फीसदी और निफ्टी मेटल 1.06 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.30 अंक बढ़कर 59,578.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 137.90 अंक ऊपर आकर 17,228.05 पर बंद हुआ । सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एमएंडएम, ट्रेंट, एचसीएल टेक और एचयूएल के शेयरा लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स,

भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट खुला। सुबह 9ः18 पर सेंसेक्स 12 अंक की मामूली गिरावट के साथ 84,379 और निफ्टी 2 अंक की कमजोरी के साथ 25,762 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने दिन की शुरुआत 84,456 अंकों पर की। हालांकि खुलते ही इसमें हल्की कमजोरी और तेजी का दौर दिखा यह मात्र 16.36 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 84,407.63 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 25,771 पर खुलने के बाद शुरुआती व्यापार में उतार-चढ़ाव दिखाया। सुबह निफ्टी 31.80 अंकों की बढ़त लेकर 25,789.80 पर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के लगातार तीसरी बार 0.25 फीसदी की ब्याज दर कटौती से भी बाजार पर प्रभाव पड़ा है। वहीं एशिया के ज्यादातर बाजारों में तेजी देखी गई। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.3 फीसदी, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.66 फीसदी, और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.67 फीसदी, बढ़ा। हालांकि, जापान का निक्केई इंडेक्स 0.39 फीसदी, गिर गया। वहीं, अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी देखी गई।

पोस्ट ऑफिस आरडी, सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न का बेहतरीन विकल्प

मुंबई एजेंसी। पोस्ट ऑफिस की स्मॉल सेविंग स्कीमें अब भी निवेशकों के बीच लोकप्रिय हैं। इनमें से एक है पोस्ट ऑफिस रेकरिंग डिपॉजिट (आरडी) जिसमें हर महीने छोटी राशि जमा कर कोई भी बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इस स्कीम की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें सरकार की गारंटी होती है, यानी आपका पैसा 100 फीसदी सुरक्षित रहता है। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस आरडी पर वार्षिक 6.7 फीसदी ब्याज मिल रहा है। यह फिक्स्ड इनकम विकल्पों की तुलना में बेहतर रिटर्न प्रदान करता है। इसे कोई भी व्यक्ति 100 से शुरू कर सकता है। अगर आप हर महीने 5,000 रुपए जमा करते हैं तो 5 साल में कुल निवेश 3,00,000 रुपए होगा जिस पर ब्याज लगभग 56,830 रुपए मिलेगा यानी मैच्योरिटी के समय यह राशि 3,56,830 हो जाएगी। 10 साल में कुल निवेश 6,00,000 रुपए, ब्याज लगभग मिलेगा 2,54,272 रुपए यानी मैच्योरिटी राशि 8,54,272 रुपए हो जाएगी। आरडी में कम से कम एक साल जमा करने के बाद निवेशक जमा राशि का 50 फीसदी तक लोन ले सकते हैं। लोन पर केवल 2 फीसदी अतिरिक्त ब्याज देना होता है, जो आपातकालीन जरूरतों में उपयोगी साबित होता है।

माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में 17.5 अरब डॉलर का बड़ा निवेश किया

बेंगलुरु एजेंसी। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं सीईओ सत्य नडेला ने गुरुवार को कहा कि कंपनी भारत में 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रही है। नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया। यह निवेश उनकी पिछली यात्रा में घोषित 3 अरब डॉलर के निवेश के अतिरिक्त है। नडेला ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट भारत में अपने एज्यूर क्लाउड नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहा है। वर्तमान में नेटवर्क मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत में फैला हुआ है और कंपनी ने जियो के साथ साझेदारी भी की है। उन्होंने बताया कि

2026 में दक्षिण-मध्य भारत में नया डेटा सेंटर चालू होगा, जो पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल होगा। एज्यूर क्लाउड पर कंपनियां और डेवलपर्स अपने एप्लिकेशन, डेटाबेस और एआई मॉडल बिना अपने सर्वर खरीदे ऑनलाइन चला सकते हैं। नडेला ने भारत में एआई और डिजिटल कौशल पर जोर दिया। कंपनी दो करोड़ लोगों को एआई कौशल में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रख रही है। उन्होंने ई-श्रम जैसी सरकारी पहल का हवाला देते हुए कहा कि यह असंगठित श्रमिकों के उत्थान में मदद करेगा। नडेला ने डिजिटल संप्रभुता और साइबर सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और संप्रभुता को अलग नहीं देखा जा सकता और पब्लिक क्लाउड में विकल्प और नियंत्रण सुनिश्चित करना जरूरी है। सीईओ ने माइक्रोसॉफ्ट के मिशन को दोहराते हुए कहा कि कंपनी का उद्देश्य है ?कि भारत में हर व्यक्ति और हर संगठन को अधिक हासिल करने में सक्षम बनाना। नडेला ने उम्मीद जताई कि भारत 2030 तक गिटहब के माध्यम से दुनिया का अग्रणी डेवलपर समुदाय बन जाएगा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिनको आप बखूबी निभाएंगे। आपके रिश्ते भी बेहतर रहेंगे और आपको प्रमोशन आदि भी मिलता दिख रहा है। आपके आस पड़ोस में यदि कोई बात विवाद हो, तो आप उसमें न पड़े, क्योंकि उसके कानूनी होने की संभावना है। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधानी से करें, इसलिए आपको किसी से मांग कर वाहन चलाने से बचना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप अपनी आय और व्यय में तालमेल बनाकर चलेंगे, जिससे आप भविष्य को लेकर भी कोई इंवेस्टमेंट आसानी से कर सकेंगे, लेकिन आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा कर सकते हैं। जो परिवार के सदस्यों में लड़ाई झगड़े की वजह बनेगी। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी।

मिथुन- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है, वह अपनी परीक्षा की तैयारी में पूरी मेहनत से जुटेंगे और माताजी आपको कोई जिम्मेदारी देगी। परिवार का माहौल भी खुशनुमा रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने बिजनेस में यदि कुछ उतार-चढ़ाव को लेकर परेशान थे, तो आपकी वह समस्या भी दूर होगी और शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बढ़िया रहने वाला है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने आवश्यक कामों को समय से निपटाने की कोशिश करें। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगी। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को किसी अच्छी स्कीम का पता चल सकता है। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप बड़े बुजुर्गों की सेवा के लिए भी समय निकालेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आपकी निर्णय नेतृत्व क्षमता बेहतर रहेगी। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आप अपने मित्रों की मदद के लिए भी आगे आएंगे और यदि आप किसी पिकनिक आदि पर जाने की योजना बना रहे थे, तो उसमें आपको थोड़ा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यदि आपकी कोई डील अटकी हुई थी, वह भी आपको मिल सकती हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आप अपने कामों में थोड़ा धैर्य और संयम से बरतें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको बिजनेस में यदि किसी डील को लेकर पार्टनरशिप करनी पड़ें, तो उसमें आपको अपने पार्टनर की बातों पर पूरा भरोसा करने से बचना होगा, क्योंकि वह आपको धोखा दे सकते हैं। माता जी की सेहत में गिरावट आने से आपको भागदौड़ बनी रहेगी और कोई काम यदि लंबे समय से पेंडिंग था, तो उसे भी आप आसानी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आप कामों में काफी व्यस्त रहेंगे। दोस्तों से मिलने का भी आप समय निकालेंगे और राजनीति में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी। आप घर की साफ-सफाई और रख रखाव को लेकर भी थोड़ा ज्यादा ध्यान दिखाएंगे। आपके स्वास्थ्य में चल रही कोई समस्या आपको परेशानी देगी, जिसके लिए आपको थोड़ा एतियात बरतने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। जीवनसाथी की भावनाओं का आपको सम्मान करना होगा। आप किसी नए वाहन की खरीदारी की योजना बना रहे थे, तो उसके लिए आप कोई लोन आदि अप्लाई कर सकते हैं। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेने की आवश्यकता है, इसलिए आप उसे ना दोहराएं।

धनु- आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहने वाला है। आपको तरक्की के नए-नए अवसर मिलेंगे, जो आपको खुशी देंगे। आपका रुका हुआ धन भी आपको मिल सकता है। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बना सकते हैं। आप मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आप अपने कामों को कल पर टालने से बचें, नहीं तो इससे बाद में आपकी मुश्किलें बढ़ेंगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए चुनौतियों से भरा रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ लगेंगे, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगे। आपको किसी परिजन की ओर से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को लेकर आप अपने किसी मित्र से बातचीत कर सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। रचनात्मक कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको ऑफिस में महिला मित्रों से सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आप किसी से लेनदेन थोड़ा समझदारी दिखाकर ही करें, क्योंकि बाद में आपको कोई नुकसान होता दिख रहा है।

शब्दजाल - 8107

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछ 'हार' शब्द लगा है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

श	स	बी	ला	प	इ	ज	हा	र	क	मां
ग	दा	औ	प	रिं	लै	ला	दि	शा	को	क
इ	ब	म	रि	दा	ल	अ	प	रि	हा	र
कु	हा	रु	हा	त	स	द	व	हा	र	म
व	र	न्न	र	क	ते	री	ग	स	ता	द
म	रि	प	व	गा	स	मा	हा	र	न	ती
गा	नु	स	अं	प	म	खे	क	ला	व	क
उ	जी	हा	ला	क	शा	सौ	व	हा	जू	क
प	थो	तें	र	ल	ज	का	त	न	नी	द
हा	ल	व्य	व	हा	र	ऐ	हा	न	हा	थ
र	सा	ल	व	कु	श	जा	एं	र	क	र

उपहार, परिहार, अपरिहार, समाहार, मनूहार, सदाबहार, शाकाहार, खेवनहार, इजहार, व्यवहार

शब्दजाल - 8106 का हल

प्र	अ	मे	रि	का	स	मा	न	न	प	क
न	का	क	वि	इं	ड्रे	ने	ग	ति	मा	न
अ	दा	श	ल	मा	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	मा	ब	न	स	पा	ह	लि	ल
त	अ	अ	सौ	न	जा	मे	ह	मा	न	दे
अ	भि	नु	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बां
ग	मा	ल	मा	व	प	ला	य	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	न	ई	मा	न	जू	दे
र	प्र	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	अ	प	श
बां	स	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	सिंह में
मंगल	धनु में
बुध	वृश्चिक में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	06.53 बजे से
मकर	08.58 बजे से
कुंभ	10.45 बजे से
मीन	12.18 बजे से
मेष	13.48 बजे से
वृष	15.28 बजे से
मिथुन	17.27 बजे से
कर्क	19.40 बजे से
सिंह	21.56 बजे से
कन्या	00.08 बजे से
तुला	02.19 बजे से
वृश्चिक	04.33 ब.से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 346 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 14.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 05.50 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** प्रीति 11.12 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 14.57 बजे तदनन्तर तैतिल 03.43 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 05' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872556 **जूलियन दिन** 2461021.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बापू की चटनी

यह घटना उस समय की है जब राष्ट्रीय आंदोलन जोरों पर था। इसमें आम जन ही नहीं, राजा-महाराजा तक अपना योगदान देने को तैयार थे। एक दिन काशी के महाराजा गांधीजी के आश्रम में आए और बोले, 'बापू, मैं भी राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल होना चाहता हूं।' इस पर गांधीजी प्रसन्नता से बोले, 'यह तो बहुत अच्छी बात है कि राजा आगे आए हैं। उनके साथ प्रजा भी आगे आएगी। एक राजा अपने साथ लाखों प्रजा भी लेकर आएगा।' भोजन का समय होने पर गांधीजी ने महाराजा को खाने के लिए अपने साथ बिठाया। महाराजा को भी वैसा ही सादा भोजन दिया गया जैसा गांधीजी खाते थे। लेकिन गांधीजी के भोजन में एक वस्तु अधिक थी -चटनी। महाराजा को चटनी नहीं दी गई थी। जब महाराजा ने देखा कि गांधीजी चटनी मजे से खा रहे हैं, तो वह बार-बार उनकी ओर देखने लगे। गांधीजी ने पूछा, 'आपको भी चटनी चाहिए?' फिर तुरंत गांधीजी ने चम्मच भर चटनी उनकी थाली में रख दी। महाराजा ने उसका स्वाद लेने की जल्दी में ढेर सारी चटनी अपने मुंह में भर ली। चटनी मुंह में रखते ही उनके मुंह का स्वाद बिगड़ गया। उनसे न निगलते बन रहा था न उगलते। महाराजा ने पूछा, 'बापू, चटनी बड़ी कड़वी है। नीम की है क्या?' गांधीजी बोले, 'हां नीम की है। मैं तो वर्षों से रोज खा रहा हूं। तुम अगर मुंह का स्वाद नहीं बदलोगे तो आंदोलन के कष्ट कैसे भोगोगे?' महाराजा बापू का आशय समझ गए। वह जी कड़ा कर चटनी खाने लगे।

फिल्म वर्ग पहेली- 7051

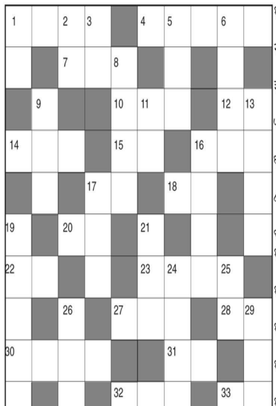

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7050

उ	म्मी	द		छ	लि	या		मे	ला
त्स		डॉ	न		बा	ग़	द	री	
व	च	न		वा	स	ना		जं	ग
	र		सौ	दा			आ	ग	
आ	स	रा			पा	की	जा		ग
रा		जा	नू		ल		द	रा	र
ध	र्मा		त	र	की	ब			म
ना		जी	न	त		ना	च		म
		ने		न	ज	र		प्या	सा
खा	न	दो	स्त			स	नी		ला

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7360

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7359 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 8575

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8574 का हल

क	दा	चा	र		स	त	ल	ज
ल		य	ती	म	खा	ना		हा
प	र			दा			चा	ल
ना	च		क	री	ब		ल	त
	ना	ब	ना		ला	ल	ब	
आ	का		त	ह	त		ल	क
रा	र			सी			न	या
ध		न	वी	न	त	म		म
ना	म	ब	र		क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

लाड़सा-उमरी अंतर्राज्यीय मार्ग का एसडीएम ने किया मौका

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद पंचायत लांजी के अन्तर्गत ग्राम पंचायत लाड़सा उमरी को जोडने वाला अन्तर्राज्यीय मार्ग जो कि मध्यप्रदेश को महाराष्ट्र की सीमा से ग्राम मुण्डीपार को जोड़ता है मार्ग पर विगत 1 दिसम्बर 2025 को महाराष्ट्र के ग्राम मुण्डीपार निवासी किसान मुन्नालाल गौतम के द्वारा उक्त मार्ग के कुछ हिस्से को अपनी भूमि स्वामी हक कि जमीन बताकर मार्ग को जेसीबी मशीन से खोदकर अवरूद्ध कर दिया गया था। जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणजनों की शिकायत पर एसडीएम के आदेशानुसार तत्काल में मार्ग को आवागमन के लिए खोल दिया गया था। जिसके उपरांत 11 दिसम्बर को एसडीएम कमलचंद सिंहसार द्वारा टीम गठित कर जिसमें आर आई भूपेन्द्र अहिरवार, हल्का पटवारी मनोज बिसेन, हेमेंद्र यादव, मिथलेश शेंडे, ग्राम रक्षक देवानंद वैद्य एवं विरेन्द्र मेश्राम शामिल थे। उक्त मौका स्थल पर ग्राम लाडसा व उमरी के पंचायत पदाधिकारी एवं ग्रामीण जनों की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण किया गया एवं पटवारियों से जानकारी ली।

लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत काम के बदले अनाज योजना से निर्मित है मार्ग

मार्ग के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्ष 2005 में काम के बदले अनाज योजना अन्तर्गत उक्त मार्ग का निर्माण लोक निर्माण विभाग के द्वारा 18 लाख 71 हजार रूपये लगभग कि लागत से किया गया था। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि हम लगभग 20 वर्षों से इस सड़क से आवागमन करते आ रहे हैं। आस-पास के क्षेत्र सहित अन्य ग्रामों के लोग भी रोजाना इस मार्ग का उपयोग करते है ऐसे में इस तरह अपनी मनमानी कर मार्ग को अवरूद्ध कर देना उचित नहीं है जिसकी जांच अधिकारियों के द्वारा की जानी चाहिये।

नोटिस जारी कर कार्यवाही की जाएगी-एसडीएम लांजी

उक्त मार्ग को लेकर जब लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार से चर्चा कि गई तो आपने बताया कि लाड़सा में कुछ दिनों पहले मुंडीपार महाराष्ट्र निवासी मुन्नालाल गौतम ने जेसीबी मशीन द्वारा मार्ग को खोदकर अवरूद्ध कर दिया गया था, जिसका 11 दिसम्बर को मौका स्थल निरीक्षण किया गया, पटवारी एवं उपस्थित लोगों द्वारा बताया गया कि उक्त मार्ग का निर्माण काम के बदले अनाज योजना से किया गया था और काफी पुराना व प्रचलित मार्ग है। इसमें जो सामान्यत: नियम कहते हैं उसके अनुसार वो बिना किसी सक्षम न्यायालय के आदेश के बंद नहीं किया जा सकता। लेकिन सामने वाले व्यक्ति द्वारा मार्ग की खुदाई कर दी गई थी। वर्तमान में तो रास्ता प्रचलित है लेकिन खुदाई के लिए उक्त संबंधित को नोटिस जारी कर कार्यवाही की जाएगी।

एस आई आर मतदाता सूची का गहन पुन: निरीक्षण को लेकर हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी में 11 दिसम्बर को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे ने नगर के समस्त बीएलओ एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विषेष तौर पर अनुपस्थित / स्थानांतरण/ मृत एवं दोहरी प्रविष्टि वाले तथा जिनके गणना पत्रक प्राप्त नहीं हो पा रहे के संबंध में जानकारी ली। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनप्रतिनिधियों के समक्ष यह मतदाता सूची अंतिम दौर में है, इसमें किसी भी मतदाता का नाम छूटा तो नहीं है, इस परिपेक्ष्य में वार्डों की मतदाता सूची की पारदर्शिता से अवगत कराया। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के पत्रानुसार 04.11.2025 से गणना पत्रकों का वितरण एवं प्राप्त करने की कार्यवाही निरंतर जारी हैं, यह कार्य अंतिम चरण में है।वर्तमान में जो गणना पत्रक प्राप्त हो गए है, उनके संबंध में डिजिटलाईजेशन का कार्य किया गया तथा अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, एवं दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता की जानकारी संकलित हुई है। यह जानकारी अभी अंतिम नही है। इसका अवलोकन सभी उपस्थित बीएलएएस द्वारा किया गया, साथ ही इस सूची का वाचन भी किया गया। मतदान केन्द्र पर इसे चस्पा भी किया गया। उपस्थित सभी बीएलए एवं अन्य से अपील की गई यदि उपरोक्त जानकारी में कोई विसंगति प्रतीत हो रही है, तो तत्काल अवगत कराया जाए ताकि उन मतदाताओं के संबंध में जानकारी बीएलओ एप के माध्यम से अपडेट की जा सके। इस दौरान विधायक राजकुमार कर्राहे , किशोर रामटेककर, सौरभ मोनू पशीने, आलोक चौरसिया, विजय गोस्वामी, अमोल तिड़के, चंद्रकांत किरनापुरे, बीएलओ गजानंद रणदिवे, गादीराम गुरदे, योगराज बोहने, लावेन्द्र घोरमारे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

लांजी में 16 दिसंबर को शासकीय महाविद्यालय में लगेगा रोजगार मेला

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय लांजी में आगामी 16 दिसंबर 2025 को बड़े पैमाने पर रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में कॉलेज के भूतपूर्व छात्र-छात्राओं को देश की नामी कंपनियों में नौकरी के सुनहरे अवसर मिलेंगे। बुधवार को रोजगार मेले की तैयारियों को लेकर कॉलेज में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने ने की। इसमें बालाघाट की प्रतिष्ठित संस्थाएं दृष्टि कम्प्यूटर्स, युनिवर्सल कम्प्यूटर्स तथा आईटीआई पालडोंगरी के प्रमुख भी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि 16 दिसंबर को आयोजित होने वाले इस रोजगार मेले में विशेष रूप से लड़कियों (आयु 18-35 वर्ष) को बैंगलोर स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड और लड़कों (आयु 18-23 वर्ष) को अहमदाबाद स्थित टाटा मोटर्स जैसी बड़ी कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रभारी प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने ने बताया कि यह रोजगार मेला क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं, विशेषकर कॉलेज के पूर्व छात्र-छात्राओं के लिए वरदान साबित होगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना बायोडाटा और आवश्यक दस्तावेज लेकर 16 दिसंबर को सुबह 10 बजे शासकीय महाविद्यालय लांजी पहुंचें। रोजगार मेले के सफल आयोजन के लिए कॉलेज प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। क्षेत्र के युवाओं से अपील की गई है कि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

विद्या भारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा में जयंती पखवाड़ा का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्या भारती के आद्य सरसंचालक भाऊराव देवरस की जयंती 1 नवंबर 2025 तथा संघ के तृतीय सरसंघचालक बालासाहेब देवरस जी की जयंती 11 दिसंबर 2025 तक, जयंती पखवाड़े के रूप में विद्यालयीन प्रतियोगिता, दौड़ , रंगोली, चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता, कबड्डी , खो खो, प्रश्न मंच आदि प्रतियोगिता आयोजित कर मनाई गई। उक्त समापन अवसर पर लांजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं एकल अभियान संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे के मुख्य आतिथ्य एवं डॉक्टर सुनीता जैन प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय किरनापुर के अध्यक्षता में तथा विशाल खोंगल के विशिष्ट आतिथ्य में जयंती समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झनकार किरनापूरे द्वारा विस्तार से बालासाहब देवरस जी के जयंती पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री देवरस बंधुओं के त्याग, तपस्या, शिक्षा, समर्पण, एकल अभियान, सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना और समाज को दिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज पुरे देश में सरस्वती शिशु मंदिर, एकल विद्यालय संचालित है उन्हीं की देन है। तत्पश्चात कार्यक्रम के अध्यक्ष द्वारा छोटी-छोटी करणीय कार्यों को आत्मसात करने को कहा गया। विशिष्ट अतिथि विशाल खोंगल द्वारा उच्च शिक्षा हेतु प्रेरक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के अवसर पर नवीन कार्यालय कक्ष का लोकार्पण किया गया जिसमें एक कक्ष निर्माण हेतु राशि मुख्य अतिथि झनकार किरनापुरे की ओर से प्रदान की गई। साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉक्टर सुनीता जैन प्राचार्य ने विद्यालय के लिए प्रोजेक्टर एवं चलित माइक सेट प्राप्त हुआ। श्रीमती विभा अवस्थी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ के सहयोग से विशाल खोंगल द्वारा छात्रावास के भैयाओं हेतु कंबल वितरण किया गया। कार्यक्रम का श्रीगणेश भगवान दत्तात्रेय जी के पूजन अर्चन तथा गौ पूजन कर कार्यक्रम सरस्वती वंदना के साथ प्रारंभ हुआ। घोष प्रमुख ऋषिकेश पगाड़े के मार्गदर्शन में घोष दल द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया उक्त अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष लालाराम नंदनवार , व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल, पूर्व छात्र संयोजक लोकेश फुंडे, श्यामा नरेंद्र मुरकुटे, संतोष भार्गव सहित एकल अभियान संच के समस्त आचार्य सहित विद्यालय के आचार्य दीदी एवं भैया बहन सभी उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य रविंद्र महारवाड़े द्वारा किया गया अंत में सभी दानदाताओं एवं अतिथियों का आभार विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे द्वारा किया गया। अंत में शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

पोषण पुनर्वाश केन्द्रों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश

कलेक्टर नें की स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 11 दिसंबर कों स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के प्रगतिरत कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में विभागीय कार्य योजनाओं में प्रगति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, महिला बाल विकास अधिकारी प्रशांत ठाकुर व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वप्रथम स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन को लेकर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री मीना ने गर्भवती माताओं के एएनसी पंजीयन कों शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कों निर्देशित किया गया कि जिन-जिन तहसीलो में एएनसी के पंजीयन 60 प्रतिशत से कम पाए जाएंगे उन तहसीलो के सम्बंधित बीपीएम व बीएमओ पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर मीना नें सीवीयर एनीमिया के केस कों गंभीरता से लेते हुए सभी बीएमओ, बीपीएम व सीएचओ कों मिलकर कार्य करने के निर्देश दिए। पोषण पूनर्वास केंद्र (एनआरसी) की समीक्षा के दौरान कलेक्टर मीना ने बैहर, बालाघाट, बिरसा के केंद्रों में बैड की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। महिला व बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी सीडीपीओ कों बच्चों के आभा कार्ड कों शीघ्रता से बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी बच्चों कों स्वास्थ्य सम्बंधित सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए। विभागीय अधिकारियों कों निर्देशित किया गया कि जहाँ-जहाँ आंगनवाड़ी केंद्र नहीं खुले है वहाँ आंगनवाड़ी केंद्र खुलवाए तथा उसकी नियमित जाँच करवाए। बैठक में आयुष अधिकारी श्री मिलिंद चौधरी कों निर्देशित किया गया कि 56 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में डॉक्टरों की कार्यप्रणाली सुनिश्चित की जाए ताकि आम नागरिकों कों स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित लाभ मिल सकें। इसके साथ हीं ऐसे डॉक्टर जो अपने कार्य कों लापरवाही से करते है उन पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मध्यप्रदेश के शहडोल में पारा पहुंचा 3 डिग्री, केदारनाथ-बद्रीनाथ का तापमान माइनस 15 डिग्री नीचे

-उत्तराखंड में जमे झरने, चमोली-पिथौरागढ़ की पाइपलाइन में जमा पानी

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्यों की बर्फबारी और हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ बनने से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। मध्य प्रदेश में पारा 3 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर 13 दिसंबर से दिखना शुरू होगा इससे और तेजी से तापमान गिरेगा। वहीं राजस्थान में भी पारा गिरने लगा है। राज्य के 20 से ज्यादा जिलों में मिनिमम टेम्परेचर 10 डिग्री से नीचे चला गया। फतेहपुर सबसे ठंडा रहा, यहां तापमान 3.7डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

जानकारी के मुताबिक पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में झरने जमने लगे हैं। चमोली-पिथौरागढ़ में पाइपलाइन में पानी जम गया। केदारनाथ में तापमान -15, बद्रीनाथ में -13 डिग्री चला गया। इधर हरियाणा में 4 जिलों में तापमान 7 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। 12 जिले ऐसे रहे जहां मिनिमम टेम्परेचर 10डिग्री से कम रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 12 दिसंबर से राज्य में सर्दी बढ़ेगी।

मध्य प्रदेश में पूरे दिसंबर कड़ाके की ठंड पड़ेगी। इसकी वजह हिमालयी क्षेत्र में लगातार पश्चिमी विक्षोभ का आना है। नया सिस्टम 13 दिसंबर से बनेगा। इस वजह से बर्फीली हवाएं लगातार चलेंगी। प्रदेश में सबसे ठंडा शहडोल का कल्याणपुर रहा। यहां सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 3डिग्री दर्ज किया गया। वहीं बिहार में सर्दी बढ़ रही है। पटना में न्यूनतम तापमान 12.6डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 1.1डिग्री कम है। जबकि 8.1 डिग्री सेल्सियस के साथ बक्सर सबसे ठंडा जिला रहा। पटना में बढ़ती सर्दी को देखते हुए सभी स्कूलों का समय बदल दिया गया है।

झारखंड की बात करें तो मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मौसम केंद्र रांची के मुताबिक 16 दिसंबर तक राज्य के ज्यादातर हिस्सों में सुबह के समय घना कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है। कोहरे के कारण दृश्यता में कमी आ सकती है, जिससे सुबह के समय सड़क और ट्रेन परिचालन प्रभावित हो सकता है। वहीं हरियाणा में हवाओं की दिशा और गति बदलने से ठंड में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। आईएमडी ने राजस्थान से सटे 6 जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखीदादरी और नारनौल में शीतलहर का यलो अलर्ट जारी किया था, लेकिन हवा की दिशा दक्षिण-पश्चिम होने से एकाएक तापमान में बढ़ोतरी हुई।

उत्तराखंड में बर्फबारी के बाद अब पाला गिर रहा है, जिससे नदी, नाले और झरने जम गए हैं। केदारनाथ में तापमान माइनस 15डिग्री और बद्रीनाथ में माइनस 13डिग्री पहुंच गया है। पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान साफ रहने से दिन में हल्की धूप मिलेगी, जबकि रात के समय तापमान में गिरावट का असर बना रह सकता है।

जबलपुर में साहू प्रोडक्शन पर खाद्य विभाग की दबिश

- गंदगी के बीच मिठाई, नमकीन और बेकरी उत्पाद बनाए जाने पर कार्रवाई, उत्पादन रोका गया

जबलपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग के उड़न दस्ते ने गत दिवस भरतीपुर स्थित साहू प्रोडक्शन में छापामार कार्यवाही के दौरान मौके पर गंदगी व अस्वच्छ वातावरण के बीच मिठाई, नमकीन और बेकरी उत्पाद तैयार किए जाने पर उक्त सामग्रियों के नमूने लेने के साथ ही फिलहाल खाद्य पदार्थों का उत्पादन बंद रखनेक के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा उड़न दस्ता प्रभारी देवेंद्र कुमार दुबे से मिली जानकारी के अनुसार निरीक्षण के दौरान उक्त उत्पादन स्थल की हालत चिंताजनक थी। दीवारों पर कालिख और गंदगी की मोटी परतें जमी थीं, जिससे पूरा कमरा काला पड़ चुका था। यही नहीं खाद्य सामग्री के भंडारण स्थलों पर भी कॉकरोच मिले, जिसे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम माना गया। इसी आधार पर मौजूद टीम ने साहू प्रोडक्शन से कई खाद्य सामग्री के नमूने लिए और उन्हें जांच के लिए भेजा। साथ ही संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई कि बिना लाइसेंस के उत्पादन पूरी तरह प्रतिबंधित है। लिहाजा लाइसेंस बनने तक किसी भी प्रकार का खाद्य उत्पादन यहां नहीं किया जाएगा। जांच में यह भी सामने आया कि साहू प्रोडक्शन द्वारा तैयार मिठाई और नमकीन गलगला तिराहे स्थित दुर्गा स्वीट्स नामक स्टोर में सप्लाई किए जाते थे। विभाग अब इस सप्लाई चेन की भी जांच कर रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार नगर में अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य उत्पादन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा को लेकर खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली,। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर गुरुवार को न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा सुनवाई करेंगे। सलमान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कई सोशल मीडिया मंचों और ई-कॉमर्स वेबसाइट को उनके नाम, छवियों और व्यक्तित्व के अनधिकृत इस्तेमाल से रोकने और उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया है। हाल ही में अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, जया बच्चन, ऋतिक रोशन और अजय देवगन, फिल्म निर्माता करण जौहर, गायक कुमार सानू, तेलुगु अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक रवि शंकर, पत्रकार सुधीर चौधरी और पॉडकास्टर राज शमानी ने भी अपने व्यक्तित्व एवं प्रचार अधिकारों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

शीर्ष अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत भी प्रदान की थी। तेलुगु अभिनेता एनटीआर जूनियर ने भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने अभी तक उनकी याचिका पर कोई आदेश पारित नहीं किया है।

गृह मंत्रालय ने नहीं बुलाई हाई पावर कमेटी की बैठक, लद्दाख के संगठनों में असंतोष

जम्मू,। लद्दाख के मुद्दों को लेकर गृह मंत्रालय की हाई पावर कमेटी की बैठक के लिए क्षेत्र के संगठन निमंत्रण मिलने का इंतजार हैं। करीब एक महीना बीतने के बाद गृह मंत्रालय की ओर से बैठक न बुलाने से लद्दाख के संगठनों में असंतोष है। पांच माह बाद 22 अक्टूबर को गृह मंत्रालय की लद्दाख के संगठनों से बातचीत की प्रक्रिया शुरू होने पर कुछ दिनों के अंदर बैठक बुलाने पर सहमति बनी थी। अब तक बैठक के बारे में कोई फैसला न होने पर लद्दाख के संगठन कई राजनीतिक दलों के सांसदों से मिल कर उनसे आग्रह कर रहे हैं कि संसद में लद्दाख के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के पदाधिकारी सज्जाद कारगिली ने कुछ दिनों में लद्दाख के मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह व नेशनल कान्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह महदी से बैठकें की। इससे पहले लद्दाख के संगठनों ने कुछ राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों से भी समर्थन मांगा था। इसके बाद देश के कई हिस्सों से सामाजिक संगठनों के एक दल ने लद्दाख का दौरा किया था। सज्जाद कारगिली ने कहा कि लद्दाख के मुद्दों पर दिल्ली में बैठक बुलाने में देरी सही नहीं है। इस तरह का दृष्टिकोण ही बाद में प्रदर्शन का कारण बनता है। उन्होंने बताया कि करीब पांच महीने के अंतराल के बाद अक्टूबर में हाई पावर कमेटी की बैठे अच्छे माहौल में हुई थी। अब इस बैठक में देरी शक पैदा कर रही है। लेह अपेक्स बाडी के सह अध्यक्ष छेरिंग दोरते का कहना है कि हमने बातचीत के मुद्दों को लेकर अपना प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेज दिया था। अब हमें इस बारे में कुछ नहीं बताया कि बैठक बुलाने में देरी क्यों हो रही है।

गृह मंत्रालय के निर्देश पर नवंबर में क्षेत्र के संगठनों ने लद्दाख के मुख्य मुद्दों पर चर्चा संबंधी प्रस्ताव भी भेजा था। इसमें जोर दिया कि हाई पावर कमेटी लद्दाख को राज्य बनाने, छठी अनुसूची लागू करने जैसे मुख्य मुद्दों को हल करने के लिए इन पर बातचीत करे।

मोहन यादव सरकार कर्ज में डूबी, मध्य प्रदेश की संपत्तियां बेचकर चला रही है शासन- जीतू पटवारी

भोपाल । वर्तमान मोहन यादव सरकार प्रदेश को अभूतपूर्व आर्थिक संकट की ओर धकेल रही है। यह सरकार न केवल हर दिन 165 करोड़ रुपये का कर्ज ले रही है, बल्कि कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए भी लगातार कर्ज ले रही है — ऐसी स्थिति किसी भी जि मेदार सरकार की नहीं हो सकती। यह बात मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कही।

पटवारी ने खुलासा किया कि सरकार ने अब तक 101 सरकारी संपत्तियां 1100 करोड़ रुपये में बेच दी हैं, जिनमें मध्य प्रदेश से बाहर की कीमती संपत्तियां भी शामिल हैं — मुंबई व केरल स्थित मूल्यवान भू-संपत्तियां भी गुपचुप नीलाम कर दी गईं।

उन्होंने कहा कि कर्ज की यह अंधी नीति प्रदेश की आने वाली पीढ़ियों पर बोझ बन रही है। आज सरकार की गलत आर्थिक नीतियों का असर भले ही तुरंत न दिखे, लेकिन इसका सीधा प्रभाव आम जनता और उनके बच्चों के भविष्य पर पड़ेगा।

पटवारी ने सरकार की फिजूलखर्ची पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मु यमंत्री विदेश यात्राओं पर रोज लगभग 3 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। इन दौरों पर करोड़ों रुपये सिर्फ फूलों और मंच सज्जा पर बर्बाद किए जा रहे हैं। जबकि दूसरी ओर प्रदेश में किसान कर्ज और संकट के चलते मौत का शिकार हो रहे हैं, युवा बेरोजगार घूम रहे हैं और मु यमंत्री 25 लाख रुपये प्रतिदिन हवाई यात्राओं पर खर्च कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी गारंटी शून्य साबित हो गई है। सरकार जनता का ध्यान भटकाने और आंकड़ों की बाज़ीगरी में लगी हुई है। सच्चाई यह है कि मध्य प्रदेश की आर्थिक रीढ़ कमजोर हो चुकी है और सरकार उसकी बची-खुची संपत्तियां बेचकर काम चला रही है।

पटवारी ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सरकार से यह सवाल पूछें कि मध्य प्रदेश की बहुमूल्य संपत्तियां क्यों बेची जा रही हैं? कर्ज का इतना बड़ा बोझ आखिर किसके हित में लिया जा रहा है?

उन्होंने कहा— यह जनता की संपत्ति है, जनता के भविष्य का आधार है। इसे लूट-लुटाकर सरकार अपनी विफलताओं को छिपा नहीं सकती।

जबलपुर में तेज रफ्तार कार पुल की रेलिंग से टकराई

जबलपुर। शहर के संजीवनी नगर थाना क्षेत्रांतर्गत कछपुरा ओवर ब्रिज पर बुध- गुरुवार की दरमियानी रात लगभग डेढ़ बजे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर ब्रिज की सीमेंट रेलिंग से टकरा गई। टक्कर में ब्रिज की मजबूत रेलिंग जहां टूटकर नीचे सड़क पर गिर गई वहीं कार भी नीचे को लटक गई। हालांकि कार का एयरबैग खुल जाने से चालक बच गया और हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ । पुलिस जांच कर रही है कि कार चालक नशे में था या नहीं। इस संबंध में संजीवनी नगर थाना प्रभारी बीडी द्विवेदी से मिली जानकारी के अनुसार रात में गश्ती दल ने हादसे की सूचना दी। मौका मुआयना करने पर प्रारंभिक जांच में सामनेआया कि कार पहले फुटपाथ से टकराई, उसके बाद सीधा रेलिंग से जा टकराई। इससे ब्रिज की सीमेंट निर्मित रेलिंग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि घटना में किसी को चोट नहीं लगी है। वाहन जरूर सामने की ओर क्षतिगंस्त हो गया है। कार की टक्कर से ब्रिज की रेलिंग टूटकर नीचे सड़क पर गिरी है। अच्छा हुआ जो उस समय सड़क पर तथा ब्रिज के नीचे की ओर कोई नहीं था वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

कोलकाता में बाबरी के खिलाफ जबलपुर में प्रदर्शन

- सार्वजनिक प्रसाधन गृह के बाहर बाबर के नाम के पोस्टर चिपकाए

जबलपुर। पश्चिम बंगाल में निष्कासित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद दोबारा बनाने के विवादित बयान और हाल के दिनों में किए गए आयोजन के विरोध में जबलपुर में कतिपय हिंदूवादी संगठनों ने अनोखा प्रदर्शन किया। इन कार्यकर्ताओं ने जबलपुर के कुछ सार्वजनिक मूत्रालयों पर बाबर मूत्रालय' के पोस्टर चिपका दिए । यही नहीं अन्य जगहों पर भी इन्हें लगाने का ऐलान किया गया है।गौरतलब हो कि पश्चिम बंगाल टीएमसी से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने कोलकाता में बाबरी मस्जिद बनाने की है. इसी बात को लेकर जबलपुर के हिंदूवादी नेताओं ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंनेहुमायूं के बयानों व कुत्डिसत प्रयासों को हिंदू भावनाओं पर प्रहार' बताया है। इस मामले को लेकर कुछ हिंदूवादी संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बुधवार को भंवरताल कल्चलर स्ट्रीट पहुंचे, जहां उन्होंने नारेबाजी और प्रदर्शन कर मूत्रालय पर बाबर के नाम के पोस्टर चिपकाए । सूचना मिलते ही ओमती थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। संगठन पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने वहां सुलभ शौचालय के बाहर बाबर के नाम के पोस्टर लगाए। इसी क्रम में आज विजय नगर स्थित एक शौचालय पर पोस्टर चिपकाए गए। इस दौरान.प्रदर्शनकारियों ने बाबर मुर्दाबाद' के नारे भी लगाए । संगठन का दावा है कि यह शांतिपूर्ण विरोध है, लेकिन प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है.।

एनआईए ने संदिग्ध आतंकी के घर 200 पुलिस कर्मियों के साथ मारा छापा

शाहनवाज 2019 में डकैती और चोरी के कई मामलों में भी जा चुका है जेल

ह जा रि बा ग । हजारीबाग में एनआईए कार्रवाई फिर तेज कर दी है। गुरुवार सुबह एनआईए की तीन गाड़ियां पेलावल थाना क्षेत्र स्थित एक घर पर पहुंची, जहां टीम ने घर के सदस्यों से बंद कमरे में पूछताछ की। सुबह करीब 5 बजे एनआईए की एक विशाल टीम ने पेलावल क्षेत्र में आवास पर अचानक छापा मारा। इस कार्रवाई में एनआईए के साथ 200 से ज्यादा पुलिस कर्मी भी शामिल रहे। इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त पुलिस बल और एटीएस की टीम भी तैनात रही।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बातया गया है कि यह छापेमारी संदिग्ध आतंकी शाहनवाज आलम से जुड़े नेटवर्क की जांच के तहत की जा रही है। शाहनवाज को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अक्टूबर 2023 में पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में गिरफ्तार किया था। वह मूलरूप से हजारीबाग का रहने वाला है। इससे पहले 2019 में वह हजारीबाग में डकैती और चोरी के कई मामलों में जेल भी जा चुका है। 2020 में जमानत मिलने के बाद उसके आईएस मॉड्यूल से जुड़ने की बात सामने आई थी। पुणे पुलिस की हिरासत से भागने के बाद एनआईए ने उस पर 3 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। बताया जा रहा है कि शाहनवाज ने पुणे के जंगलों में आतंकी प्रशिक्षण भी लिया था। इस मामले में मिले ताजा इनपुट के आधार पर एनआईए की टीम हजारीबाग पहुंची। छापेमारी पूरी तरह गोपनीय ढंग से की जा रही है। अधिकारी कोई भी जानकारी साझा करने से बच रहे हैं। अंदर मौजूद एक वृद्ध व्यक्ति से भी पूछताछ की जा रही है। सूत्रों ने यह भी बताया कि कार्रवाई में टीम ने नाश्ता मंगाया और एक गैस सिलेंडर भी अंदर ले जाया गया है। संभावना जताई जा रही है कि कुछ सामग्री गैस कटर की मदद से काटकर निकाली जा सकती है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। खबर लिखे जाने तक मौके पर कार्रवाई जारी थी।

वनरक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाला भोपाल से गिरफ्तार

भोपाल। वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2022 के बड़े पेपर लीक कांड में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने भोपाल की प्रिंटिंग प्रेस से पेपर चुराकर मास्टरमांइड का बेचने वाले आरोपी केडी डॉन को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने यह पेपर 23 लाख रुपए में बेचा था, जिसकी रकम नकद और ऑनलाइन के जरिये से कई किस्तो में ली थी। अधिकारियो के अनुसार 13 नवंबर 2022 को हुई वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर गोविंदपुरा स्थित रूचि प्रिंटिंग प्रेस में बाइंडिंग का काम करने वाले खिलान सिंह उर्फ केडी डान ने प्रेस से ही पेपर निकालकर 23 लाख रुपए में मुख्य आरोपी जबरा राम जाट तक पहुंचाया था।

धोखाधड़ी के मामले में भाजपा नेता सहित तीन गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल की टीटी नगर पुलिस ने बीजेपी के भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भगत सिंह कुशवाहा समेत तीन आरोपियो को गिरफ्तार किया है। इन तीनों पर कुशवाहा भवन पर फर्जी दस्तावेजों से कब्जा करने के आरोप थे। इसकी शिकायत टीटी नगर थाने में दर्ज है। गिरफ्तारी की कार्रवाई बुधवार देर रात की गई है। अगले दिन तीनों को कोर्ट में पेश किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 15 साल पहले कुशवाहा समाज को आवंटित भवन के फर्जी दस्तावेज तैयार कराए थे। और इन्हीं के आधार पर वह भवन पर कब्जा रखकर ऑफिस और गर्ल्स हॉस्टल संचालित कर रहे थे। इस मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल भानपुर के बेटे सीताराम कुशवाहा और मोहन कुशवाहा को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों पर समाज की संपत्ति को निजी उपयोग में लेने का आरोप है।

उपयंत्री 30 हजार की घूस लेते पकडाया

भोपाल। भोपाल लोकायुक्त टीम ने राम गोपाल यादव, उप यंत्री, जनपद पंचायत लटेरी जिला विदिशा को उसके घर से ही 30 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथ दबोचा है। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार फरियादी कन्हैया लाल शर्मा, निलंबित पंचायत सचिव ग्राम पंचायत धीरगढ़ और लाखन सिंह लोधी (40), निवासी धीरगढ़ तहसील लटेरी जिला विदिशा ने एसपी लोकायुक्त भोपाल दुर्गेश राठौर लिखित शिकायत करते हुए बताया की कन्हैया लाल शर्मा के पंचायत सचिव रहते हुए लगभग एक माह पूर्व ग्राम पंचायत धीरगढ़ में हुए सीसी सड़क निर्माण के मूल्यांकन हेतु आरोपी राम गोपाल यादव द्वारा 40 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही थी। आवेदन की शुरुआती जॉच रिश्वत मांगने की शिकायत सही पाए जाने लोकायुक्त टीम ने आरोपी को रंगे हाथो पकड़ने के लिये योजना बनाई। प्लानिंग के मुताबिक रकम के संबध में फरियादी की फोन पर आरोपी से बातचीत कराई गई। सौदा 30 हजार में तय होने पर आरोपी राम गोपाल ने रकम लेकर गुरुवार 11 दिसंबर को फरियादी को अपने निवासी ड्रीम सिटी कॉलोनी, हतोड़ा, गंजवासोदा जिला विदिशा पर बुलाया। फरियादी रकम लेकर आरोपी के घर पहुंचा। वहॉ आरोपी ने जैसै ही फरियादी से 30 हजार की रिश्वत की रकम अपने कब्जे में ली। वैसै ही वहॉ पहले से जाल बिछाकर बैठी लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथो धर दबोचा। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओ के तहत कार्यवाही की जा रही है। ट्रेप टीम में डॉ आर के सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, अजय मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक, प्र. आर यशवंत ठाकुर, आर. चैतन्य प्रताप सिंह, मनमोहन साहू और चालक अमित विश्वकर्मा शामिल रहे।

कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद शुरू हुआ, भाजपा सरकार ने खत्म किया- डॉ. मोहन यादव

भाजपा की पहचान युवा मोर्चा से है, पार्टी को आगे ले जाने की जि मेदारी भी युवाओं पर- हेमंत खण्डेलवाल

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, अमेरिका और इजराइल के साथ विश्व का तीसरा ऐसा देश है जो दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत का स मान वैश्विक स्तर पर बढ़ा है। आज दुनिया भारत और भारतीय जनता पार्टी की ओर देख रही है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलवाद प्रारंभ हुआ था। भाजपा सरकार नक्सलवाद और माओवाद को लगभग जड़ से खत्म कर दिया है।जैसे किसी परिवार की पहचान उसके बेटे-बेटी से होती है, उसी प्रकार भाजपा की पहचान युवा मोर्चा से है। यह बात मु यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के पदभार ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करतें हुए कही। कार्यक्रम को युवा मोर्चा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार एवं युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने भी संबोधित किया।

डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में नक्सलवाद की समस्या को समाप्त करने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया। मध्यप्रदेश के बालाघाट, मंडला, डिंडौरी में नक्सलवाद छाया हुआ था। कांग्रेस कोई भी कार्यवाही करने को तैयार नहीं थी। उसका परिणाम जनता ने देखा है, जब नक्सलवादियों ने कांग्रेस के एक तत्कालीन प्रदेश शासन के मंत्री को घर से निकाला और चौराहे पर खड़ा करके कुल्हाड़ी से उनकी गर्दन काट दी थी। कांग्रेस की सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कई पुलिसकर्मी और अधिकारी नक्सलवाद के शिकार हुए थे, जिससे कई माताओं बहनों का सिंदूर उजड़ गया था। हमें भाजपा सरकार पर गर्व होना चाहिए कि जब से हमारी सरकार बनी है सभी नक्सलवादियों, माओवादी को खत्म करने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते आज मध्यप्रदेश की धरती से नक्सलवाद हमेशा के लिए खत्म हो गया है। केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर इसको पूरी तरह खत्म कर रहे हैं। जो नक्सली सरेंडर नहीं कर रहे हैं उनको मारा जा रहा है। इस बदलते दौर में बुन्देलखण्ड में नदी जोड़ो अभियान चल रहा है। युवा मोर्चा कार्यकर्ता केन्द्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन और युवाओं के बीच पहुंचाएं। कांग्रेस के शासनकाल में सडक़, बिजली, पानी और रोजगार का नामोनिशान नहीं था। प्रदेश में युवाओं के लिए बड़ी सं या में उप निरीक्षक से लेकर अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी पदों पर भर्ती की जा रही है।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की पहचान अलग रूप में पहचानी जा रही है। भारत जितना आगे बढ़ रहा है, हमारी पार्टी का संगठन भी उतनी ही ताकत से आगे बढ़ रहा है। आज दुनिया के सामने भारत की पहचान एक विशिष्ट देश के रूप में है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के अधिकांश राज्यों में भाजपा और भाजपा गठबंधन की सरकारें हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। प्रधानमंत्री मोदी ी गांवों में गरीबों के लिए पक्के मकान उपलब्ध करा रहे हैं। इसके साथ ही उज्जवला योजना के माध्यम से गैस सिलेंडर, मु त अनाज सहित सभी प्रकार की सुविधाएं दी हैं। दुनिया में सबसे युवा देश भारत है। युवा शक्ति के माध्यम से भारत को सबसे ताकतवर देश बनाना है। इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हाथ मजबूत करना है। आप सभी युवा मोर्चा कार्यकर्ता सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाकर संगठन को और मजबूती देने के लिए कार्य करें।

हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि युवा मोर्चा राजनीति की पहली सीढ़ी है। समाज और देवतुल्य जनता भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व, आचरण और कार्य-व्यवहार देखकर ही भाजपा के भविष्य का आंकलन करती है, क्योंकि युवा ही आगे चलकर संगठन का नेतृत्व करते हैं। इसलिए आप सभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का व्यक्तित्व और व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि आपकी वजह से पार्टी को स मान मिले। पार्टी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व ने श्याम टेलर को युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष की जि मेदारी सौंपी है। युवा मोर्चा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने मोर्चा को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, श्याम टेलर उसे और बुलंदियों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा के कार्यकर्ता समाज और मतदाताओं को भाजपा से जोडऩे का कार्य करें।

हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था से चौथी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आने वाले सालों में अमेरिका और चीन से भी आगे निकल जाएगा। प्रधानमंत्री जी वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2047 तक भारत विश्व गुरू बने, इसके लिए आप सभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मध्यप्रदेश के हर घर और हर मोहल्ले में भाजपा का परचम लहराएं। आप सभी समाजों को और मतदाताओं को पार्टी से जोडऩे का कार्य करें, पार्टी आपके स मान की चिंता कर रही है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 51 रन से हराया, सीरीज में हासिल की 1-1 की बराबरी

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन किया और पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली। इस मैच में डिकॉक ने बल्ले से दम दिखाया, जबकि बार्टमैन ने शानदार गेंदबाजी की।

दक्षिण अफ्रीका जीता

क्विंटन डिकॉक के बाद ओटेनिल बार्टमैन की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत को दूसरे टी20 मैच में 51 रन से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका ने डिकॉक के शानदार अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 19.1 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला एक बार फिर खामोश रहा। गिल तो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह जल्द ही विकेट गंवा बैठे। भारत के लिए सिर्फ तिलक वर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। तिलक आखिरी बल्लेबाज के तौर पर आउट हुए। भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंदों पर दो चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाए। वहीं, जितेश शर्मा ने 27, अक्षर पटेल ने 21, हार्दिक पांड्या ने 20 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओटेनिल बार्टमैन ने चार विकेट झटके, जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसेन और लुथो सिपाम्ला को दो-दो विकेट मिले। ओटेनिल बार्टमैन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए एक ही ओवर में तीन विकेट लिए। बार्टमैन ने शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती को आउट किया।

भारत को सातवां झटका

ओटेनिल बार्टमैन ने शिवम दुबे को आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। शिवम एक रन बनाकर आउट हुए।

भारत को लगा छठा झटका

भारत को जितेश शर्मा के रूप में छठा झटका लगा है। जितेश 17 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा हालांकि क्रीज पर मौजूद हैं। भारत को 13 गेंदों पर 57 रन चाहिए।

भारत का स्कर 150 के पार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का स्कोर 150 के पार पहुंच गया है। भारत के लिए तिलक वर्मा अर्धशतक लगाकर क्रीज पर मौजूद हैं और उनका साथ जितेश शर्मा निभा रहे हैं।

भारत को पांचवां झटका

भारत को हार्दिक पांड्या के रूप में पांचवां झटका लगा है। हार्दिक 23 गेंदों पर एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए।

भारत के 100 रन पूरे

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 100 रनों का आंकड़ा छू लिया है। क्रीज पर फिलहाल हार्दिक पांड्या के साथ तिलक वर्मा मौजूद हैं।

भारत की पारी लड़खड़ाई

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पारी लड़खड़ा गई है। भारत ने नौ ओवर की समाप्ति तक चार विकेट पर 71 रन बनाए हैं। भारत को अब जीत के लिए 66 गेंदों पर 143 रन बनाने हैं। भारत को अक्षर पटेल के रूप में चौथा झटका लगा जो 21 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाकर आउट हुए।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन हो सकते हैं प्रमोट

विराट और रोहित होंगे डिमोट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की इसी माह 22 दिसंबर को होने वाली सालाना जनरल बैठक (एजीएम) में केन्द्रीय अनुबंध पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। इसमें एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को प्रमोट कर ए प्लस ग्रेड में रखा जाना तय है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को डिमोट किया जा सकता है। इसका कारण है कि अब विराट और रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। वहीं नियमों के अनुसार ए प्लस अनुबंध तीनों प्रारुप खेलने वालों को ही दिया जाता है।

इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले इन दोनो ने ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। वहीं साल 2024 टी20 विश्वकप के बाद टी20 प्रारुप से भी संन्यास ले लिया था। रोहित और कोहली की जोड़ी अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले और दूसरे नंबर पर बनी हुई है। अभी ए प्लस सूची में विराट और रोहित के अलावा जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा भी शामिल हैं।

ग्रेड ए प्लस अनुबंध में सालाना सात करोड़ रुपये जबकि ए में पांच, वहीं बी में तीन और सी में एक करोड़ रुपये मिलते हैं। बीसीसीआई के नियमानुसार अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने एक सत्र में 3 टेस्ट मैच या 8 एकदिवसीय या 10 टी20 मैच खेले हों।

बीसीसीआई की आम बैठक में घरेलू महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित कई अन्य मामलों पर होगी बात

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक इसी माह 22 दिसंबर को होगी। एपेक्स कमेटी की इस बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच मामलों पर बात हो सकती है। इसमें घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस को बढ़ाने पर भी बात होगी। इस बार एकदिवसीय विश्वकप में महिला टीम की शानदार जीत से भी खिलाड़ी उत्साहित हैं और ऐसे में उन्हें मैच फीस में बदलाव की उम्मीद है। बीसीसीआई भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुशी है और प्रतिभाओं को आगे लाने मैच फीस बढ़ाने पर फैसला ले सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वेतन में समानता है पर घरेलू प्रतियोगिताओं में अब तक ऐसा नहीं हुआ है। वहीं इस बैठक में क्रिकेटरों के केन्द्रीय अनुबंध पर भी बात होगी। इसके अलावा बीसीसीआई अंपायरों की मैच फीस में भी बदलाव करना चाहता है। उसको भी लेकर इस बैठक में विचार किया जाएगा। इसके अलावा कई और मामले भी इस बैठक में उठेंगे।

जूनियर हॉकी विश्व कप

भारतीय टीम ने अर्जेंटीना को हराकर कांस्य पदक जीता

हॉकी इंडिया हर खिलाड़ी को पांच-पांच लाख का इनाम देगी

चेन्नई। भारतीय हॉकी टीम ने जूनियर हॉकी विश्व कप में अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर कांस्य पदक जीत लिया है। इसी के साथ ही 9 साल के बाद भारतीय टीम को कोई पदक मिला है। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2001 में होबार्ट और साल 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। इस बार तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम 11 मिनट में 4 गोल कर मैच अपने नाम कर लिया। वहीं पिछले दो विश्वकप में भारतीय टीम हार के साथ ही हारकर चौथे स्थान पर रही थी।

इस बार भारतीय टीम ने कोई गलती नहीं की और शुरुआती 3 क्वार्टर तक 2 गोल से पीछे होने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी ओर अंतिम क्वार्टर में जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने अंतिम 11 मिनट में शानदार प्रदर्शन कर मैच पलट दिया। इन दौरान टीम ने एक के बाद एक चार गोल किये। अंकित पाल ने 49वें मिनट में पहला गोल किया। वहीं इसके कुछ ही मिनट बाद मनमीत सिंह ने 52 वें मिनट में दूसरा गोल कर मैच बराबरी पर ला दिया। शारदानंद तिवारी ने 57वें मिनट में तीसरा जबकि अनमोल इक्का ने 58वें मिनट में चौथ गोल दागा। वहीं इससे पहले अर्जेंटीना की ओर से निकोलस रौड्रिगेज ने पांचवें और पांचवें और सैंटियागो फर्नांडिस ने 44 वें मिनट में एक गोल दागा। हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन उसे बधाई देते हुए हर खिलाड़ी को 5-5 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। इसके अलावा सहयोगी स्टाफ को भी 2.5 लाख रुपए दिये जाएंगे।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बढ़त हासिल की

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है। मेजबान टीम ने दूसरे दिन पहली पारी के आधार पर 73 रनों की बढ़त हासिल करने के बाद दिन का खेल समाप्त होने के समय में वेस्टइंडीज के दो विकेट ले लिये थे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर केवल 32 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय ब्रैंडन किंग 25 गेंद पर 15 रन बनाकर और कावेम हॉज 3 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल 14 पर आउट हुए जबकि एंडरसन फिलिप अपना खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं इससे पहले आज

कीवी टीम ने अपनी पहली पारी 24 रनों से आगे खेलते हुए 9 विकेट पर 278 रन बनाकर घोषित कर दी। सलामी बल्लेबाज डेवन कॉन्वे ने सबसे अधिक 60 रन जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज मिशेल हे ने 61 रन बनाए। इन दोनों के अलावा केन विलियमसन ने 37, डेरिल मिचेल ने 25 रन बनाए। वहीं जकारी फॉल्क्स 23 रन बनाकर आउट नहीं हुए। वेस्टइंडीज की ओर से एंडरसन फिलिप ने 3, केमार रोच ने 2, जबकि जायडन सिल्स, ओजे शिल्ड्स, जस्टिन ग्रिव्स और रोस्टन चेज ने 1-1 विकेट लिये। वहीं इससे पहले वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 205 रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर कीवी टीम को 73 रनों की बढ़त मिली थी।

सैमसन के रहने से मुझे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है - जितेश

मुम्बई। भारतीय टीम में आज सीमित ओवरों के खेल में विकेटकीपर की जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। टीम के पास संजू सैमसन, जितेश शर्मा और ऋषभ पंत जैसे विकेटकीपर हैं। विकेटकीपिंग में सैमसन और जितेश के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है। वहीं इस तरह के माहौल से ड्रेसिंग रूम में तनाव की संभावनाओं को जितेश ने गलत बताया और कहा कि उन्हें सैमसन की मौजूदगी से तो उन्हें प्रेरणा ही मिलती है।

जितेश ने कहा कि मुझे सैमसन के साथ टीम में रहने पर काफी अच्छा अनुभव हुआ है। मुझे उससे काफी कुछ सीखने को मिला है। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं। जितेश के अनुसार इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ियों को अपने खेल का स्तर ऊंचा करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा, 'स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी बेहतरीन प्रतिभा निककर बाहर आती है जिससे टीम को लाभ होता है।'

सैमसन के दल में रहने को फायदेमंद बताते हुए जितेश ने कहा, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ऐसे में अगर मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। वहीं अब तक के आंकड़ों को देखें तो सैमसन कहीं आगे हैं। सैमसन ने अब तक 51 टी20 अंतराष्ट्रीय खेले हैं। उनमें उनके नाम 995 रन है। उनका औसत 25.51 और स्ट्राइक रेट 147.14 का है।

कप्तान हरमनप्रीत से मिलकर भावुक हुई मंधाना, बोली क्रिकेट ही सबसे अधिक पसंद

भारतीय जर्सी से मिलती है प्रेरणा

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना बुधवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान मंधाना की मुलाकात टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर से हुई। शादी टूटने के बाद पहली बार किसी पब्लिश इवेंट में नजर आई मंधाना ने हरमनप्रीत को गले लगाया और कहा कि मुझे क्रिकेट से ज्यादा कुछ भी पसंद नहीं है। साथ ही कहा कि भारतीय जर्सी पहनने से बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। मंधाना ने हाल ही में सोशल मीडिया में पलाश मुछाल से शादी टूटने की बात कही थी।

मंधाना ने कहा, क्रिकेट ने मुझे दो बातें सिखाई हैं। पहली ये कि हर दिन की शुरुआत शून्य से होती है और दूसरी ये कि अपने लिए नहीं अपनी टीम के लिए खेलो।

उन्होंने कहा, विश्व कप में हमने ने तय किया था कि किसी को अपने लिए नहीं बल्कि साथी खिलाड़ियों के लिए खेलना है। इससे दबाव कम होता है और ऊर्जा बढ़ती है।

मंधाना ने कहा कि जब आप सोचते हैं कि आपको अपने साथी के लिए अच्छा करना है, तो काम और भी आसान हो जाता है। मैं भी अपने बगल के खिलाड़ी के लिए शतक बनाना चाहती थी, अपने लिए नहीं।

गौरतलब है कि मंधाना अब 21 दिसंबर से श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में खेलती हुई नजर आयेंगी। मंधाना को इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का उपकप्तान बनाया गया है। यह सीरीज 21 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी। इसके पहले दो मैच विशाखापट्टनम जबकि बचे हुए तीन मैच तिरुवनंतपुरम में होंगे।

13 से 15 दिसंबर तक भारत दौरे पर पहुंचेंगे मैसी

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के कप्तान और स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी के दौरे को लेकर प्रशंसक उत्साहित हैं। मेसी शनिवार 13 दिसंबर से तीन दिवसीय भारत दौरे पर रहेंगे। वह बहुप्रतीक्षित ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम कार्यक्रम के तहत भारत आ रहे हैं। वह अपने तीन दिवसीय दौरे में 13 से 15 दिसंबर तक चार प्रमुख शहरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मेसी के 1:30 बजे कोलकाता पहुंचने की उम्मीद है। दिन भर शहर में उनके कई कार्यक्रम होंगे, जिनकी शुरुआत सुबह से ही हो जाएगी।

कोलकाता दौरे में मेसी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से भी मुलाकात करेंगे। वह दोपहर 2 बजे हैदराबाद के लिए होंगे। हैदराबाद में मेसी एक कार्यक्रम के साथ ही एक प्रदर्शनी फुटबॉल मैच में भी शामिल है। इसके बाद मेसी के शानदार करियर का जश्न मनाने वाला एक भव्य संगीत कार्यक्रम भी रखा गया है। युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष फुटबॉल क्लिनिक कार्यक्रम भी रखा गया है। यह मुख्य रूप से मेस्सी द्वारा आयोजित फुटबॉल क्लिनिक पर केंद्रित है। मेसी के साथ इस कार्यक्रम में फुटबॉलर रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज रहेंगे। वे बच्चों को प्रशिक्षण देंगे, उन्हें प्रेरित करेंगे और फुटबॉल के टिप्स देंगे। हैदराबाद में अपने कार्यक्रमों के बाद मेसी मुंबई और फिर दिल्ली जाएंगे।

बीसीसीआई ने पहले ही ले लिया था शुभमन को कप्तान बनाने का फैसला - अंकोला

नई दिल्ली। पूर्व चयनकर्ता सलील अंकोला ने कहा है कि शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) आने वाले समय में तीनों प्रारुपों के कप्तान के तौर पर देखता है। इसी कारण उन्हें टी20 में उप्तान बनाया गया है। अंकोला के अनुसार शुभमन को अचानक ही टेस्ट और एकदिवसीय कप्तानी नहीं दी गयी थी। बीसीसीसी ने इसकी योजना पहले ही बना ली थी। साथ ही कहा कि जब एशिया कप 2025 से पहले उन्हें टी20 टीम का उपकप्तान घोषित किया गया था तभी ये तय हो गया था कि बीसीसीआई उनको तीनों प्रारुपों की कमान देना चाहता है।

वहीं जब विराट कोहली के बाद रोहित शर्मा कप्तान बने तो वह 30 की उम्र को पार कर चुके थे। सभी को पता था कि रोहित ज्यादा समय तक कप्तान नहीं रहेंगे। इस बीच शुभमन के तौर पर क बड़ा विकल्प बीसीसीआई को मिला, जिन्होंने टेस्ट कप्तान के तौर पर अपनी पहली सीरीज में ही शानदार प्रदर्शन कर प्रभावित किया था। इसी को देखते हुए चयनसमिति ने रोहित के उत्तराधिकारी के रूप में शुभमन को रखा। शुभमन ने वैसे भी साल 2023 में काफी रन बनाये थे। अंकोला ने कहा, हमने हमेशा सोचा था कि शुभमन कप्तान बनेंगे। हमने 2023 में ही उन्हें इस भूमिका के लिए सोचा था, हमें विश्वास था कि वह कमान संभाल लेंगे। चयनकर्ता केवल कोच और कप्तान से ही नहीं, बल्कि दूसरे सीनियर खिलाड़ियों से भी सुझाव लेते हैं। उन्हें भी लगा कि वह सही व्यक्ति हैं।

ऐसे में जैसे ही रोहित ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा तो शुभमन को तत्काल ही और कप्तान घोषित कर दिया गया। अगली एकदिवसीय सीरीज आई तो उसमें भी कप्तान शुभमन ही थे। इसके पीछे का कारण ये था कि बोर्ड को 2027 एकदविसय कप के लिए कप्तान चुनना था, क्योंकि रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप में सक्रिय थे, लेकिन उनकी उम्र 38 के पार हो चुकी थी। वहीं शुभमन ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में कप्तानी करते हुए 756 रन बनाकर उन्होंने दिखा दिया कि कप्तानी से उनपर दबाव नहीं आता।

पाकिस्तान में फुटबॉल मैच में आपस में ही भिड़ गये खिलाड़ी

कराची। पाकिस्तान में एक फुटबॉल मैच में खिलाड़ी ही नहीं अधिकारी भी आपस में भिड़ गये। ये मैच पाक सेना और पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन के बीच हुआ इसमें हुई हाथापायी में कड़ी खिलाड़ी और अधिकारी घायल भी हुए हैं। इस मामले की जांच अब पाक ओलंपिक कमेटी कर रही है। सेमीफाइनल में जब दोनो टीमों के बीच जब झगड़ा चल रहा था तब मैच का प्रसारण हो रहा था, इसलिए लोगों ने भी ये सब देखा जिसके बाद सोशल मीडिया में भी इसके वीडियो आने लगे। ऐसे में अब प्रशंसकों ने दोनों टीमों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की मांग की है। यह लड़ाई तब शुरू हुई जब फुटबॉल फेडरेशन के कुछ सदस्यों ने सेना के खिलाड़ियों के सामने ही जीत का जश्न मनाना शुरु कर दिया। इससे उसके खिलाड़ी भड़क गये। एक खेल अधिकारी ने कहा है उन्होंने इस घटना का संज्ञान लिया है और पाकिस्तान ओलंपिक एसोसिएशन भी इस मामले की जांच करेगा। इसका कारण है कि राष्ट्रीय खेल उसकी की अधिकार क्षेत्र में आते हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी जांच करेंगे और लड़ाई भड़काने या शुरू करने में शामिल पाए गए खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में कुछ खिलाड़ी मैच रैफरी का पीछा करते हुए उसके चेंजिंग रूम में जाते दिखे और अन्य अधिकारियों और खिलाड़ियों द्वारा बचाए जाने से पहले उनके साथ मारपीट करते दिखे हैं।

अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर ही नीलामी में उतरेंगे विजय शंकर

मुम्बई । पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी-नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। इसका कारण ये है कि विजयशंकर पिछले पांच साल से टीम में नहीं थी। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नियम के अनुसार अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने पिछले पांच साल में किसी भी प्रारुप में एक भी मैच नहीं खेला है, तो उसे अनकैप्ड खिलाड़ी ही माना जाएगा और वह नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर उतरेगा।

इसी नियम के कारण विजय शंकर नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेंगे। विजय शंकर ने भारतीय टीम की 12 एकदिवसीय और 9 टी20 खेले हैं। इस क्रिकेटर ने अपना अंतिम अंतराष्ट्रीय मैच पांच साल पहले 27 जून 2019 को खेला था। ऐसे में बीसीसीआई का अनकैप्ड वाला नियम विजय शंकर

पर लागू होता है।

विजय शंकर पिछले सत्र में सीएसके में शामिल थे। चेन्नई ने उन्हें पिछले साल मेगा नीलामी में 1.2 करोड़ रुपये में शामिल किया था। विजय का प्रदर्शन साधारण रहा था। पांच पारियों में वह केवल 118 रन बना पाए। सीएसके मिनी नीलामी में नई टीम बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसी वजह से सीएसके ने विजय को रिटेन नहीं किया। अब देखना होगा कि नीलामी में उन्हें कौन सी टीम खरीदती है। इसी नियम के तहत पिछले सत्र में सीएसके ने महेन्द्र सिंह धोनी को भी रिटेन किया था। साल 2014 से आईपीएल में विजय शंकर ने अब तक 78 मैचों में 7 अर्धशतकों की सहायता से 1,233 रन बनाये हैं। उनका सबसे ज्यादा स्कोर नाबाद 69 रहा है।

सैमसन की प्रशंसा वाले गंभीर के पुराने पोस्ट वायरल होने के बाद प्रशंसकों ने उठाये सवाल

मुम्बई। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब तक भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के साथ ही मध्यक्रम सहित कई जगहों पर आजमाये गये हैं और उनका प्रदर्शन भी ठीक रहा है। इसके बाद भी उन्हें हमेशा ही बाहर कर दिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में भी शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें अवसर नहीं मिला। इसी को लेकर अब प्रशंसकों का गुस्सा फूटा है। इस बार प्रशंसकों ने अनोखे अंदाज में अपनी नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के तीन पुराने पोस्ट जारी किये हैं जिसमें गंभीर सैमसन की प्रशंसा करते दिख रहे हैं। ये पोस्ट 2019 और 2020 के हैं, तब सैमसन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से जबरदस्त बल्लेबाजी कर रहे थे पर उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पा रही थी। गंभीर ने तब सैमसन को न केवल बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज बल्कि उन्हें विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के योग्य बताया था। वहीं अब जबकि गंभीर भारतीय टीम के कोच है फिर भी सैमसन को टीम में जगह नहीं मिल पा रही है। पहले उन्हें कप्तान शुभमन गिल की वापसी के बाद सलामी बल्लेबाजी से बाहर किया गया। वहीं अब मध्यक्रम से भी बाहर कर दिया गया है। सैमसन और शुभमन गिल के टी20 में आंकड़े देखें तो यह साफ है कि सैमसन आंकड़ों के हिसाब से उनसे कहीं आगे है। सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टी20 में तीन शतक और एक अर्धशतक लगाया है जबकि शुभमन ने एक शतक ही लगाया है। गंभीर का पहला वायरल पोस्ट 22 सितंबर 2020 का है, जहां उन्होंने लिखा, यह अजीब है कि सैमसन को केवल भारतीय टीम में जगह नहीं मिलती। बाकी सब जब अवसर मिल जाते हैं। वहीं एक और पोस्ट में गंभीर ने कहा, सैमसन अभी भारत के सबसे अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिये। गंभीर ने एक और पोस्ट में कहा कि सैमसन की स्किल्स देखकर खुशी हुई कि वह भारत का सबसे अच्छा विकेटकीपर-बल्लेबाज है, मेरे लिए, वह विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

सचिन ने उभरती प्रतिभाओं को बताया सफलता का राज

मुंबई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने युवा खिलाड़ियों से बात करते हुए कहा है कि वे तभी आगे बढ़ सकते हैं जब उनके अंदर खेल को लेकर जोश और जुनून रहेगा। सचिन ने कहा कि सफलता हासिल करने के लिए उन्हें कठिन चुनौतियों का सामना भी करने तैयार रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि मुझे खेल से प्यार था और इसी कारण में इसके लिए, कुछ भी करने तैयार रहता था। गरमी की छुट्टियों में मैंने करीब 12 घंटे तक अभ्यास किया है।

तेंदुलकर ने कहा, "मैंने क्रिकेट खेलना इसलिए शुरू किया, क्योंकि इसको लेकर मेरे अंदर जुनून था।

साइंस सर्किल का 250 दिनों का एक्जाम प्रिपेयर अभियान सम्पन्न

सान्दीपनि विद्यालय में अब आईआईटी, जेईई व नीट की तैयारी शुरू

पद्मेश न्यूज (बालाघाट। सान्दीपनि विद्यालय बालाघाट में साइंस सर्किल के सहयोग से 01 अप्रैल 2025 से प्रारंभ किया गया। 250 दिवसीय E&amPrep अभियान 6 दिसंबर को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। इस अभियान में कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने प्रतिदिन तीन प्रश्न हल किए, जिसके परिणामस्वरूप कुल 4500 प्रश्नों की संगठित तैयारी पूरी की गई।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने बताया कि प्रत्येक दिन विषय शिक्षकों द्वारा रंगीन पोस्टरों के माध्यम से तीन प्रश्न, दो वस्तुनिष्ठ और एक वर्णनात्मक जारी किए जाते थे। अभियान का उद्देश्य छात्रों पर अचानक पढ़ाई का बोझ न बढ़ने देना और उन्हें प्रतिदिन की सतत तैयारी के माध्यम से बोर्ड, स्थानीय एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सक्षम बनाना था।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय के निर्देश पर यह अभियान जिले के अन्य स्कूलों में भी लागू किया गया। जो विद्यार्थी सत्र की शुरुआत में कक्षाओं में शामिल नहीं हो पाए थे, उनके लिए 9 जुलाई को श्व×ड्डद्वक्क्द्गद्बश्व 2.0 का शुभारंभ किया गया। इसके तहत सान्दीपनि विद्यालय में आयोजित भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने किया और विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना की। श्व×ड्डद्वक्क्द्गद्बश्व को लोक शिक्षण संचालनालय, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रेरक प्रयास के रूप में चयनित किया गया है।

अभियान के समापन के बाद अब सभी कक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा, साथ ही साइंस सर्किल द्वारा आयोजित आकलन परीक्षा में उनकी तैयारी का परीक्षण किया जाएगा। इसी क्रम में हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों के लिए सान्दीपनि विद्यालय में आज से IIT–JEE और NEET की विशेष क्लासेस भी शुरू की गई हैं। इन क्लासों का नेतृत्व प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले करेंगे और भौतिकी विषय की तैयारी स्वयं कराएंगे। वहीं उपप्राचार्य साजिद मोहिस रसायन विज्ञान तथा विद्यालय के अन्य विषय शिक्षक शेष विषयों की तैयारी कराएंगे।

डीजीसीए ने निगरानी से जुड़े नियम तत्काल प्रभाव से बदले

अब फ्लाइट उडऩे में 15 मिनट की देरी की जांच होगी

नई दिल्ली। देश के विमानन सेक्टर में पहली बार तकनीकी खामियों की निगरानी का पूरा ढांचा तत्काल प्रभाव से बदल दिया गया है। उड़ानों में लगातार देरी, कैंसिलेशन और हालिया सुरक्षा घटनाओं ने डीजीसीए को डिफेक्ट रिपोर्टिंग सिस्टम को जड़ से सख्त करने के लिए मजबूर किया है।

12 पेज के नए आदेश के मुताबिक अब किसी भी निर्धारित उड़ान में तकनीकी कारण से 15 मिनट या उससे ज्यादा की देरी होती है तो उसकी जांच अनिवार्य होगी। कंपनी को बताना होगा कि देरी क्यों हुई? उसे कैसे ठीक किया गया? दोबारा न होने के लिए क्या उपाय किए? ये ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले लागू नहीं थे। कंपनी को किसी भी 'मेजर डिफेक्ट' की तुरंत सूचना डीजीसीए को फोन पर देनी होगी। 72 घंटे में विस्तार से रिपोर्ट भेजनी होगी। डिफेक्ट तीन बार दोहराए जाने पर उसे 'रिपीटेटिव डिफेक्ट' माना जाएगा और उस पर अलग से विशेष जांच शुरू होगी। डीजीसीए ने यह सख्ती इसलिए की क्योंकि अब तक डिफेक्ट रिपोर्टिंग व्यवस्था कमजोर थी। अभी तक 15 मिनट की देरी की जांच जैसी व्यवस्था नहीं थी और रिपीट डिफेक्ट की परिभाषा भी नहीं थी।

रैली को संबोधित करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने बोला हमला, कहा

शाह खतरनाक, वे दुर्योधन-दुशासन जैसे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खतरनाक करार दिया है। ममता ने गुरुवार को कृष्णानगर की रैली में कहा कि शाह की आंखों में दहशत है। उनकी एक आंख में आपको दुर्योधन तो दूसरी आंख में दुशासन दिखाई देगा। ममता ने स्पेशल इंटेसिव रिवीजन को लेकर महिलाओं से कहा कि वे (केंद्र सरकार) एसआईआर के नाम पर मांओं-बहनों के अधिकार छीन लेंगे। वे चुनाव के दौरान दिल्ली से पुलिस बुलाएंगे। ममता के मुताबिक माताओ-बहनों, अगर आपके नाम काटे गए तो आपके पास किचन के बर्तन हैं, इनसे लड़िए। अपने नाम को लिस्ट कटने मत देना। महिलाएं आगे आकर लड़ेगी, पुरुष इनके पीछे रहेंगे। ममता ने आरोप लगाया कि 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एसआईआर को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा है। अमित शाह वोटों के इतने भूखे हैं कि चुनाव से दो महीने पहले ही यह प्रक्रिया चला रहे हैं।

ममता ने रैली में ये भी कहा कि अक्टूबर से 12 राज्यों में एसआईआर चल रहा है। इस प्रक्रिया का मकसद गलत मतदाता का नाम हटाना और नए मतदाता जोडऩा है। यह बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए हो रहा है। ममता ने केंद्र पर बंगालियों को बांग्लादेशी बताकर डिटेंशन कैंप भेजने का आरोप लगाया।

सब्सिडी का खर्च घटाने सरकार का खाद पर कंट्रोल?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही खाद पर एक नया कंट्रोल ऑर्डर लेकर आ रही है। किसानों को कंट्रोल ऑर्डर के तहत खाद का वितरण किया जाएगा। सरकार का मानना है, जिस तरह से खाद की मांग बढ़ रही है।सरकार के ऊपर लगातार सब्सिडी का बोझ बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में खाद के वितरण में कंट्रोल ऑर्डर लाना जरूरी हो गया है।

केंद्र सरकार द्वारा वर्तमान में किसानों को 60 मिलियन टन खाद पर सब्सिडी दी जा रही है। इसका 18 फ़ीसदी सरकार को आयात करना पड़ता है।जिसमें सरकार को विदेशी मुद्रा खर्च करनी होती है। सरकार के ऊपर बोझ बढ़ता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सरकार ने 2024-25 में यूरिया सब्सिडी में 1.91लाख करोड रुपए करोड रुपए खर्च किए हैं। जिसके कारण राजकोषीय घाटा सरकार का बढ़ रहा है। जिसके कारण विदेशी मुद्रा का संकट भी खड़ा हो रहा है।

केंद्र सरकार सब्सिडी बिल को नियंत्रित करने के लिए खाद में हो रही कालाबाजारी और अनियंत्रित मांग को नियंत्रित करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार कर रही है। किसानों को उनकी जमीन और फसल के आधार पर उर्वरक का कोटा राज्य सरकारें तय करेगी। केंद्र सरकार राज्य सरकारों का कोटा तय करेगी। सहकारी समितियों के माध्यम से खाद का वितरण किसानों को कराया जाएगा। जल्द ही केंद्र सरकार खाद का पायलट प्रोजेक्ट लागू करने जा रही है।

केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा का कहना है, किसान जरूरत से ज्यादा उर्वरक खरीदते हैं। जिस किसान को 10 बोरी की जरूरत होती है। वह 50 बोरी खरीद रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को पायलट प्रोजेक्ट के तहत कंट्रोल ऑर्डर लागू करना पड रहा है। ताकि सरकार के ऊपर सब्सिडी का बोझ कम हो।

जिस तरह के हालात बन रहे हैं। उसमें किसानों के लिए दोहरी व्यवस्था लागू किए जाने की संभावना बन रही है। खुले बाजार में उर्वरक की कीमत अधिक होगी? कोटे से किसानों को जो खाद सप्लाई की जाएगी। उसकी कीमत बाजार में मिलने वाली खाद की कीमत से कम होगी।

अरुणाचल में ट्रक खाई में गिरा, 21 की मौत

अनजॉ। अरुणाचल प्रदेश के अनजॉ जिले के हयुलियांग इलाके में एक ट्रक 1000 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में ड्राइवर और क्लीनर समेत 21 मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा 8 दिसंबर का है। जानकारी गुरुवार को सामने आई। दरअसल, हादसे में एक व्यक्ति जीवित बचा था, जो दो दिन तक पैदल चलकर किसी तरह आर्मी कैंप तक पहुंचा। इसके बाद आज सुबह आर्मी के बचाव दल की टीमें मौके पर पहुंची। टीम को घटनास्थल पर पहुंचने में 10 से ज्यादा घंटे लगे। हादसे में घायल व्यक्ति खाई से मुश्किल से बाहर निकला और दो दिन तक पैदल

चलकर दिसंबर की रात चिपरा ग्रेफ कैंप तक पहुंचा। यहां उसने जवानों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद गुरुवार सुबह आर्मी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हादसे वाली जगह चगलगाम से लगभग 12 किलोमीटर आगे पहाड़ी और घने जंगल वाला इलाका है। यहा बहुत कम ही आवाजाही होती है।

पद्मेश न्यूज शहरनामा
12
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

हट्टा थाना क्षेत्र की लुटेरी दुल्हन मंदसौर पुलिस की हिरासत में

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिले की हट्टा पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र की एक लुटेरी दुल्हन को हिरासत में लेकर उसे जिला मंदसौर पुलिस के हवाले कर दिए। यह लुटेरी दुल्हन ज्योति बागडे 30 वर्ष ग्राम देवरी निवासी

है ।जिसके विरुद्ध जिला मंदसौर के गरोठ थाना में विश्वासघात कर धोखाधड़ी करने के आरोप में 6 माह पहले ही अपराध दर्ज किया गया है। इस लुटेरी दुल्हन से उसके द्वारा गिरवी रखे गए करीब 50 हजार रुपए के जेवरात हुई जप्त किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला मंदसौर के गरोठ थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति मुकेश कुमार पांडे 45 वर्ष की ज्यादा उम्र होने से उसे शादी के लिए लड़की नहीं मिल रही थी इसी दौरान उसे किसी व्यक्ति ने बताया कि अर्चना पिता रामेश्वर नाम की महिला जो बैतूल निवासी है यह महिला शादी करवाने का काम करती है। मुकेश कुमार पांडे ने अर्चना से संपर्क किया और उसने बालाघाट जिले में रहने वाली ज्योति पिता ओमकार बागडे से शादी करने करने की बात तय की थी और अर्चना ने शादी करने के एवज में मुकेश कुमार पांडे से डेढ़ लाख रुपए की मांग की थी। तय समय पर 11 जून 2025 को अर्चना ने मुकेश कुमार पांडे की शादी ज्योति बागडे ग्राम देवरी निवासी से करा दी थी और उसने शादी करने के डेढ़ लाख रुपए भी मुकेश कुमार पांडे से ले ली थी। इस शादी से मुकेश कुमार पांडे बहुत खुश थे। क्योंकि अधिक उम्र होने के कारण उन्हें शादी के लिए लड़की नहीं मिल रही थी। किंतु मुकेश कुमार पांडे की यह खुशी महज 12 घंटे ही रह पाई। शादी के बाद सब सामान्य चल रहा था। किंतु 12 एवं 13 जून की दरमियानी रात ज्योति बागडे, मुकेश कुमार पांडे के घर से जेवरात और नगदी रुपए लेकर भाग खड़ी हुई। ज्योति बागडे का जेवरात, नगदी रुपए लेकर भागना मुकेश कुमार पांडे के साथ विश्वास घात के साथ ही एक धोखाधड़ी की भी घटना हुई थी। ज्योति बागडे के नगदी जेवरात लेकर भागने के बाद मुकेश कुमार पांडे ने उसकी अपने स्तर पर खोजबीन की थी ।किंतु ज्योति बागडे नहीं मिली। 24 जून 2025 को मुकेश कुमार पांडे ने इस घटना की रिपोर्ट गरोठ थाना में की थी। इस थाने में ज्योति बागडे के विरुद्ध अपराध क्रमांक 258 / 25 में धारा 316(2),318(4),61(2),3(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इस मामले में अर्चना बैतूल निवासी को गिरफ्तार कर लिया गया था और ज्योति बाग? की लगातार तलाश की जा रही थी। मंदसौर जिले की गरोठ पुलिस ने हट्टा थाना आकर ज्योति बागड़े की उसके घर ग्राम देवरी में तलाश की किंतु अर्चना बागडे अपने गांव देवरी में भी नहीं रह रही थी। हाल ही में सूचना मिली कि अर्चना बागडे बालाघाट नगर की बूढ़ी में रही है। इस सूचना पर 11 दिसंबर को थाना प्रभारी अविनासिह राठौर ने सहायक उपरीक्षक विजय बिसेन, प्रधान आरक्षक निखिलेश अग्निहोत्री के साथ मिलकर बूढ़ी बालाघाट में अर्चना बागडे की खोजबीन करते हुये उसे हिरासत में लिए और उसे गरोठ पुलिस के हवाले कर दिए। ज्योति बागडे से पूछताछ करने पर उसके द्वारा मुकेश कुमार पांडे के घर से ले गए जेवरात को बालाघाट नगर के एक ज्वेलर्स की दुकान से ही जप्त किया गया। ज्योति बागडे ने इस जेवरात को इस दुकान में गिरवी रख दी थी। जिसकी कीमत 50हजार रुपये बताई गई है। बताया जा रहा है कि यह लुटेरी दुल्हन इसके पूर्व भी दो शादी कर चुकी है।

मलाजखंड बस स्टैंड में नशे में धुत एक आरक्षक की जमकर पिटाई

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मलाजखंड बस स्टैंड में बीती रात नशे में धुत एक आरक्षक की जमकर पिटाई कर दी गई। यह आरक्षक अनुराग गिरी बताया जा रहा है। और इस आरक्षक की गई पिटाई का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। जानकारी के मुताबिक आरक्षक अनुराग गिरी पुलिस थाना मलाजखंड में पदस्थ था। किंतु हाल ही में किसी कारणवश उसे पुलिस लाइन अटैच किया गया है। जिसका परिवार मलाजखंड में ही रहता है। 10 दिसंबर की रात 11 बजे करीब यह आरक्षक अनुराग गिरी अपने कुछ दोस्तों के साथ में मलाजखंड बस स्टैंड स्थित एक बिरयानी की दुकान में बिरयानी खाने गए थे। तभी वहां पर कुछ लोगों के साथ आरक्षक अनुराग गिरी का विवाद हो गया और आरक्षक अनुराग गिरी की बस स्टैंड में ही जमकर पिटाई कर दी गई। आरक्षक अनुराग गिरी नशे में धुत था। और लोगों द्वारा की गई पिटाई से उसका हाल बेहाल हो चुका था। आरक्षक अनुराग गिरी का उसकी दोस्तों के द्वारा बीच बचाव किया गया और उसे घर पहुंचाया गया। हालांकि अभी तक इस घटना की किसी भी प्रकार की रिपोर्ट मलाजखंड पुलिस थाना में दर्ज नहीं की गई है। किंतु पुलिस थाना से ही इस घटना की पुष्टि की गई है।

अन्ततः माओवादी दीपक उर्फ सुधाकर ने रोहित के साथ कर दिया आत्मसमर्पण

दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, जिला घोषित हुआ नक्सलमुक्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पुलिस को एक बार फिर बड़ी उपलब्धि मिली है। 11 दिसंबर को नक्सली दीपक और रोहित ने कोरका स्थित सीआरपीएफ कैंप में आत्मसमर्पण कर दिया। 11 दिसम्बर को मध्यप्रदेश में बचे हुए अंतिम 02 नक्सली डीव्हीसीएम दीपक उर्फ सुधाकर, उम्र 56 वर्ष, निवासी पालाघोंदी बालाघाट तथा एसीएम रोहित उर्फ मंगलू, उम्र 36 वर्ष, निवासी फतेनार, जिला बीजापुर (छ.ग.) ने शासन की नीतियों पर विश्वास जताते हुए आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सली दीपक उर्फ सुधाकर और रोहित उर्फ मंगलू पर संयुक्त रूप से 43 लाख रुपये का इनाम घोषित था। रोहित पर 21 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जबकि दीपक उर्फ सुधाकर वर्ष 1986 में नक्सल दलम में भर्ती हुआ था और इसके विरुद्ध बालाघाट में 100 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार डीव्हीसीएम दीपक उर्फ सुधाकर और एसीएम रोहित उर्फ मंगलू के आत्मसमर्पण करने के साथ ही मध्यप्रदेश से सक्रिय सशस्त्र नक्सलवाद की समाप्ति हो गई है। वर्ष 1990 में थाना बिरसा अंतर्गत नक्सलियों के विरूद्ध पहली एफआईआर दर्ज की गई। जिसके बाद सुरक्षा बलों द्वारा नक्सल विरोधी अभियान शुरू किए गये। वर्ष 1990 से वर्ष 2025 तक नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 38 पुलिसकर्मी वीरगति को प्राप्त हुए हैं एवं 57 आम नागरिक भी लाल आतंक के कारण जनशहीद हुए हैं। बालाघाट से नक्सलवाद के उन्मूलन में यह बलिदान भी अविस्मरणीय रहेंगें । नक्सलवाद के विरूद्ध इस लड़ाई में सुरक्षा बलों द्वारा 45 हार्डकोर सशस्त्र नक्सलियों को न्यूट्रीलाइज एवं 28 हार्डकोर नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इस सफलता में हॉकफोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा फोर्स, जिला पुलिस बल का विशेष योगदान हैं। हाल ही में एमएमसी जोन के 10 हार्डकोर, सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों ने भारत के संविधान पर अपनी निष्ठा जताते हुए हथियार त्याग कर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों पर विभिन्न राज्यों में कुल 02 करोड़ 36 लाख रुपये का ईनाम घोषित था। 19 नवंबर 2025 को बोरतालाब में हुई मुठभेड़ में एसजेडसीएम विकास नगपुरे व उसकी टीम को अपना सामान छोडकर कर भागना पड़ा था और टीम के कुछ सदस्य गोली लगने से घायल हो गये थे जिससे घबराकर विकास नगपुरे ने भी अपने 10 सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों (दर्रेकसा दलम) के साथ मय हथियार के आत्मसमर्पण कर दिया था। 06 दिसम्बर 2025 को पायलीमेटा जंगल क्षेत्र में हॉकफोर्स द्वारा चलाये जा रहे सर्चिंग अभियान के दौरान सीसीएम रामदेर की सशस्त्र टीम से हुई मुठभेड़ में सीसीएम रामदेर को अपनी टीम के साथ पायलीमेटा जंगल क्षेत्र से भागकर अगले ही 7 दिसम्बर 2025 को सीमावर्ती जिला खैरागढ़ में आत्मसमर्पण करना पड़ा। सुरक्षा बलों द्वारा चलाये जा रहे सघन नक्सल विरोधी अभियान के फलस्वरूप ही बालाघाट जोन में एक ही वर्ष में अब तक के सर्वाधिक 10 हार्डकोर नक्सलियों को धराशायी किया गया है।

जिलों में 1990 से नक्सलियों ने दिखया था अपना प्रभाव

मध्यप्रदेश के बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिलों में वर्ष 1990 से नक्सलियों ने बंदूक एवं हिंसा के माध्यम से ग्रामीणों को डराकर अपना प्रभाव स्थापित करना शुरू किया था। वर्ष 1990 में थाना बिरसा के अंतर्गत नक्सलियों के विरुद्ध पहली एफआईआर दर्ज की गई, जिसके बाद सुरक्षा बलों द्वारा नक्सल विरोधी अभियान शुरू किए गए। वर्ष 1990 से 2025 के बीच नक्सल विरोधी अभियानों में 38 पुलिसकर्मी वीरगति को प्राप्त हुए तथा 57 आम नागरिक लाल आतंक का शिकार बने। बालाघाट से नक्सलवाद के उन्मूलन में यह बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेंगे। नक्सलवाद के विरुद्ध इस लंबी लड़ाई में सुरक्षा बलों द्वारा 45 हार्डकोर सशस्त्र नक्सलियों को ढेर किया गया तथा 28 हार्डकोर नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इस सफलता में हॉकफोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा फोर्स और जिला पुलिस बल का विशेष योगदान रहा है।

पुलिस ने किया था सघन सर्चिंग

मध्यप्रदेश पुलिस, सीआरपीएफ और कोबरा द्वारा की जा रही लगातार सघन सर्चिंग के कारण हाल ही में एमएमसी जोन के 10 हार्डकोर सशस्त्र नक्सलियों ने भारत के संविधान पर निष्ठा जताते हुए माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इन नक्सलियों पर विभिन्न राज्यों में कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का इनाम घोषित था।19 नवंबर 2025 को बोरतालाब में हुई मुठभेड़ में एसजेडसीएम विकास नगपुरे व उसकी टीम को अपना सामान छोड़कर भागना पड़ा था। टीम के कुछ सदस्यों के गोली लगने से घायल होने पर घबराकर विकास नगपुरे ने भी अपने 10 सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों (दर्रेकसा दलम) के साथ हथियार डाल दिए। इसी प्रकार 06.12.2025 को पायलीमेटा जंगल क्षेत्र में हॉकफोर्स द्वारा की जा रही सर्चिंग के दौरान सीसीएम रामदेर की सशस्त्र टीम से मुठभेड़ हुई, जिसके बाद रामदेर को अगले ही दिन 07.12.2025 को सीमावर्ती जिला खैरागढ़ में आत्मसमर्पण करना पड़ा। सुरक्षा बलों के सघन नक्सल विरोधी अभियान के परिणामस्वरूप ही बालाघाट जोन में वर्ष 2025 में अब तक के सर्वाधिक 10 हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया गया है।

दीपक और रोहित पर इस प्रकार हैं मामले

भारत सरकार द्वारा नक्सलवाद के उन्मूलन हेतु मार्च 2026 तक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 11 दिसम्बर को मध्यप्रदेश में बचे हुए अंतिम 02 नक्सलियों डीव्हीसीएम दीपक उर्फ सुधाकर उम्र 56 वर्ष निवासी पालाघोंदी बालाघाट (म0प्र0) एवं एसीएम रोहित उर्फ मंगलू उम्र 36 वर्ष निवासी फतेनार जिला बीजापुर (छ.ग) ने शासन की नीतियों पर विश्वास जताते हुए आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सली दीपक उर्फ सुधाकर एवं रोहित उर्फ मंगलू पर संयुक्त रूप से 43 लाख का ईनाम था रोहित पर 21 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। दीपक उर्फ सुधाकर वर्ष 1986 में नक्सल दलम में भर्ती हुआ था इस पर बालाघाट में 100 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त पूर्व में आत्मसमर्पण किये हुये नक्सलियों की निशादेही से जंगल में डम्प किये गये रायफल, पिस्टल, एम्युनेशन, बीजीएल शेल, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मेनपेक सेट व अन्य सामग्रियों भारी मात्रा में जप्त की गई हैं ।उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार डीव्हीसीएम दीपक उर्फ सुधाकर एवं एसीएम रोहित उर्फ मंगलू के सरेंडर करने के साथ ही मध्यप्रदेश से सक्रिय सशस्त्र नक्सलवाद की समाप्ति हो गयी है।

प्रदेश नक्सलवाद से मुक्त हो गया - मोहन यादव

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि अब न केवल बालाघाट, बल्कि पूरा प्रदेश नक्सलवाद से मुक्त हो गया है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने बालाघाट पुलिस और जिला प्रशासन को बधाई दी। पुलिस महानिरीक्षक संजय सिंह और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि जिले में बचे दोनों नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद बालाघाट को नक्सलमुक्त घोषित कर दिया गया है। इसी दौरान कलेक्टर बालाघाट ने कहा कि अब वनांचल क्षेत्र में आमजन को मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी और विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि जिले के नक्सलमुक्त होने के बाद पुलिस द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों की मदद से जंगलों में सर्चिंग

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट